हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 1 जनवरी 2026

ALLEN KOTA

शिक्षा की पहचान से, भविष्य निर्माण तक

शिक्षा की काशी कोटा आपके साथ

ALLEN Classroom Champions of JEE & NEET (UG) 2025

AIR 1
Rajit Gupta
Classroom Course
IIT, Bombay (CSE)

AIR 2
Saksham Jindal
Classroom Course
IIT, Bombay (CSE)

AIR 4
Mrinal Kishore Jha
Classroom Course
AIIMS, Delhi

AIR 6
Akshat K. Chaurasia
Classroom Course
IIT, Bombay (CSE)

AIR 7
Keshav Mittal
Classroom Course
AIIMS, Delhi

AIR 8
Devesh P. Bhaiya
Classroom Course
MIT, US

AIR 8
Jha Bhavya Chirag
Classroom Course
AIIMS, Delhi

AIR 12
Aashi Singh
Classroom Course
AIIMS, Delhi

AIR 13
Vedansh Garg
Classroom Course
IIT, Bombay (CSE)

AIR 13
Tanay
Classroom Course
AIIMS, Delhi

AIR 14
Ritwik Khandelwal
Classroom Course
IIT, Bombay (CSE)

AIR 15
Manvendra S. Rajpurohit
Classroom Course
AIIMS, Delhi

AIR 17
Aagam J. Shah
Classroom Course
IIT, Bombay (CSE)

JEE Adv. 2025
4 Students in Top 10 AIR
46 Students in Top 100 AIR

NEET-UG 2025
4 Students in Top 10 AIR
39 Students in Top 100 AIR

Champions of Olympiads 2025

IJSO 2025

GOLD MEDAL
Aadish Jain
Online Classroom

SILVER MEDAL
Ruhan Mohanty
Classroom Course

SILVER MEDAL
S V Tejas
Classroom Course

IOAA-Jr. 2025

GOLD MEDAL
Aaron Thakkar
Classroom Course

SILVER MEDAL
Swara Patel
Classroom Course

IPhO 2025

GOLD MEDAL
Kanishk Jain
Classroom Course

GOLD MEDAL
Riddhesh Bendale
Classroom Course

SILVER MEDAL
Aagam Shah
Classroom Course

SILVER MEDAL
Rajit Gupta
Classroom Course

IChO 2025

GOLD MEDAL
Devesh Pankaj Bhaiya
Classroom Course

SILVER MEDAL
Debadatta Priyadarshi
Classroom Course

IBO 2025

GOLD MEDAL
Rudra Pethani
Classroom Course

IOAA 2025

GOLD MEDAL
Aarush Mishra
Classroom Course

GOLD MEDAL
Panini
Classroom Course

IESO 2025

1 SILVER (ESP)
Apamnidhi Pandey
Classroom Course

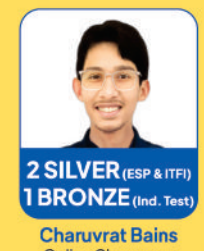
2 SILVER (ESP & ITFI)
1 BRONZE (Ind. Test)
Charuvrat Bains
Online Classroom

1 BRONZE (ITFI)
Priyanshi G.
Classroom Course

- Unmatched results
- 37 years of trust
- Largest pool of experienced faculty
- National level competitive environment
- Personalized mentorship
- Personalized doubt counters
- AI enabled app

ADMISSIONS OPEN NEET | JEE | Olympiads | Class 6th to 12th & 12th pass

ASAT SCHOLARSHIP TEST

Appear & Get Up to **90% Scholarship***

Test Dates
04 & 18 JAN. 2026

SCAN TO REGISTER

Special Festive OFFER
ASAT AT JUST ~~₹500~~ ₹99
For limited period

Don't Miss Your Special Fee Benefit!
TALLENTEX or ASAT Scholars Receive a Dual Advantage: Scholarship* + SFB*

ALLEN KOTA 89513-95299, 86906-60111 allen.ac.in

ALLEN BHILAI 9048777388 allen.ac.in/bhilai

ALLEN BILASPUR 8951395460 allen.ac.in/bilaspur

ALLEN RAIPUR 8951395440 allen.ac.in/raipur

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment for the students to prepare for their target examinations. Studying at a coaching institute does not guarantee selection in the examinations. Selection also depends on other factors like preparation, available admission seats in the competitive exam, and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid and full time online/classroom course.

*Subject to T&C of scholarship, rewards and other fee benefits.

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

2026
नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ की आत्मा में सबका वास
ये हैं अद्भुत, अलौकिक... बेहद खास

नए साल में यह ज़रूरी है कि ऐसी कहानियाँ सामने आएँ, ताकि नई पीढ़ी समझ सके कि छत्तीसगढ़ का विकास साझा प्रयासों से बना है।इसी भावना के साथ हरिभूमि उन लोगों तक पहुँचा, जिनका योगदान अक्सर सुर्खियों से दूर रह जाता है। उन्होंने बेहद सहजता और सरलता से अपनी सोच और अपने अनुभव साझा किए। पेश हैं छत्तीसगढ़ की आत्मा को जोड़ने वाली ऐसी ही विभूतियों की कहानियाँ- नए साल की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

बछर पूरा हुआ। नया सूरज निकल आया है। उसकी रश्मियाँ उम्मीदों के साथ-साथ हमें यह भी याद दिला रही हैं कि उजाला हमेशा मिलकर रचा जाता है। छत्तीसगढ़ भी ऐसा ही है—यहाँ की पहचान किसी एक नाम, एक वर्ग या एक चेहरे से नहीं, बल्कि उन अनगिनत लोगों से बनी है, जिन्होंने इस धरती को अपना माना और इसके लिए कुछ न कुछ अर्पित किया। राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने कई ऐसे लोगों को देखा, जिन्होंने चुपचाप, बिना किसी शोर के, समाज को मजबूत करने का काम किया। किसी ने शिक्षा के लिए अपनी पुश्तैनी ज़मीन दे दी, किसी ने स्वास्थ्य को अपना जीवन लक्ष्य बना लिया, तो किसी ने भूख से जूझते लोगों के लिए अपनी झोली खोल दी। कोई यहीं का था, कोई दूर से आया था—लेकिन सबकी भावना एक थी: छत्तीसगढ़ और इसके लोग। इन कहानियों में न जाति की दीवार है, न धर्म की सीमा, न भाषा या वेश का भेद। यहाँ सिर्फ़ मनुष्यता है, संवेदना है और इस मिट्टी से जुड़ाव है।

पेज-2

पेज-3

पेज-4

बिलासपुर
विकास चौबे

एक ने दी जमीन, दूसरे ने खोला ज्ञान का आकाश अब 20 गांव के बच्चे भर रहे उड़ान!

- स्कूल में कुल 225 बच्चे पढ़ रहे, इसमें तीन ही सामान्य बाकी सभी आदिवासी और पिछड़े वर्ग से

भगत **सिंह** मूलतः रायगढ़ जिले के थे लेकिन उन्होंने ध्यान और आध्यात्म के लिए जीपीएम जिले में 18 एकड़ जमीन ली थी। बच्चों की शिक्षा और संस्कार के लिए उन्होंने बाद में ढाई एकड़ जमीन 2008 में आचार्य परमानंद गिरी को दी जिन्होंने गुरुकुल की स्थापना की। भगत सिंग साजन हमेशा सबसे और खुद से सवाल करते थे कि वे इस क्षेत्र क्या दे सकते हैं। इसी विचार के बाद उन्होंने गुरुकुल की स्थापना का फैसला लिया।

जांजगीर
अभिषेक शुक्ला

गाँव में स्कूल और आंगनबाड़ी के लिए दान कर दी जमीन

जांजगीर जिला मुख्यालय से दस किलोमीटर दूर ग्राम कुटरा में गांव के लोगों की जरूरत को ध्यान में रखकर राघवेंद्र **पांडे** ने स्कूल, आंगनबाड़ी और सामुदायिक भवन के लिए अपनी कीमती जमीन दान कर दी। उन्होंने यह अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए किया।

अंबिकापुर
अजय नारायण पांडेय

अस्पताल खोलने सड़क की बेशकीमती जमीन की दान

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के डेढ़ दशक बाद भी जब ग्राम पंचायत जमड़ी में स्कूल एवं अस्पताल की सुविधा नहीं मिली तो ग्रामीणों ने प्रतिष्ठित परिवार के वरिष्ठ सदस्य अरूण प्रताप **सिंहदेव** से अपनी समस्याओं को अवगत कराया तथा स्वास्थ्य केन्द्र खुलवाने के लिए कारगर पहल करने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होने के बाद उन्होंने गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने स्वयं की जमीन उपलब्ध कराई।

रायगढ़
स्वतंत्र महंत

*रायगढ़ के धनंजय **गुप्त** ने अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए महापल्ली में सड़क किनारे आधा एकड़ भूमि बटमूल आश्रम महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए दान कर दी।*

पेज-5

कवर्धा
संजय यादव

दान, त्याग और संकल्प से बनी 'शिक्षा की पहचान'

आज जब जमीन को लेकर विवाद और स्वार्थ की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, ऐसे दौर में कबीरधाम जिले के पिपरिया में शिक्षा के लिए किया गया दान आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन गया है। महंत श्री राम जानकी शरण दास **वैष्णव** शासकीय स्नातक महाविद्यालय, पिपरिया केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि समाज, संत और सेवा के संयुक्त संकल्प का जीवंत उदाहरण है।

रायपुर
विकास शर्मा

अपनों को खोने का दर्द बना दूसरों का सहारा...

- यह कहानी रोहिणीपुरम में रहने वाले भारत लाल **वर्मा** और उनकी पत्नी गंगोत्री वर्मा की पीड़ा से जुड़ी है।
- अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों को भटकना न पड़े, इसलिए कराया दाई कोरा अस्थायी ठिकाने का निर्माण।

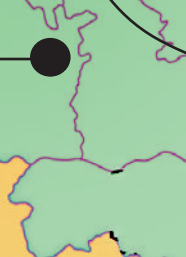

कोरबा
नागेन्द्र श्रीवास

दान की जमीन से बदली तस्वीर, गौ आश्रय के साथ जीविकोपार्जन का सहारा

- कोरबा के प्रतिष्ठित व्यापारी राजकुमार **अग्रवाल** की जमीन है। उन्होंने गौ संरक्षण के लिए अपनी बेसकीमती 4 एकड़ जमीन को समाज के नाम कर दिया।

पेज-6

महाराष्ट्र रही जन्मभूमि लेकिन कर्मभूमि छत्तीसगढ़ ....

कहा जाता है कि आदमी जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान बनता है। उसके कर्म ही उसे एक अलग पहचान देते हैं। कुछ ऐसा ही काम रविंद्र माधवराव **जगदाले** ने किया है ।

राजनांदगांव
हफीज खान

गरियाबंद
गोरेलाल सिन्हा

दिव्यांग रामजी **सिन्हा** गढ़ रहे बच्चों का भविष्य सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज सेवा का संकल्प

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जमाही निवासी शारीरिक रूप से दिव्यांग रामजी सिन्हा, समाज कल्याण विभाग में सेवाकाल के दौरान ही समाज सेवा की भावना से प्रेरित हो गए थे। वर्ष मार्च 2018 में समाज कल्याण विभाग बेमेतरा से प्रभारी उप संचालक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने यह ठान लिया कि पिछड़े और ग्रामीण अंचल के बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित करेंगे।

महासमुंद
मनहरण सोनवानी

इंसानियत की इबादत: सरायपाली के **हुसैन परिवार** ने पेश की सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल, वृद्धाश्रम के लिए दान की लाखों की जमीन

- 5 डिसमिल कीमती जमीन पर बनेगा 'समर्पण अपना घर' वृद्धाश्रम और छात्रावास।

पेज-7

पेज-8

दानवीर रामचन्द्र पाण्डेय के नाम करोड़ों की जमीन दान

पिता की मृत्यु पश्चात उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए अनमोल जमीन पुत्र प्रेम नारायण **पाण्डेय**, संतोष पांडेय एवं श्रीमती दुर्गा राजेन्द्र पांडेय तथा मनीषा अशोक पांडेय ने दान में दिया।

मोहला
एनिश पुरी गोस्वामी

यहां जाति पूछना मना है

बौद्ध समाज के सामाजिक कार्यकर्ता दीपक **ठवरे** निवासी गोंदिया नागपुर ने करीब 15 वर्ष पूर्व ग्राम केसदा स्थित अपनी एक एकड़ भूमि को त्रिरत्न बौद्ध महासंघ छत्तीसगढ़ को सर्व वर्ग के मानव समाज की सेवा करने के लिए दान में दी थी।

कांकेर
गौरव श्रीवास्तव

एक एकड़ ज़मीन, और बदल गया बेटियों का भविष्य जब कॉलेज बना, तब खुले सपनों के दरवाज़े

कांकेर जिले का नरहरपुर ब्लॉक जो जिला मुख्यालय से महज 35 किलोमीटर दूर है आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां उस दौर में स्कूल के बाद लड़कियों की पढ़ाई लगभग थम जाया करती थी। रोजमर्रा की बैठकों में जब भी ग्रामीणों से बातचीत होती, बेटियों की पढ़ाई और रिश्तों की चिंता बार-बार सामने आती। यहीं से आनंद **साहू** ने ठान लिया कि क्षेत्र में हर हाल में कॉलेज खुलवाया जाएगा।

दंतेवाड़ा
सुरेश रावल

ज्ञान के लिए दे दी 22 एकड़ जमीन, अब सेहत सुधारने दान करेंगे 10 एकड़!

आदिवासी किसान बोमड़ा राम **कोवासी** ने दी साढ़े 22 एकड़ जमीन, संवर रहा 8 हजार गरीब बच्चों का भविष्य

जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा से लगभग 15 किलोमीटर दूर का एक गांव जावंगा शिक्षा के मामलें में काफी चर्चित है। गुरूकुल से शुरू हुआ शिक्षा का यह छोटा सा प्रयास आज विशाल वट वृक्ष की तरह एजुकेशन सिटी के रूप में ख्याति अर्जित कर रहा है। एक ही परिसर में 18 शैक्षिक संस्थाओं में लगभग 8 हजार गरीब बच्चे अपना भविष्य संवार रहे हैं। न केवल आदिवासी बल्कि अन्य सभी वर्ग के गरीब बीपीएल परिवार के बच्चों को यहां 12वीं तक की पढ़ाई के लिए निशुल्क शिक्षा दी जाती है।

- दिल खोलकर किया दान, बढ़ाया छत्तीसगढ़ का सम्मान

जगदलपुर
राजेश दास

वनांचल के नौनिहालों के भविष्य को आकार दे रहे सन्यासी

आध्यात्म और विकास शिक्षा का अनूठा केंद्र...

वनांचल के नौनिहालों के भविष्य को आकार दे रहे सन्यासी

हम बात कर रहे है धरमपुरा शिवानन्द आश्रम के संचालक स्वामी शिवदासानंद **सरस्वती** महाराज की और इनके आश्रम की जो आध्यात्मिक जीवन के साथ बुनियाबी शिक्षा का विशिष्ट संगम बना हुआ है। यहां बच्चें आध्यात्मिकता के करीब रहकर अपनी स्कूली शिक्षा ले रहे हैं। इतना ही नहीं वे यहां से पढ़कर अपने सामान्य जीवन में भी सफल हो रहे है। मिली जानकारी के अनुसार इन वर्षों में यहां से लगभग 600 से अधिक बच्चे पढ़कर बाहर निकल चुके हैं और वे सफल भी है।

रायपुर
ललित राठोड़

मरीजों के परिजनों का सहारा, 1500 लोग ले रहे दो वक्त का भोजन

वर्ष 2020 में गणेश **भट्टर** और उनके बेटे गौरव भट्टर ने मिलकर की। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने लगातार लोगों को भूख से तड़पते देखा। विशेषकर अस्पताल के बाहर बैठे गरीब परिजन उनके मन को विचलित करते थे। उन्होंने अस्पताल के सामने ही भोजन वितरण करने का निर्णय लिया।

रायपुर
संजय जोशी

50 लाख रुपए की लागत से जरूरतमंदों के लिए विकसित की ई-लाइब्रेरी

981-82 बैच के मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में करियर की शुरुआत करने वाले रिटायर्ट अपर आयुक्त नगर निगम रायपुर जेआर **सोनी** का यह मानव सेवा का भाव उन विद्यार्थियों के सपने को पंख दे रहा हैं।

राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने कई ऐसे लोगों को देखा, जिन्होंने चुपचाप, बिना किसी शोर के, समाज को मजबूत करने का काम किया। तो किसी ने भूख से जूझते लोगों के लिए अपनी झोली खोल दी।

दान की एक एकड़ भूमि में 50 लाख इकट्ठा कर बनाया 'धम्मघोस दीपक' छात्रावास

इस छात्रावास में हर वर्ग, समाज के असहाय निर्धन बच्चों को दी जा रही कक्षा पहली से 11वीं तक निःशुल्क कोचिंग सहित अन्य सुविधाएं

सर्वधर्म-वर्ग के बच्चों को दी जा रही शिक्षा, जाति पूछे बिना एडमिशन

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| बलौदाबाजार

बलौदाबाजार-भाटागांव जिले के सिमगा तहसील अंतर्गत ग्राम केसदा में एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दान की गई एक एकड़ भूमि का सदुपयोग बौद्ध समाज ने किया। बौद्ध समाज के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने असहाय एवं निर्धन बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए उस भूमि पर जनसहयोग से 50 लाख एकत्र कर धम्मघोस भवन का निर्माण कराया। बल्कि, भूमि के दानकर्ता के नाम से इस भवन को नाम देकर यहां बच्चों को कक्षा पहली से 11वीं तक निशुल्क कोचिंग खेलकूद, भोजन की व्यवस्था भी दी जा रही है।

गोंदिया के सामाजिक कार्यकर्ता ने 15 साल पहले दान की थी भूमि

बौद्ध समाज के सामाजिक कार्यकर्ता दीपक ठवरे निवासी गोंदिया नागपुर ने करीब 15 वर्ष पूर्व ग्राम केसदा स्थित अपनी एक एकड़ भूमि को त्रिरत्न बौद्ध महासंघ छत्तीसगढ़ को सर्व वर्ग के मानव समाज की सेवा करने के लिए दान में दी थी। इस भूमि के मिलने पर बौद्ध समाज के लोगों ने इसका सदुपयोग करते हुए दानकर्ता दीपक ठवरे की इच्छा के अनुसार एक समिति का गठन किया। दीपक ठवरे के निधन के बाद इस समिति ने बौद्ध समाज के साथ प्रदेशभर के अन्य वर्ग के सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया। समिति ने सबसे पहले इस भूमि पर करीब 50 लाख रुपए की लागत से एक भवन निर्माण करने की पहल की। इसके लिए समिति ने हर वर्ग समाज के सामाजिक कार्यकर्ताओं से भवन बनाने के लिए मदद मांगी।

हर साल कमाई की 10 प्रतिशत राशि करते हैं दान, जाति पूछे बिना एडमिशन

इस छात्रावास में हर समाज वर्ग के बच्चे अध्ययन करते हैं। यहां पहुंचने वाले बच्चों की जाति के बारे में पूछे बिना उन्हें यहां एडमिशन दिया जाता है। इन बच्चों की जरुरतों को देखते हुए बौद्ध समाज के नौकरीपेशा व समाज सेवक साल में एक बार अपनी कमाई की 10 प्रतिशत राशि छात्रावास में दान भी करते हैं। ताकि, बच्चों को जो सुविधाएं दी जा रही हैं, उसमें कमी नहीं हो।

50 से अधिक बच्चे हो चुके लाभान्वित, वर्तमान में 19 को मिल रही सुविधा

बौद्ध संघ के सचिव ब्रम्हचारी अमृत रत्न ने बताया कि छात्रावास में कक्षा पहली से लेकर 11वीं तक के बच्चों को 20 से 25 टीचरों द्वारा निःशुल्क कोचिंग के साथ भोजन तथा खेलकूद की गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इसके अलावा बच्चों को कपड़े, कापी-पुस्तक सहित अन्य दैनिक जरुरत की चीजें भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके लिए कई सामाजिक कार्यकर्ता हर साल छात्रावास में इन सभी सामाग्रियों का दान भी करते हैं।

शिक्षा के साथ कम्प्यूटर का प्रशिक्षण

दीपक छात्रावास में बच्चों को पढ़ाई के साथ कम्प्यूटर का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसके अलावा संस्था सालभर में कई बार शिविर भी आयोजित करती है। इस शिविर में शिक्षकों द्वारा बुद्ध एवं बाबा साहेब का मार्गदर्शन दिया जाता है।

दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर किया दान

दानदाताओं ने भी समिति का उद्देश्य जानकर भवन निर्माण के लिए जमकर दान किया। इस तरह 50 लाख रुपए की लागत से इस भवन का निर्माण करीब 10 वर्ष पहले हुआ। भवन का नाम भी धम्मघोस दीपक के नाम पर रखा गया। तब से इस भवन में असहाय एवं निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ खेलकूद एवं भोजन आदि की व्यवस्था की जा रही है।

शहर के धरमपुरा क्षेत्र में स्थित शिवानंद आश्रम दो दशक से अनाथ, अशिक्षित और सुदूर वनांचल के बच्चों में प्रारम्भिक शिक्षा, आध्यात्मिक, योग व संस्कार का बीज बो रहा है। प्रतिवर्ष दर्जनों की संख्या में बच्चे नक्सल प्रभावित क्षेत्र से निकलकर अपने सुनहरे भविष्य को यहां निःस्वार्थ सेवा दे रहे सन्यासी के साथ गढ़ने में लगे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस आश्रम ने अभी तक किसी भी प्रकार की शासकीय सहायता या अनुदान के बगैर ही समाज को कई व्यक्तित्व गढ़कर दिए हैं। यहां से शिक्षा प्राप्त कर सेना, पुलिस, शिक्षा, राजस्व और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर आसीन होकर देश व समाज की सेवा कर रहे है।

शिक्षा और संस्कार का बीज बो रहा शिवानंद आश्रम
बिना किसी शासकीय अनुदान के दर्जनों बच्चों की परवरिश

आश्रम में शिक्षित बच्चे सेना के अलावा अधिकारी, पुलिस, शिक्षा व राजस्व विभाग में दे रहे सेवा

आध्यात्म और बुनियादी शिक्षा का अनूठा केंद्र, जिसकी छांव में बड़े हुए 'बड़े लोग'

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

आइए आपका परिचय कराते हैं एक ऐसी शख्सयत से जो बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर के ग्राम पापनपाल में पैदा हुए अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी बस्तर में पूर्ण की। अपना पूरा जीवन बच्चों को समर्पित कर समाज में एक मिसाल बन गए हैं। हम बात कर रहे है धरमपुरा शिवानन्द आश्रम के संचालक स्वामी शिवदासानंद सरस्वती महाराज की और इनके आश्रम की जो आध्यात्मिक जीवन के साथ बुनियादी शिक्षा का विशिष्ट संगम बना हुआ है। यहां बच्चे आध्यात्मिकता के करीब रहकर अपनी स्कूली शिक्षा ले रहे हैं। इतना ही नहीं वे यहां से पढ़कर अपने सामान्य जीवन में भी सफल हो रहे हैं। इन वर्षों में यहां से लगभग 600 से अधिक बच्चे पढ़कर बाहर निकल चुके और वे सफल भी हैं। शिक्षा के साथ ही यहां बच्चे योग, संस्कार और आत्म निर्भर बनने के गुर सीख रहे हैं। आश्रम के संचालक स्वामी शिवदासानंद सरस्वती बताते हैं कि उनका संकल्प व लक्ष्य हैं कि यहां प्रारंभिक शिक्षा लेने वाले बच्चों को एक सफल इंसान बनाना। इसके लिए वे पूरी निष्ठा के साथ प्रयास कर रहे है और उन्हें उनके लक्ष्य में सफलता भी मिल रही है।

श्रद्धालुओं के सहयोग पर निर्भर है आश्रम, झोपड़ी से शुरू किया गया था, अब नियमित योग के साथ संस्कृत, बागवानी व अध्यात्म की शिक्षा

स्वामी शिवदासानंद सरस्वती कहते हैं कि आश्रम में केवल गरीब, अनाथ व अशिक्षित परिवार के बच्चों को रखा जाता है। इन्हें नियमित योग के साथ संस्कृत, बागवानी व अध्यात्म की शिक्षा भी दी जा रही है। बच्चों को पढ़ाने कुछ शिक्षक भी मेहनत कर शिक्षादान कर रहे हैं। वे काफी हद तक संतुष्ट होने के साथ ही अपने लक्ष्य में सफल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि आश्रम पूरी तरह कुछ भक्तों के सहयोग पर निर्भर है। जनसहयोग से ही पिछले 22 वर्ष से आश्रम के बच्चों को निःशुल्क अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2002 में ग्राम पंचायत में घाटपदमूर में 2 बच्चों से झोपड़ी में शुरू किए गए आश्रम में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों की संख्या में ईजाफा हो रहा है। वर्तमान में लगभग डेढ़ एकड़ में विस्तारित आश्रम दानदाताओं के सहयोग के भरोसे चल रहा है।

आश्रम ने दिया सहारा

बचपन में आश्रम में रहकर विद्या अध्ययन करने वाले बच्चों का मानना है कि प्रारंभिक शिक्षा का ही परिणाम है कि आज वे सात्विक जीवन जी रहे हैं। शुद्ध शाकाहारी जीवनयापन करने में आश्रम का विशेष योगदान रहा है। वर्तमान में बीजापुर राजस्व निरीक्षक के पद पर सेवा दे रहे सुभाषचन्द्र कुड़ियम का मानना है कि बचपन में उन्होंने आश्रम में रहकर विद्या अध्ययन किया और आज परिवार के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे है। आश्रम में रहकर प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण कर आज शासकीय सेवा कर रहे शिक्षक प्रभुनारायण, मनीषा कुड़ियम, कमला, गिरजा के अलावा फारेस्ट गार्ड पण्डा राजु, संतोष आदि का भी यह मानना है कि आश्रम में रहकर ही उनका जीवन सफल हो सका है और यह सब स्वामी जी के सत्संग का प्रभाव है। आश्रम में रहकर पढ़ाई करने वाले दो दर्जन से अधिक बच्चे आज शासकीय सेवा में हैं। सभी का यह मानना है कि बचपन में उन्हें संस्था व स्वामीजी का सहारा नहीं मिलता तो शायद आज उनकी जिंदगी कुछ और ही होती।

संस्कृत व समाजशास्त्र में एमए करने के बाद नौकरी की बजाए निर्धन बच्चों को शिक्षित करना लक्ष्य

बस्तर संभाग का बीजापुर जिला पिछले चार दशक से देश के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले में शुमार है। 80 के दशक में धुर नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के पापनपाल में पुजारी परिवार में जन्में स्वामी शिवदासानंद सरस्वती ने प्रारम्भिक शिक्षा पापनपाल व नैमेड़ करने के बाद हाईस्कूल की परीक्षा बीजापुर में दी। भोपालपटनम से कृषि संकाय में हायरसेकेडंरी की परीक्षा पास की। इसके बाद दंतेवाड़ा से बीए करने के बाद जगदलपुर आ गए। पीजी कॉलेज जगदलपुर (धरमपुरा) से संस्कृत व समाजशास्त्र में एमए किया। सरकारी नौकरी की बजाए नक्सल प्रभावित क्षेत्र के निर्धन और अनाथ बच्चों को शिक्षित करने का प्रण लिया। इसी दायित्व का निर्वहन वे पिछले दो दशक से अधिक समय से कर रहे हैं। इन वर्षों में सैकड़ों बच्चों को आत्मनिर्भर बनाया। शुरू में 2 बच्चे से शुरू हुए आश्रम में हर वर्ष दर्जनों बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है।

मां की दान की जमीन से बना अस्पताल मार्ग, पूरे शहर को मिला जीवनदायी रास्ता

सेवा और संवेदना की मिसाल पेश करते हुए शहर की प्रतिष्ठित व्यापारी और बड़े राजनीतिक पार्टी के सदस्य राजेश सिंघी के माताजी श्रीमती राधा देवी सिंघी ने अपने निजी स्वामित्व की 7 डिसमिल की कीमती ज़मीन अस्पताल पहुँच मार्ग के लिए दान में दे दी। शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण से पहले नगर की वे पहली महिला दानदाता है जो सन 2018 में अस्पताल के लिए भूमि दान की जिसके फलस्वरुप सन 2019 में अस्पताल निर्माण की नींव रखी गई। महिला की इस उदार पहल से सरकारी अस्पताल तक सीधी पहुंच संभव हो सकी है। वर्तमान में इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिल रही है।

एनिशपुरी गोस्वामी ▶▶| मोहला

नवनिर्मित अस्पताल तक आने-जाने वाले मार्ग पर निजी जमीन के होने से सड़क के लिए दुविधा का कारण बना हुआ था। वैकल्पिक मार्ग पर लोगों को लंबा और संकरा रास्ता तय करना पड़ता था, जिससे आपात स्थिति में मरीजों को भारी परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए राधा देवी ने समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी जमीन का एक हिस्सा प्रशासन को दान कर दिया।

स्थानीय नागरिकों ने इस कदम को मानवता की मिसाल बताते हुए कहा कि ऐसे कार्य आज के दौर में विरले ही करते हैं। नगर परिषद और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी महिला के इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस मार्ग के बनने से अस्पताल की सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रशासन द्वारा जल्द ही दानदाता श्रीमती राधादेवी को सम्मानित करने की घोषणा की गई है। पूरे क्षेत्र में इस पहल की सराहना हो रही है। लोग इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक कदम बता रहे हैं।

दानवीर रामचन्द्र पाण्डेय के नाम से परिवार ने की करोड़ों की जमीन दान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मोहला

अंबागढ़ चौकी निवासी श्री रामचन्द्र पाण्डेय जिनका जन्म, पढ़ाई रोजगार यहीं की धरती पर हुआ। अपनी सनातनी परांपरा अनुसार जिस धरती, समाज ने आपको दिया है जब आप सक्षम हो तो उसे लौटाने का प्रयास करना चाहिए। इसी सोच से उन्होंने अपने जीवन काल के दौरान अंबागढ़ चौकी कॉलेज एवं छुरिया महाविद्यालय में पढाई करने वाले उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष 11 गोल्ड मेडल दान किया जो अभी भी उनके बुजुर्गों के नाम से दिया जा रहा है। ऐसे ही प्राचीन हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार के लिए एक लाख 51 हजार नकद दान किया। उन्होंने गरीब लड़कियों के विवाह में भी बढ़-चढ़कर दान दिया। इसके साथ ही अंबागढ़ चौकी स्थित सामुदायिक चिकित्सालय निर्माण के समय तत्कालीन जनप्रतिनिधियों द्वारा सड़क निर्माण के लिए भूमि दान हेतु सम्पर्क करने पर उन्होंने सहर्ष सहमति दी। उनका कहना था अन्य दानों से भी महान दान जीवन रक्षा है। हमारी जमीन से अगर अस्पताल के लिए सड़क जाती है तो लाखों लोगों की जीवन की रक्षा होगा। कोरोनाकाल में उनकी मृत्यु पश्चात परिजन पिताजी की इच्छा को सर्वोच्च मानकर लगभग 20 डिसमिल जमीन, जिसका बाजार मूल्य एक करोड़ के लगभग होगा का दान किया। उनके पुत्र प्रेम नारायण पाण्डेय, संतोष पांडेय, पुत्रवधु दुर्गा राजेन्द्र पांडेय तथा मनीषा अशोक पांडेय ने दान देने में सहमति जताई और दे दिया।

अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों को भटकना न पड़े, इसलिए कराया दाई कोरा नामक अस्थायी ठिकाने का निर्माण

अपनों को खोने का दर्द बना दूसरों का सहारा... 46 लाख दान देकर बनवाया मरीजों के परिजनों के लिए 'दाई कोरा'

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

जिला स्वास्थ्य कार्यालय के पीछे करीब तीन साल पहले बना दाई कोरा अब तक 4 हजार ऐसे परिजनों का सहारा बन चुका है, जो अपने रिश्तेदारों का इलाज कराने दूर शहरों से राजधानी आए थे। उनके पास रहने का विकल्प नहीं था और न ही होटल-धर्मशाला में रुकने की आर्थिक स्थिति। केवल नाममात्र शुल्क में उन्हें अस्पताल के समीप ही रुकने का बड़ा सहारा दाई कोरा के रूप में मिला। यह कहानी रोहिणीपुरम में रहने वाले भारत लाल वर्मा और उनकी पत्नी गंगोत्री वर्मा की पीड़ा से जुड़ी है। बच्चों के इलाज के दौरान उन्होंने सरकारी अस्पताल के आसपास परिजनों की भटकने के दर्द को महसूस किया था। दोनों के बच्चे गंभीर बीमारी की वजह से अब इस दुनिया में नहीं हैं, मगर उनकी यादों को दान में दिए गए 46 लाख रुपए से बने दाई कोरा के रूप में जीवित रखा है।

6 साल लगे योजनाओं को मूर्त रूप देने में

एसडीओ की सेवा से सेवानिवृत्त भारत लाल वर्मा ने बताया कि वर्ष 2004 में कैंसर पीड़ित बेटे राकेश के इलाज के दौरान उन्होंने महसूस किया था कि मरीजों के लिए तो अस्पताल में व्यवस्था होती है, मगर उनके साथ रहने वालों के लिए कोई इंतजाम नहीं है। 2016 में जब बेटी गुंजन बीमार हुई तो परिजनों की दिक्कतों ने उनका मन द्रवित कर दिया। उन्होंने निश्चय किया कि वे मरीजों के साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए कुछ ऐसा करेंगे कि उन्हें भटकना न पड़े।

रोजाना हो रही ट्रेनिंग

दाई कोरा के ऊपर स्वास्थ्य विभाग का ट्रेनिंग हॉल बना है। यहां रोजाना किसी न किसी विषय पर प्रशिक्षण अथवा कार्यक्रम होता है। पहले विभाग को प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त स्थल की तलाश करनी पड़ती थी और बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती थी। अब यह समस्या दूर हो गई है।

इच्छा कुछ और करने की

गंगोत्री वर्मा को 2022 में राज्य स्थापना समारोह के दौरान दानवीर भामाशाह सम्मान से नवाजा गया। वर्मा दंपत्ति ने बताया कि उनकी मंशा जनहित में और कार्य करने की है। इसके लिए वे अपनी पैतृक संपत्ति बिकने का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे क्या करेंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है, मगर राशि की व्यवस्था होते ही काम शुरू करेंगे।

इनका कहना

दाई कोरा में नाममात्र शुल्क देकर मरीजों के अटेंडरों को रुकने की सुविधा दी जाती है। इसका संचालन रेडक्रॉस समिति करती है। भवन के ऊपर बना ट्रेनिंग सेंटर भी काफी उपयोगी साबित हो रहा है।
डॉ. मिथिलेश चौधरी, वर्तमान सीएमएचओ

वर्मा दंपत्ति ने मुलाकात कर अपनी इच्छा बताई थी। काफी विचार करने के बाद यह लगा कि मरीजों के अटेंडरों और विभाग के हित में यह भवन बनाना सही होगा। वर्तमान में इसके उपयोग से सबकी मंशा सफल होती नजर आ रही है। -डॉ. मीरा बघेल, तात्कालिक सीएमएचओ रायपुर

कुल 16 बेड परिजनों को राहत

वर्तमान में दाई कोरा में 8 बेड पुरुषों और 8 बेड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। केवल 50 रुपए शुल्क में यह सुविधा उपलब्ध है। शुरुआत डीके हॉस्पिटल के मरीजों के परिजनों के लिए हुई थी, लेकिन अब आसपास के सभी अस्पतालों से आने वाले लोग इसका लाभ लेते हैं। आज शायद ही कोई दिन जाता हो जब दाई कोरा का बेड खाली हो। इसका संचालन रेडक्रॉस सोसायटी करती है और रखरखाव के लिए कर्मचारी नियुक्त हैं।

तत्कालीन सीएमएचओ ने भावनाओं को समझा

भारत लाल वर्मा ने अपनी इच्छा तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. मीरा बघेल के सामने रखी। डॉक्टर बघेल ने उनकी भावनाओं को समझा और वर्मा दंपत्ति की इच्छा ने दाई कोरा का रूप लिया। साथ ही जिले में ट्रेनिंग सेंटर की कमी को भी दूर करने का विचार सामने आया, ताकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और डॉक्टरों को प्रशिक्षण दिया जा सके।

दान में मिले 46 लाख सरकारी जमीन मिली

दाई कोरा का सपना साकार करने के लिए भारत लाल वर्मा और उनकी पत्नी गंगोत्री ने अपनी जीवनभर की कमाई के 46 लाख रुपए स्वास्थ्य विभाग को दिए। विभाग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के पीछे खाली जमीन पर भवन बनाने की सहमति दी। निर्माण कार्य 2022 में पूरा हुआ। तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका लोकार्पण किया और वर्मा दंपत्ति की भावनाओं का सम्मान किया।

पृथक छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद शासन स्तर पर विकास को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समाज के उत्थान में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो व्यक्तिगत संकल्प और सामाजिक दायित्व के भाव से बदलाव की मिसाल पेश कर रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायी शख्सियत हैं समाजसेवी रामजी सिन्हा, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद समाजसेवा को अपना लक्ष्य बना लिया है।

विभाग से हुए रिटायर पर समाज कल्याण नहीं छोड़ा, 56 बच्चों को दे रहे मुफ्त कोचिंग

गोरेलाल सिन्हा ⏭ गरियाबंद

जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जमाही निवासी शारीरिक रूप से दिव्यांग रामजी सिन्हा, समाज कल्याण विभाग में सेवाकाल के दौरान ही समाज सेवा की भावना से प्रेरित हो गए थे। मार्च 2018 में समाज कल्याण विभाग बेमेतरा से प्रभारी उप संचालक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने यह ठान लिया कि पिछड़े और ग्रामीण अंचल के बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित करेंगे। रामजी सिन्हा बीते एक वर्ष से अधिक समय से ग्राम जमाही में स्वयं के खर्च से निःशुल्क कोचिंग एवं ट्यूशन क्लास संचालित कर रहे हैं। गांव के दो कमरों वाले सामुदायिक भवन को ग्रामीणों की सहमति से उपयोग में लेकर उन्होंने शिक्षा का ऐसा केंद्र बनाया है, जहां निर्धन, पिछड़े और अनुसूचित वर्ग के बच्चे बड़े सपने देख रहे हैं। यहां न केवल जमाही बल्कि फुलझर, छुईहा सहित आसपास के गांवों के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वर्तमान में कुल 56 छात्र-छात्राएं नियमित रूप से कक्षा में अध्ययन कर रहे हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज सेवा का संकल्प दिव्यांग रामजी सिन्हा गढ़ रहे ग्रामीण बच्चों का भविष्य

आईएएस-आईपीएस बनाने का सपना

रामजी सिन्हा का मानना है कि जब उत्तर प्रदेश और बिहार के बच्चे कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक बन सकते हैं, तो छत्तीसगढ़ के बच्चे क्यों नहीं। इसी उद्देश्य के साथ वे बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही मजबूत शैक्षणिक आधार देने में जुटे हैं। फिलहाल वे कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड के विद्यार्थियों पर विशेष फोकस कर रहे हैं। स्कूल से छुट्टी के बाद प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक नियमित कक्षाएं संचालित होती हैं।

अनुशासन, संस्कार और खेल का समन्वय

कक्षाओं की शुरुआत सरस्वती वंदना से होती है। इसके बाद सभी बच्चे एक स्वर में छत्तीसगढ़ का राजकीय गीत 'अरपा पैरी के धार' का गायन करते हैं। हर रविवार को टेस्ट पेपर के माध्यम से बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन किया जाता है। स्टेट स्तर की कबड्डी खिलाड़ी भावना साहू बच्चों को खेल प्रशिक्षण भी दे रही हैं, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। इस पहल का सबसे मार्मिक उदाहरण भेषमणि यादव, कक्षा 8वीं की छात्रा है, जो गरीबी के कारण 08 माह तक स्कूल छोड़ चुकी थी। रामजी सिन्हा ने न केवल उसे पुनः शिक्षा से जोड़ा, बल्कि उसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं उठाते हुए पढ़ाई का संपूर्ण खर्च वहन कर रहे हैं। रामजी सिन्हा वर्ष 1978 में मध्यप्रदेश शासन में शासकीय स्टेट आर्टिस्ट भी रह चुके हैं। उन्होंने 22 वर्ष बाल संरक्षण (संप्रेक्षण) गृह, 5 वर्ष विशेष गृह, तथा निशक्तजन जनकल्याण विभाग दुर्ग में सहायक आयुक्त के पद पर सेवाएं दी हैं। सेवाकाल में उन्होंने समाज के वंचित और दुखियारे लोगों को बहुत करीब से देखा, जिसका प्रभाव आज उनके सेवा कार्य में स्पष्ट दिखता है। इस अभियान में उनके परिवार का भी पूर्ण सहयोग है, जो वर्तमान में दुर्ग में निवासरत है। कोचिंग संचालन में परदेशी राम सिन्हा, तथा तीन योग्य शिक्षिकाएं कुमारी दीपिका साहू, कुमारी सोनम दिवान और कुमारी मोनिका सिन्हा निःस्वार्थ सेवा दे रही हैं।

अविभाजित मध्यप्रदेश के समय दंतेवाड़ा जिला सर्वाधिक नक्सल संवेदनशील के साथ साथ विकास में काफी पिछड़ा जिला था। छत्तीसगढ़ बनने के बाद भी कमोबेश समस्याओं के मामलों में काफी हद तक पिछड़ा क्षेत्र ही माना जाता रहा है। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर का एक गांव जावंगा शिक्षा के मामलें में काफी चर्चित है। गुरूकुल से शुरू हुआ शिक्षा का यह छोटा सा प्रयास आज विशाल वट वृक्ष की तरह एजुकेशन सिटी के रूप में ख्याति अर्जित कर रहा है। एक ही परिसर में 18 शैक्षिक संस्थाओं में लगभग 8 हजार गरीब बच्चे अपना भविष्य संवार रहे हैं। न केवल आदिवासी बल्कि अन्य सभी वर्ग के गरीब बीपीएल परिवार के बच्चों को यहां 12वीं तक की पढ़ाई के लिए निशुल्क शिक्षा दी जाती है।

सुरेश रावल ⏭ जगदलपुर

विशाल एजुकेशन सिटी गढ़ने में बड़ी भूमिका रही दानवीर बोमड़ा राम कोवासी की

दंतेवाड़ा जिले के गांव जावंगा का छत्तीसगढ़ स्थापना के शुरूआती दौर में विशेष योगदान

'ज्ञान' के लिए दे दी 22 एकड़ जमीन अब 'सेहत' सुधारने दान करेंगे 10 एकड़!

सर्वसुविधायुक्त अस्पताल के लिए 10 एकड़ जमीन देने के लिए तैयार हैं बोमड़ा राम कोवासी

इस शिक्षा के महायज्ञ में सबसे बड़ा योगदान एक आदिवासी किसान बोमड़ा राम कोवासी का है। जिन्होंने इस एजुकेशन सिटी के लिए गीदम-जगदलपुर मुख्य मार्ग पर साढ़े 22 एकड़ जमीन दी है। हरिभूमि से चर्चा में उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा कलेक्टर रहते समय रीना कंगाले ने गुरूकुल के लिए 5 एकड़ जमीन देने के लिए कहा और मैंने दे दिया।

इसके बाद बाउंड्रीवाल और अन्य कार्यो के विस्तार के लिए 12 एकड़ की जरुरत बताई। मैंने सहमति दे दी। इस तरह जावंगा में शिक्षा का मंदिर बनाने का काम शुरू हुआ। उनके तबादले के बाद ओपी चौधरी कलेक्टर बनकर आए। नगर निगम रायपुर के वे कमिश्नर थे और उनकी दंतेवाड़ा में कलेक्टर के रूप में पहली पोस्टिंग थी। उन्होंने इस काम को गति देने का काम किया। मेरे बारे में पता लगने पर वे मिलने आए और गुरूकुल को बड़ा स्वरूप देकर एजुकेशन सिटी बनाने की बात कहीं। निजी और सरकारी कुल 155 एकड़ में फैले विशाल परिसर में 18 संस्थाएं संचालित है। जहां पूरे बस्तर के गरीब बच्चे विद्या अध्ययन कर आगे बढ़ रहे है। इसमें साढ़े 22 एकड़ जमीन मैंने दी है। बोमड़ा राम कहते है जमीन ना किसी का हुई है ना किसी का होगी। यह कुदरत की संपत्ति है जो कागज के रूप में हमारे पास रहती है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी बदलती रहती है। मनुष्य जीवन मिला है कुछ ऐसा काम करना चाहिए जो दुनिया से जाने के बाद भी लोग याद रखें। यही सोच कर मैंने शिक्षा के लिए जमीन दी, अब अस्पताल के लिए भी 10 एकड़ जमीन देने को तैयार हूं। मुम्बई और कुछ अन्य जगह के लोगों से मेरी बात हुई है। मैं चाहता हूं बस्तर के लोगों को बेहतर इलाज के लिए बाहर ना जाना पडे। यहां के लोग विशाखापट्नम, रायपुर, विजयवाड़ा और हैदराबाद

जैसे शहरों में जाकर इलाज करवाते है। यहां सर्वसुविधायुक्त अस्पताल बनाने की मेरी सोच है। जब भी उपयुक्त ट्रस्ट मिल जाएगा उन्हें 10 एकड़ जमीन दे दूंगा। मैं चाहता हूं पैसा कमाने के लिए अस्पताल न बने गरीबों का इलाज होगा जो कम से कम खर्च में बेहतर चिकित्सा सेवा दे सके।

दिव्यांग, खेल परिसर और तकनीकी शिक्षा

अटल बिहारी वाजपेई एजुकेशन सिटी जावंगा में अध्ययन कर रहे लगभग 8 हजार बच्चों में कई दिव्यांग बच्चे भी शामिल है। जिनके लिए अलग से बालक बालिकाओं के लिए सक्षम 1 और 2 तथा श्रवणबाधित आवासी विद्यालय है। वहीं खैरागढ़ के संगीत विश्वविद्यालय से जुड़कर यहां भी बच्चे संगीत में महारथ हासिल कर रहे है। आईटीआई सहित अन्य तकनीकी शिक्षा में भी बच्चों को पारंगत किया जा रहा है। साथ ही खेल परिसर में प्रतिभा के अनुसार योग्य बनाने के लिए प्रशिक्षक कार्यरत है। बोमड़ा राम प्रबंध समिति के अध्यक्ष और एजुकेशन सोसायटी के सदस्य है। वे कहते है कुल 18 संस्थाओं में बच्चे अपनी प्रतिभा निखारकर भविष्य को संवार रहे हैं।

कोवासी परिवार पर ग्रामवासियों का अटूट विश्वास

लगभग 3 हजार की आबादी वाले जावंगा गांव में बोमड़ा राम कोवासी का परिवार लगभग 100 साल से यहां के लोगों की सेवा कर रहा है। वे कहते है 5 बार मैं स्वयं सरपंच रहा और अभी भी हूं। 2 बार निर्वाचित होकर 10 साल मेरी पत्नी गागरी बाई सरपंच रही। उसके बाद बेटी आरती 2 बार यानि 10 साल सरपंच रही। अभी वह तीसरी बार जीतकर जनपद सदस्य है। इस तरह मैं, पत्नी और बेटी लगातार 9 बार यानि 45 साल से इस गांव के सरपंच का दायित्व निभा रहे है। मेरे पिता किसान रहे लेकिन दादा बुचा कोवासी 70 साल तक सरपंच यानि मुखिया का दायित्व संभाला। इससे पहले मेरे परदादा पेदा यानि पटेल के रूप में पद में रहे। इस तरह 100 साल से अधिक समय तक लगातार पद में रहने का सौभाग्य हमें मिला है। यह यहां के लोगों के विश्वास का परिणाम है।

आसान नहीं था एक परिसर में शिक्षा का मंदिर बनना

2009 में रीना कंगाले कलेक्टर थी उस दौरान गुरुकुल के रूप में प्रयास आरंभ हुआ। उनके तबादले के बाद 2011 से 2013 तक ओपी चौधरी कलेक्टर दंतेवाड़ा रहे। अभी वे राज्य के वित्त मंत्री हैं। उनके समय एजुकेशन सिटी का काम तेज गति से आरंभ हुआ। जावंगा के बोमड़ा राम ने जमीन देकर प्रशासन को सहयोग किया जिसके लिए उन्हें काफी दबाव और विरोध का सामना करना पड़ा। लेकिन यहां के गरीब परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर योग्य बनाने के संकल्प ने सारे बाधाओं को धीरे धीरे दूर किया। हर स्तर पर उन्होंने यह संदेश दिया कि शिक्षा का यह मंदिर गरीब परिवार को सक्षम बनाने के साथ साथ बीहड़ में अपनी प्रतिभा को खो देने वाले बच्चों के लिए भी आधार बनेगा। यह बात उन्होंने सभी प्लेटफार्म पर रखकर मार्ग को आसान बनाया।

जब कॉलेज बना, तब खुले सपनों के दरवाज़े

एक एकड़ जमीन, और बदल गया बेटियों का भविष्य

गौरव श्रीवास्तव ⏭ कांकेर

बस्तर संभाग का इलाका आज भी शिक्षा के लिहाज से पिछड़ा माना जाता है। ऐसे में बीस साल पहले हालात कैसे रहे होंगे, इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं। कांकेर जिले का नरहरपुर ब्लॉक-जो जिला मुख्यालय से महज 35 किलोमीटर दूर है-आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां उस दौर में स्कूल के बाद लड़कियों की पढ़ाई लगभग थम जाया करती थी। वजह साफ़ थी-इलाके में कोई कॉलेज नहीं था, और ग्रामीण परिवार अपनी बेटियों को 35 किलोमीटर दूर पढ़ने भेजने से डरते थे। इसका असर सीधे बेटियों के भविष्य पर पड़ता था। पढ़ाई अधूरी रह जाने के कारण न तो उन्हें बेहतर अवसर मिलते थे, न ही विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आते थे। मजबूरी में माता-पिता को कम पढ़े-लिखे लड़कों से बेटियों की शादी करनी पड़ती थी। आनंद साहू के लिए यह सिर्फ़ एक संस्थान नहीं था, यह क्षेत्र की बेटियों का भविष्य था। उन्होंने बड़ा फैसला लिया-नरहरपुर में अपनी एक एकड़ निजी ज़मीन कॉलेज के लिए दान कर दी। इस फैसले में उनकी पत्नी रूपमणि साहू भी पूरी तरह उनके साथ खड़ी रहीं। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय सहयोग से कॉलेज का भवन तैयार हुआ और ठाकुर भाव सिंह कॉलेज के रूप में पढ़ाई का सिलसिला फिर शुरू हुआ। बेटियां जो कभी स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर थीं, उनके लिए अब आर्ट्स और साइंस की शिक्षा का रास्ता खुल गया।

जहां कभी रिश्ते नहीं आते थे, आज डॉक्टर-इंजीनियर के प्रस्ताव

आनंद साहू बताते हैं कि जिन परिवारों में बेटियों के लिए रिश्ते नहीं आते थे, आज वही बेटियां नौकरी कर रही हैं, आत्मनिर्भर बनी हैं और उनके लिए डॉक्टर और इंजीनियर तक के रिश्ते आ रहे हैं। शिक्षा ने न सिर्फ़ उनके करियर, बल्कि सामाजिक सम्मान को भी बदल दिया।

अब शासकीय कॉलेज भी, लेकिन कर्ज़ आज भी याद है

हालांकि नरहरपुर जिला मुख्यालय के पास है, फिर भी वर्षों तक यहां शासकीय कॉलेज की मांग अनसुनी रही। ठाकुर भाव सिंह कॉलेज के कारण पढ़ाई का सिलसिला चलता रहा। आखिरकार 2021-22 में नरहरपुर में शासकीय कॉलेज भी खुल गया, लेकिन आज भी क्षेत्र के लोग मानते हैं कि अगर आनंद साहू ने समय पर एक एकड़ ज़मीन दान न की होती, तो कई पीढ़ियों का भविष्य अंधेरे में ही रह जाता। आज भी नरहरपुर और आसपास के गांवों में आनंद साहू की दरियादिली मिसाल के तौर पर दी जाती है। यह कहानी बताती है कि विकास सिर्फ़ योजनाओं से नहीं, बल्कि संवेदना और साहस से भी आता है।

जब एक व्यक्ति ने ठान लिया कि पढ़ाई नहीं रुकेगी

इन हालात को सबसे नज़दीक से देख रहे थे क्षेत्र के ग्राम सचिव आनंद साहू। रोजमर्रा की बैठकों में जब भी ग्रामीणों से बातचीत होती, बेटियों की पढ़ाई और रिश्तों की चिंता बार-बार सामने आती। यहीं से आनंद साहू ने ठान लिया कि क्षेत्र में हर हाल में कॉलेज खुलवाया जाएगा। उन्होंने धमतरी की एक निजी शिक्षण संस्था से संपर्क किया और नरहरपुर में कॉलेज शुरू करने के लिए राजी किया। शुरुआत किराए के मकान से हुई, लेकिन अपनी जमीन न होने के कारण कुछ ही वर्षों में कॉलेज बंद होने की कगार पर पहुंच गया।

पिपरिया में समाजसेवियों ने गढ़ी 'भविष्य की नींव'

दान, त्याग और संकल्प से बनी 'शिक्षा की इमारत'

संजय यादव ⏭ कवर्धा

आज जब जमीन को लेकर विवाद और स्वार्थ की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, ऐसे दौर में कबीरधाम जिले के पिपरिया में शिक्षा के लिए किया गया दान आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन गया है। महंत श्री राम जानकी शरण दास वैष्णव शासकीय स्नातक महाविद्यालय पिपरिया केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि समाज, संत और सेवा के संयुक्त संकल्प का जीवंत उदाहरण है। वर्ष 2013 में क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने पिपरिया में शासकीय कॉलेज खोलने की स्वीकृति दी। स्वीकृति के बाद सबसे बड़ी समस्या सामने आई कॉलेज निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध नहीं होना। हालात ऐसे बने कि प्रशासन भी हताश हो गया और कॉलेज को अन्यत्र स्थानांतरित करने तक की चर्चा शुरू हो गई।

महंत ने शिक्षा के लिए दान की 5 एकड़ भूमि

ऐसे कठिन समय में निहंग आश्रम के महंत श्री श्यामसुंदर दास वैष्णव जी महाराज समाज के लिए देवदूत बनकर सामने आए। क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने 5 एकड़ बहुमूल्य भूमि दान में दे दी। इसी भूमि पर 5 मई 2013 को तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के हाथों कॉलेज भवन का भूमि पूजन हुआ। इस अवसर पर तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्की अग्रवाल, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

600 साल पुराना निहंग आश्रम

निहंग आश्रम लगभग 600 वर्ष पुराना बताया जाता है, जहां साधु-संतों की परंपरा रही है। यहां स्थित श्री राम-जानकी का प्राचीन मंदिर आज भी आस्था का केंद्र है। महंत श्री राम जानकी शरण दास वैष्णव जी महाराज के नाम पर स्थापित यह कॉलेज उनके जीवनभर किए गए समाजसेवा कार्यों की प्रेरणा है। वर्तमान महंत श्यामसुंदर दास जी महाराज उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आश्रम के पास आज भी भगवान श्री राम-जानकी के नाम पर लगभग 30 एकड़ भूमि है, जिससे सेवा कार्य संचालित हो रहे हैं।

महंत श्यामसुंदर दास वैष्णव जी महाराज (05 एकड़ भूमि दान करने वाले)

राजेंद्र चंद्रवंशी, कालेज निर्माण में आने जाने के लिए 18 डिसमिल जमीन दान पर दी

राजेंद्र चंद्रवंशी: पिता के संस्कारों पर चलते हुए किया दान

दानदाता राजेंद्र चंद्रवंशी ने बताया कि समाज सेवा के क्षेत्र में उनके पिता स्वर्गीय मुखी राम चंद्रवंशी हमेशा आगे रहे। उन्होंने कहा, "जब कॉलेज के लिए जमीन दान की बात आई, तो मैंने अपने पिता को याद किया। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए एक पल में जमीन दान करने का निर्णय लिया। आज जब बच्चों को कॉलेज में पढ़ते देखता हूँ और यह जानता हूँ कि हजारों बच्चे यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं, तो मुझे गहरी आत्मसंतुष्टि मिलती है।" उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए समाज के सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए । वे भविष्य में भी शिक्षा व समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

जनता की जरुरत से साकार हुआ कॉलेज

तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्की अग्रवाल बताते हैं कि पिपरिया में कॉलेज नहीं होने के कारण बच्चों को भारी संघर्ष करना पड़ता था। लोगों की मांग और जरुरत को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कॉलेज की स्वीकृति दी, लेकिन जमीन के अभाव में प्रशासन भी परेशान था। उन्होंने कहा कि "क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों की सूझबूझ और महंत श्री श्यामसुंदर दास जी महाराज के सहयोग से 5 एकड़ भूमि मिली, वहीं राजेंद्र चंद्रवंशी और कमलकांत गुप्ता के दान से रास्ता बना। ऐसे लोगों के कारण ही आज बच्चे शिक्षा प्राप्त कर पा रहे हैं।"

रास्ते के लिए भी दान, ताकि कॉलेज तक पहुंच सकें बच्चे

जमीन मिलने के बाद कॉलेज तक पहुंचने का रास्ता बड़ी चुनौती बना। इस संकट में दो और समाजसेवी आगे आए।राजेंद्र चंद्रवंशी ने कॉलेज आने-जाने के लिए लगभग 18 डिसमिल जमीन दान कर दी, जिसकी अनुमानित कीमत 30 से 40 लाख रुपए बताई जाती है। वहीं कमलकांत गुप्ता ने नहर पार से कॉलेज तक मार्ग के लिए अपनी जमीन दान में दी। इन दानों के बाद ही कॉलेज तक निर्बाध पहुंच संभव हो सकी।

50 से अधिक गांवों के बच्चों को मिला शिक्षा का संबल

कॉलेज खुलने से पहले पिपरिया और आसपास के 50 से अधिक गांवों के विद्यार्थियों को स्नातक पढ़ाई के लिए 30–40 किलोमीटर दूर कवर्धा जाना पड़ता था। आर्थिक तंगी और लंबी दूरी के कारण कई छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते थे। आज लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपए से अधिक की लागत से निर्मित कॉलेज भवन में हजारों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं और सैकड़ों वर्तमान में अध्ययनरत हैं।

2025 में रुला गए

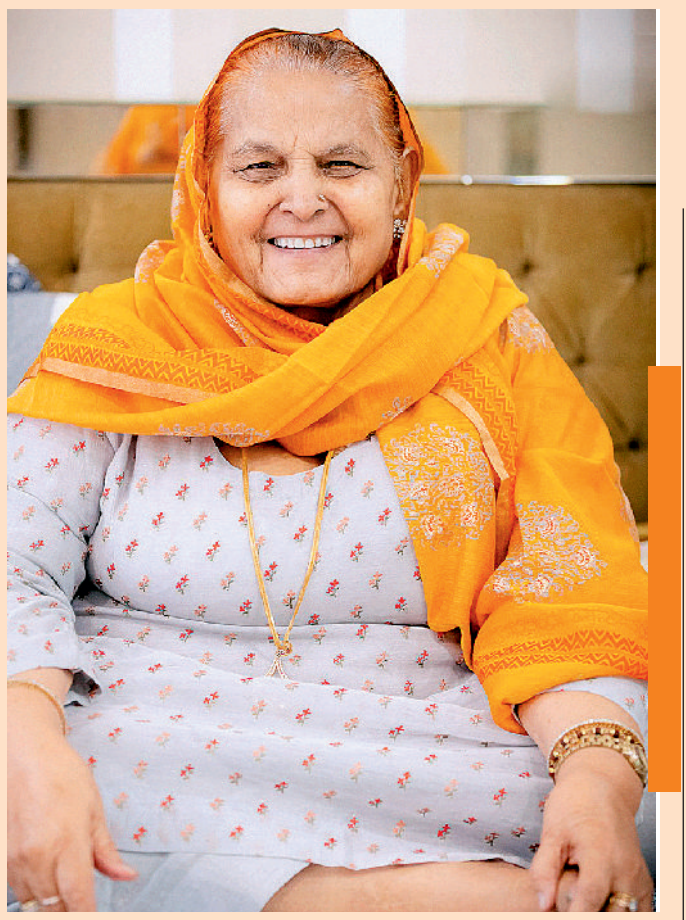

माता परमेश्वरी का जीवन वेदों पर आधारित, नारी उत्थान और सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित रहा। पति चौधरी मित्रसेन जी आर्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर माताजी ने समाज सेवा और आर्य समाज के लिए कार्य किया। समाज को राह दिखाई और हजारों-लाखों के लिए मां बन गईं।

माता परमेश्वरी का जीवन वेदों पर आधारित, नारी उत्थान और सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित रहा

माता परमेश्वरी देवी का जाना शिक्षा समाज व आर्य समाज के लिए बड़ी क्षति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बीते वर्ष सिंधु परिवार ही नहीं बल्कि आर्य समाज और देशभर के लिए बड़ी क्षति हुई। 20 जून को वैदिक पथ के पथिक स्वर्गीय चौ. मित्रसेन आर्य की अर्धांगिनी और प्रख्यात उद्योगपति रुद्रसेन, हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत छह पुत्रों और तीन पुत्रियों की माता श्रीमती परमेश्वरी देवी का निधन हुआ। उनका निधन सामाजिक क्षति के साथ शिक्षा के क्षेत्र के एक वट वृक्ष के गिरने जैसा था। उनका जीवन आर्य समाज के सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित रहा। माता द्वारा प्रदान किए गए संस्कारों के कारण ही सिंधु परिवार और सिंधु भवन में देश की महान आर्य और वैदिक संस्कृति के दर्शन होते हैं। उनके निर्देशन में हरियाणा, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में शुरू किए गए गुरुकुल आज भी शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। माता परमेश्वरी का जीवन वेदों पर आधारित, नारी उत्थान और सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित रहा। पति चौधरी मित्रसेन जी आर्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर माताजी ने समाज सेवा और आर्य समाज के लिए कार्य किया। समाज को राह दिखाई और हजारों-लाखों के लिए मां बन गईं। समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लगातार आवाज उठाई और महिलाओं को शिक्षा व आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हरियाणा की सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि में माता परमेश्वरी देवी का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। माता परमेश्वरी देवी का पूरा जीवन सेवा, संस्कार और सामाजिक मूल्यों को समर्पित रहा। आर्य समाज के सिद्धांतों से प्रभावित होकर उन्होंने परिवार में अनुशासन, शिक्षा और राष्ट्रप्रेम के बीज बोए।

-

आर्य समाज और गुरुकुल की स्तंभ

माता परमेश्वरी देवी को आर्य समाज और गुरुकुल शिक्षा पद्धति के लिए एक सशक्त स्तंभ के रूप में देखा जाता था। गांव से लेकर शहर तक, उन्हें एक धर्मपरायण, सरल और करुणामयी महिला के रूप में याद किया जाता है। उनके समय में घर में आने या कहीं मिलने पर लोगों को मां के समान स्नेह व आशीर्वाद मिलता था, जो एक छाप छोड़ जाता था। इसका प्रभाव यह रहा कि उनकी अंतिम यात्रा में श्रद्धांजलि देने पहुंचे योग गुरु स्वामी रामदेव स्वयं माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर को उनके बेटों के साथ कंधा देते हुए वेदी तक लेकर गए। स्वामी रामदेव के अलावा आचार्य बालकृष्ण, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मित्ढा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, सांसद धर्मवीर सिंह सहित अनेक राजनेता, सामाजिक संगठनों तथा साधु-संत श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

पद्मश्री हास्य कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे (1953–2025)

बेमेतरा जन्मे डॉ. सुरेंद्र दुबे, आयुर्वेदिक चिकित्सक और कवि, 26 जून 2025 को हमारे बीच नहीं रहे। वे हंसी और शब्दों के माध्यम से जीवन की विसंगतियों को उजागर करते थे और हास्य के जरिए सोचने पर मजबूर करते थे। पद्मश्री सम्मानित दुबे छत्तीसगढ़ी और हिंदी साहित्य की एक महत्वपूर्ण आवाज थे, जिनके मंचों पर ठहाके अब याद बनकर रह गए हैं।

यादों में रहेंगे ये नाम

साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल (1937–2025)

23 दिसंबर 2025 को ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता विनोद कुमार शुक्ल का निधन हो गया। उनकी कहानियों जैसे "दीवार में एक खिड़की रहती थी" और "नौकर की कमीज" में आम आदमी को केंद्र में रखा गया। वे छत्तीसगढ़ के पहले लेखक थे जिन्हें ज्ञानपीठ मिला, लेकिन उनकी भाषा सरल और प्रभावशाली रही। उनका जाना छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा में गहरी खामोशी छोड़ गया।

मनोज कुमार

देशभक्ति सिनेमा का चेहरा

'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार का 4 अप्रैल 2025 को 87 वर्ष की आयु में निधन हुआ। 1960-70 के दशक में उन्होंने हिंदी सिनेमा को देशभक्ति की नई पहचान दी।

अभिनेत्री और गायिका सुलक्षणा पंडित (1954–2025)

6 नवंबर 2025 को रायगढ़ में जन्मी सुलक्षणा पंडित का निधन हो गया। उन्होंने संगीत और अभिनय दोनों में अपनी पहचान बनाई। गीत "तू ही सागर है, तू ही किनारा" आज भी याद किए जाते हैं। 70-80 के दशक की फिल्मों में उनकी सादगी और संवेदना दर्शकों को भाती थी। फिल्मफेयर सम्मानित यह कलाकार निजी जीवन के उतार-चढ़ाव के बावजूद कला के प्रति ईमानदार रही।

सतीश शाह सादगी में छिपा हास्य

सतीश शाह का 25 अक्टूबर 2025 को 74 वर्ष की आयु में निधन हुआ। फिल्मों और 'साराभाई vs साराभाई' जैसे टीवी शोज़ में उन्होंने साबित किया कि बिना ऊँची आवाज़ के भी गहरी कॉमेडी की जा सकती है।

धर्मेंद्र सिनेमा का चलता-फिरता इतिहास

धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और गंभीर अभिनय, हर दौर में प्रासंगिक रहे धर्मेंद्र का जाना हिंदी सिनेमा के एक जीवंत अध्याय का अंत लगा।

गोवर्धन असरानी

असरानी, जिन्हें लोग सिर्फ उनके नाम से पहचानते थे, का 20 अक्टूबर 2025 को 84 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। 'शोले' के जेलर से लेकर 70-90 के दशक की अनगिनत कॉमिक भूमिकाओं तक, वे बॉलीवुड के सबसे प्रिय चरित्र कलाकारों में रहे।

विदेश से पढ़ाई कर लौटे युवा ने डेयरी व आधुनिक खेती के क्षेत्र में जगाई नई उम्मीद

अमूमन देखने को मिलता है कि जिस भी युवा ने उच्च शिक्षा हासिल करने विदेश का रूख किया वो शायद ही वापस भारत लौटे। वह भी खेती किसानी को ही अपना कैरियर चुने। शहर के एक युवा किसान ने ऐसा ही किया। आज आधुनिक खेती और डेयरी क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल ने आदिवासी अंचल के युवाओं को नई राह दिखाई है।

अरूण सिंह

अम्बिकापुर। शहर के सामान्य परिवेश व संस्कारित परिवार में पले बढ़े अशय सिंह ने प्रारंभिक शिक्षा के बाद ग्वालियर सिंधिया स्कूल में अपनी आगे की पढ़ाई की। स्कूली शिक्षा लेने के बाद उच्च शिक्षा के लिए इस युवा ने ऑक्सफोर्ड का रास्ता तय किया। यहा इसने वर्ष 2014 से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की। पढ़ाई के ही दौरान अक्षय ने ऑक्सफोर्ड के बड़े नामी होटल में बतौर वेटर का काम किया। यहां से बिजनेस मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद अक्षय ने लंदन जाकर आगे की पढ़ाई की। यहां इस युवा ने ऑक्सवर्ड ब्रुक्स लंदन से यूनिवर्सिटी बेस्ड मैनिस्टर की पढ़ाई की।

उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद अक्षय ने एक बार तो वहीं बसकर कैरियर बनाने का सोच भी लिया था किन्तु उनके पिता ऋषिकांत सिंह के समझाईश के बाद वापस भारत लौटे और डेयरी व आधुनिक खेती को ही अपनी मंजिल तय किया। शहर से कुछ ही दूर लगभग 50-60 एकड़ का फार्म हाउस तैयार कर आधुनिक खेती में रम गए। जल्द ही आधुनिक खेती के क्षेत्र में अपना स्थान बना लिया।

आधुनिक खेती के साथ ही आधुनिक डेयरी के क्षेत्र में कदम बढ़ाया तो लोगों ने एक सिरे से इस धंधे में डूब जाने की आशंका जाहिर कर डेयरी खोलने से मना किया।

किन्तु जुनून सवार था कि आधुनिक खेती के साथ आधुनिक डेयरी को सफल उद्योग के रूप में स्थापित करना ही है। बैंक वालें ने इस युवा के उड़ान को नए पंख दिए और डेयरी भी आधुनिक सुविधाओं के साथ चल पड़ा। जहां शहर की लगभग डेयरियां फ्लॉप हो बंद हो चली है या बंद होने के कगार पर है। वही अक्षय कुमार की एमएमवाई डेयरी ने सफलता का तमगा लगाया। इस डेयरी में आज 350 गाय है और तकरीबन रोज 2500 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। अक्षय ने बताया कि शीघ्र ही गोरस ब्रांड दूध के नाम से मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट लगाने जा रहे हैं। निकट भविष्य में डेयरी की उत्पादित 2500 लीटर दूध की क्षमता को बढ़ाकर 5000 लीटर करने की है जो शीघ्र ही शुरू हो जाएगी।

विदेशों में जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण कर वापस लौटे युवा किसान अक्षय कुमार ने जिले के युवाओं को अपने ही खेत में नई उम्मीद जगाई है, नई रोशनी दिखाई है।

2026 करेगा पांच राज्यों की 'सियासी-किस्मत' का फैसला

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल से लेकर पुदुचेरी तक विधानसभा चुनाव

नया साल 2026 भी देश के लिए चुनावी साल रहने वाला है। 2026 में देश के पांच बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में सियासी पारा चढ़ने लगा है। राजनेता एक-दूसरी पार्टियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। हर राज्यों में मुकाबला एक अलग ही रंग में देखने को मिल सकता है। इस बार चुनाव कई मायनों में काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि इन राज्यों में वोटर लिस्ट विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद वोटिंग होगी। एसआईआर के बाद बिहार में हुए चुनाव में एनडीए गठबंधन को बंपर जीत मिली है जबकि इंडिया गठबंधन को हार मिली थी। अब इन पांच राज्यों में चुनाव की बारी है। केरल को छोड़कर चार राज्यों में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। हालांकि चुनाव आयोग की तरफ से अभी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं हुई है।

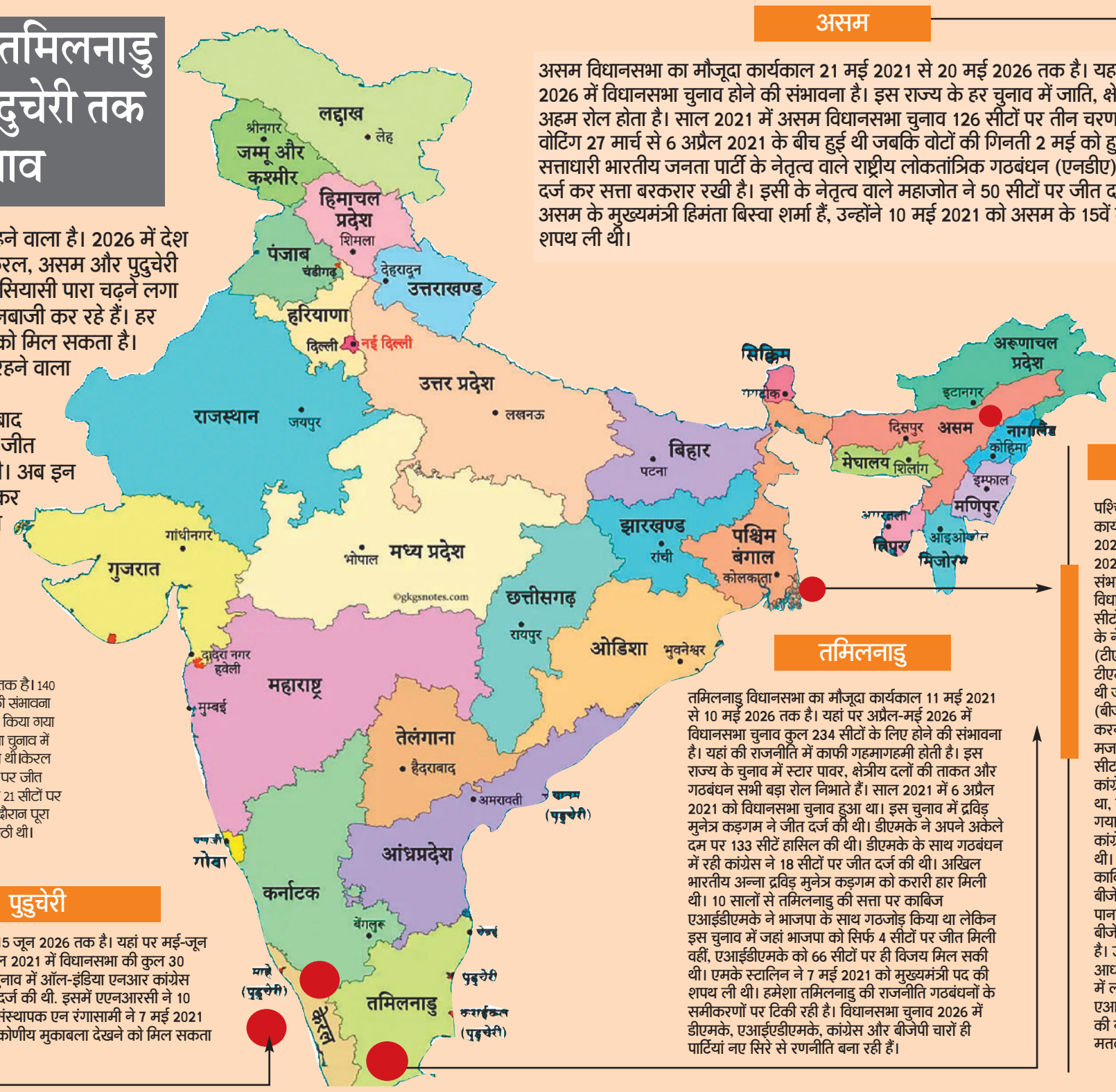

असम

असम विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 21 मई 2021 से 20 मई 2026 तक है। यहां पर अप्रैल-मई 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इस राज्य के हर चुनाव में जाति, क्षेत्र और समुदाय का अहम रोल होता है। साल 2021 में असम विधानसभा चुनाव 126 सीटों पर तीन चरण में संपन्न हुए थे। वोटिंग 27 मार्च से 6 अप्रैल 2021 के बीच हुई थी जबकि वोटों की गिनती 2 मई को हुई थी। इस चुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 75 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता बरकरार रखी है। इसी के नेतृत्व वाले महाजोत ने 50 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अभी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा हैं, उन्होंने 10 मई 2021 को असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 8 मई 2021 से 7 मई 2026 तक है। यहां पर अप्रैल-मई 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 में कुल 294 सीटों पर हुए चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने प्रचंड जीत दर्ज की थी। टीएमसी को 213 सीटों पर जीत मिली थी जबकि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। राष्ट्रीय सेक्युलर मजलिस पार्टी को एक सीट और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। कांग्रेस पार्टी का खाता तक नहीं खुला था, वहीं लेफ्ट का भी पत्ता साफ हो गया था। इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस हैट्रिक लगाने में कामयाब हुई थी। अब यह पार्टी चौथी बार सत्ता पर काबिज होना चाह रही है, तो वहीं बीजेपी भी हर हाल में इस बार बहुमत पाना चाह रही है। इस बार चुनाव में बीजेपी और टीएमसी में सीधी लड़ाई है। उधर, कांग्रेस और लेफ्ट खुद के आधार को मजबूत करने की कोशिशों में लगे हैं। आईएसएफ-एआईएमआईएम और हुमायूं कबीर की नई पार्टी की अल्पसंख्यक मतदाताओं पर नजर है।

केरल

केरल विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 24 मई 2021 से 23 मई 2026 तक है। 140 सदस्यीय केरल विधानसभा के लिए चुनाव अप्रैल-मई 2026 में होने की संभावना है। साल 2021 में केरल विधानसभा चुनाव 6 अप्रैल 2021 को आयोजित किया गया था। चुनाव परिणाम 2 मई 2021 को घोषित किए गए थे। इस विधानसभा चुनाव में मौजूदा वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने 99 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रखी थी।केरल विधानसभा चुनाव 2021 में सीपीआई (एम) को सबसे अधिक 62 सीटों पर जीत मिली थी। सीपीआई को 17 सीटों पर, आईयूएमएल को 15, कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत मिली थी. अन्य को 25 सीटें मिली थीं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान पूरा जोर लगाया था लेकिन पिछले चुनाव में जीती एक सीट भी वह गंवा बैठी थी। वर्तमान में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन हैं।

तमिलनाडु

तमिलनाडु विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 11 मई 2021 से 10 मई 2026 तक है। यहां पर अप्रैल-मई 2026 में विधानसभा चुनाव कुल 234 सीटों के लिए होने की संभावना है। यहां की राजनीति में काफी गहमागहमी होती है। इस राज्य के चुनाव में स्टार पावर, क्षेत्रीय दलों की ताकत और गठबंधन सभी बड़ा रोल निभाते हैं। साल 2021 में 6 अप्रैल 2021 को विधानसभा चुनाव हुआ था। इस चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने जीत दर्ज की थी। डीएमके ने अपने अकेले दम पर 133 सीटें हासिल की थी। डीएमके के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस ने 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को करारी हार मिली थी। 10 सालों से तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज एआईडीएमके ने भाजपा के साथ गठजोड़ किया था लेकिन इस चुनाव में जहां भाजपा को सिर्फ 4 सीटों पर जीत मिली वहीं, एआईडीएमके को 66 सीटों पर ही विजय मिल सकी थी। एमके स्टालिन ने 7 मई 2021 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हमेशा तमिलनाडु की राजनीति गठबंधनों के समीकरणों पर टिकी रही है। विधानसभा चुनाव 2026 में डीएमके, एआईएडीएमके, कांग्रेस और बीजेपी चारों ही पार्टियां नए सिरे से रणनीति बना रही हैं।

पुडुचेरी

पुडुचेरी में विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 16 जून 2021 से 15 जून 2026 तक है। यहां पर मई-जून 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। पुदुचेरी में साल 2021 में विधानसभा की कुल 30 सीटों के लिए चुनाव 6 अप्रैल को एक ही चरण में हुए थे। इस चुनाव में ऑल-इंडिया एनआर कांग्रेस (एएनआरसी) और बीजेपी ने मिलकर कुल 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी. इसमें एएनआरसी ने 10 सीटें और बीजेपी ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की थी. एएनआरसी संस्थापक एन रंगासामी ने 7 मई 2021 को चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. इस बार यहां त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है.

---

4 जिले के 4 फीसदी इलाके में सक्रिय नक्सलियों को नए साल में किया जाएगा टारगेट

लौटी बस्तर की सांस, अब सिर्फ 400 वर्ग किमी में ही नक्सलवाद

अब बचे लगभग 150 वर्दीधारी होंगे ठिकाने पर, 31 मार्च तक सफाए का रहेगा प्रयास

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत के ऐलान के बाद वर्ष 2025 में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में सुरक्षाबलों को अभूतपूर्व सफलता मिली थी। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मांद में घुसकर ऑपरेशन किया और एक ही साल में करोड़ों के ईनामी 256 नक्सलियों को एनकाण्टर में ढेर कर दिया। वहीं साल भर में करोड़ों के ईनामी सर्वाधिक 1562 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर पुलिस के सामने हथियार डाल दिया। गत वर्ष मिली सफलता को बरकरार रखते हुए अब वर्ष 2026 में बचे हुए नक्सलियों को टारगेट करने रणनीति तैयार है, फोर्स का प्रयास रहेगा कि 31 मार्च तक नक्सलवाद का सफाया करते हुए बस्तर में पूर्ण शांति बहाल किया जा सके।

दशक भर पहले तक नक्सलियों का बस्तर के 42 हजार वर्ग किमी में एकछत्र राज हुआ करता था, जो धीरे धीरे कम होते हुए वर्तमान में सिमटकर 4 सौ वर्ग किमी तक ही रह गया है, जो संभाग के 4 जिले में अलग अलग इलाके में सक्रिय नजर आ रहे हैं। फोर्स का पूरा फोकस इन नक्सलियों को केन्द्र के ऐलान के मुताबिक 31 मार्च तक समर्पण या मुठभेड़ में मार गिराया जाएगा। जिसके लिए पूरी रणनीति तैयार कर ली गई है।

मिशन 2026 के तहत निर्णायक सुरक्षा से स्थायी शांति की ओर बस्तर अग्रसर

गौरतलब है कि बस्तर रेंज ने हाल के वर्षों में वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध संघर्ष में निर्णायक और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। आसूचना आधारित सटीकअभियानों के माध्यम से माओवादी शीर्ष नेतृत्व को कमजोर किया गया है, हथियारों की अभूतपूर्व बरामदगी सुनिश्चित हुई है तथा वरिष्ठ कैडरों सहित बड़ी संख्या में नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराया गया है। यही वजह है कि गत वर्ष प्रभावी क्षेत्र प्रभुत्व, सुदृढ़ अंतर-बल समन्वय तथा निरंतर परिचालन दबाव के परिणामस्वरूप नक्सली गतिविधियों पर निर्णायक बढ़त स्थापित हुई है। सुरक्षा परिदृश्य में आए इस सकारात्मक परिवर्तन से भय और अस्थिरता में उल्लेखनीय कमी आई है। जिससे शासन, विकास और सामान्य जीवन की बहाली के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है। बेहतर सुरक्षा स्थितियों ने अवसंरचना विकास को नई गति दी है तथा दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम छोर तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की है।

मिशन 2026 के अंतर्गत बस्तर रेंज का स्पष्ट लक्ष्य

उग्रवाद के शेष प्रभावों का पूर्ण उन्मूलन, स्थायी शांति की स्थापना, पुलिस जन विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना तथा विकास के प्रत्येक अवसर को निर्बाध रूप से जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। बस्तर पुलिस, सुरक्षा बलों, स्थानीय प्रशासन तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बस्तर हिंसा के अतीत से निकलकर शांति, सम्मान और समावेशी विकास के भविष्य की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर हो। बस्तर रेंज मिशन 2026 के माध्यम से यह संकल्प दोहराती है कि जब समाज साथ चलता है और रणनीति जन केंद्रित होती है, तब स्थायी शांति केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि एक सजीव वास्तविकता बनती है और हमारा नए साल में नक्सलमुक्त बस्तर का मिशन तैयार है।

-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर

क्या मार्च तक छग होगा माओवाद से मुक्त, खुलेगा विकास का द्वार ?

सुदूरवर्ती इलाकों एवं जनजातीय गांवों के विकास में सबसे बड़ी बाधा के रूप में देखे जा रहे नक्सलवाद को लेकर केंद्र सरकार दावा कर रही है कि इसे 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। सुरक्षाबलों ने पिछले एक साल में कई बड़े माओवादी नेताओं को मुठभेड़ में मार गिराया है। सैकड़ों नक्सलियों ने हथियार छोड़कर शांति का रास्ता अपना लिया है।

59 सीआरपीएफ बेस

2025 में स्थापित किए गए 59 सीआरपीएफ बेस में से सबसे ज्यादा (32) छत्तीसगढ़ में हैं। इसके बाद झारखंड और मध्य प्रदेश (नौ-नौ), महाराष्ट्र और ओडिशा (चार-चार) और तेलंगाना (एक) का स्थान है। ये ठिकाने उन दुर्गम वन क्षेत्रों में बनाए गए हैं जिन्हें पहले नक्सलियों का सुरक्षित गढ़ माना जाता था। ये सुरक्षा चौकियां न केवल सुरक्षा बलों की पहुंच बढ़ाती हैं, बल्कि सड़क निर्माण, मोबाइल टावर और कल्याणकारी योजनाओं जैसी विकास गतिविधियों को सुरक्षा भी प्रदान करती हैं। ये बेस लगभग पांच किलोमीटर के अंतराल पर बनाए जाते हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके और नक्सलियों की आवाजाही पर लगाम लग सके।

निशाने पर नक्सली

21 जनवरी-2025 : मुठभेड़ में खूंखार नक्सली जयराम उर्फ चलपति की मौत

21 मई-2025 : अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों ने बसवा राजू उर्फ गगन्ना को मार गिराया

07 जून-2025 : एक करोड़ का ईनामी केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ नर सिंहाचलम मारा गया

18 नवंबर-2025 : डेढ़ करोड़ रुपए का ईनामी शीर्ष नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा का एनकाउंटर

26 दिसंबर-2025 : ओडिशा के कंधमाल जिले में एक करोड़ के ईनामी गणेश उईके समेत छह नक्सली मारे गए।

रायपुर। नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार का अभियान तेजी से चल रहा है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने 2019 से अब तक छह नक्सल प्रभावित राज्यों में कुल 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए हैं। ये बेस नक्सल प्रभावित इलाकों में प्रशासन की पहुंच बढ़ाने और वहां सुरक्षा बनाए रखने के लिए बनाए गए हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का मुकाबला करने के लिए सरकार की सुरक्षा रणनीति में एफओबी (फुटपोस्ट) एक महत्वपूर्ण घटक रहे हैं। इन ठिकानों की स्थापना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने की है, जिनमें सीआरपीएफ और उसकी विशेष इकाइयां शामिल हैं। ये ठिकाने दूरस्थ, वन क्षेत्रों और उग्रवाद-प्रवण क्षेत्रों में स्थित हैं, जिन्हें पहले नक्सली समूहों का गढ़ माना जाता था। कुल 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) में से अब तक सबसे ज्यादा 59 बेस स्थापित किए गए हैं। इससे पहले 2024 में 40, 2023 में 27, 2022 में 48, 2021 में 29, 2020 में 18 और 2019 में आठ स्थापित किए गए हैं। ये एफओबी छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना में स्थापित किए गए हैं।

छह नक्सल प्रभावित राज्यों में 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस

सरकार की ऐसी तैयारी

संसद के हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र में राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सूचित किया कि नक्सल प्रभावित राज्यों में तैनात सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने 2019 से अब तक कुल 377 फ्रंट ऑफ बोर्न (एफओबी) स्थापित किए गए हैं। इसमें 2025 में 74, 2024 में 71, 2023 में 51, 2022 में 66, 2021 में 51, 2020 में 40 और 2019 में 24 शामिल हैं।

गृह मंत्रालय की दी गई जानकारी के अनुसार, नक्सलवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015 के प्रभावी कार्यान्वयन से ऐतिहासिक परिणाम मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जहां नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 2018 में 126 थी, वो अक्टूबर 2025 तक घटकर मात्र 11 रह गई है। अब केवल तीन जिले 'अत्यधिक प्रभावित' श्रेणी में हैं। इसके साथ ही 2010 में हिंसा की 1936 घटनाएं हुई थीं, जो 2025 में घटकर 218 (89% की कमी) रह गईं।

2025 में छत्तीसगढ़ का ऐसा हाल

1562 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा
256 नक्सली मुठभेड़ के दौरान मारे गए
884 नक्सलियों को भेजा गया जेल
23 जवानों ने दी शहादत हुई
46 ग्रामीण भी मारे गए
45 हथियार बरामद किए गए
875 आईईडी जब्त किए गए

आधुनिकता और व्यावसायिकता के इस दौर में धर्म, अध्यात्म और सांस्कृतिक की पढ़ाई जहां हो ऐसे संस्थान कम होते जा रहे हैं। इन्हीं के बीच गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के गोरखपुर क्षेत्र में स्थित परमानंद संस्कृत विद्यालय पिछले 15 सालों से गुरु शिष्य की अपनी परंपरा कायम रखे हुए है। स्कूल में बच्चों को संस्कार के साथ-साथ उच्च. गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जाती है। बड़ी बात की इस संस्थान की स्थापना भगत सिंग साजन द्वारा दान की गई ढाई एकड़ जमीन पर हुई है।

एक ने दी जमीन, दूसरे ने खोला ज्ञान का आकाश, अब 20 गांव के बच्चे भर रहे उड़ान!

सुबह प्रार्थना, मंदिर में पूजा पाठ, योग, आश्रम और गौशाला की सेवा के साथ कक्षाएं लगती हैं

स्कूल में कुल 225 बच्चे पढ़ रहे, इसमें तीन ही सामान्य बाकी सभी आदिवासी और पिछड़े वर्ग से

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

भगत सिंह मूलतः रायगढ़ जिले के थे लेकिन उन्होंने ध्यान और अध्यात्म के लिए जीपीएम जिले में 18 एकड़ जमीन ली थी। बच्चों की शिक्षा और संस्कार के लिए उन्होंने बाद में ढाई एकड़ जमीन 2008 में आचार्य परमानंद गिरी को दी, जिन्होंने गुरुकुल की स्थापना की। आचार्य परमानंद गिरि के मुताबिक भगत सिंग साजन हमेशा सबसे और खुद से सवाल करते थे कि वे इस क्षेत्र को क्या दे सकते हैं। इसी विचार के बाद उन्होंने गुरुकुल की स्थापना का फैसला लिया।

इस स्कूल में छग और मध्यप्रदेश के 20 गावों के कुल 225 बच्चे पढ़ रहे हैं जिसमें से 170 बालिकाएं और 55 के करीब छात्र हैं। सबसे खास बात है कि इन बच्चों में सिर्फ तीन ही बच्चे सामान्य वर्ग के हैं बाकी सभी आदिवासी और पिछड़े वर्ग से हैं। संस्था द्वारा इन सभी बच्चों की शिक्षा निशुल्क प्रदान की जाती है और एक रुपए की फीस भी नहीं ली जाती। रहने और खाने की व्यवस्था भी पूरी तरह निशुल्क है। पूरी तरह आवासीय इस स्कूल या कहें कि गुरूकुल में सुबह 5 बजे से शुरू हुई दिनचर्या रात के 10 बजे तक चलती है। इस बीच सुबह प्रार्थना, मंदिर में पूजा पाठ, योग, आश्रम और गौशाला की सेवा के साथ कक्षाएं लगती हैं। शाम को खेलकूद भी होता है। छात्र और शिक्षक संबोधन और अभिवादन के लिए जयश्री राम बोलते हैं।

ऐसा गुरुकुल...जहां शिक्षा के साथ संस्कार भी

वंचित वर्ग के अध्ययन पर खास ध्यान

इस संस्था में संस्कृत स्कूल होने के बावजूद हिंदी माध्यम से सभी कक्षाएं लगाई जाती हैं। संस्कृत के श्लोक को पर खास ध्यान दिया जाता है। वैदिक विधि से भी पढ़ाई कराई जा रही है। आश्रम के संचालक आचार्य परमानंद गिरि ने बताया कि वे 2007 में पेंड्रा रोड आए थे। क्षेत्र में स्कूल और वंचित वर्ग की अध्ययन की कमी को देखते हुए उन्होंने सन 2008 में इस संस्था की स्थापना की, जिसका नाम ओम अखंड राष्ट्र धर्म संस्था है। इसके बाद गोरखपुर में ही परम शांति धाम नामक एक आश्रम की स्थापना की गई। 2010 में परमानंद संस्कृत विद्यालय की स्थापना हुई जिसमें बच्चों का एडमिशन शुरू किया गया।

गुरु शिष्य की परंपरा और वैदिक अध्ययन

शुरुआत में बच्चों की संख्या 30 के करीब थी जो अब जाकर 225 तक पहुंच गई है। करीब ढाई एकड़ में फैले इस आश्रम में मां रेवा बालिका छात्रावास और मारुति बालक छात्रावास भी है, जहां बच्चे रहकर पढ़ाई करते हैं। यह पूरी तरह आवासीय विद्यालय है। स्कूल और संस्था को संभालने के लिए 25 लोगों का स्टाफ है। जिसमें शिक्षक भी शामिल है। शिक्षक पूरी द्वारा क्वालिफाइड और प्रशिक्षित हैं। आचार्य परमानंद गिरि के मुताबिक स्कूल खोलने का मुख्य उद्देश्य गौरेला पेंड्रा मरवाही में आदिवासी बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ते हुए उन्हें गुरु शिष्य की परंपरा और वैदिक अध्ययन से जोड़ना था।

दानदाताओं और समाज सेवकों के फंड से संचालित

आचार्य श्री गिरी ने बताया कि संस्था को सरकार से कुछ खास अनुदान नहीं मिलता। यह पूरी तरह दानदाताओं और समाज सेवकों द्वारा दिए गए फंड से संचालित हो रहा है। इस स्कूल में न सिर्फ गौरेला पेंड्रा मरवाही के छात्र छात्राएं बल्कि कोरबा, अंबिकापुर, मुंगेली और मध्य प्रदेश के डिंडोरी, अनूपपुर जिले के भी बच्चे पढ़ रहे हैं। इन बच्चों के परिजनों को महीने में एक बार इनसे मिलने की अनुमति है। बच्चों की दिनचर्या सुबह 5 बजे शुरू होती है 5:30 बजे प्रार्थना और 6:00 बजे मंदिर की घंटी बजती है। पूजा पाठ के बाद योग और फिर आश्रम की सेवा छात्र-छात्राएं करते हैं। आश्रम में खेती और गौशाला की सेवा भी नियमित दिनचर्या में शामिल हैं। स्नान ध्यान के बाद सुबह 10 से शाम 4 बजे तक विद्यालय लगता है। दोपहर एक बजे भोजन अवकाश होता है। इसमें बच्चे भोजन से पहले भोजन मंत्र का उच्चारण करते हैं।

शहर के एक व्यवसायी ने बेसहारा गायों को आश्रय देने के लिए अपनी 4 एकड़ बेशकीमती जमीन दान कर दी। जिससे गायों को पनाहगाह तो मिला ही अब गोबर से निर्मित कंडों को शहर के मुक्तिधामों में बेचकर उससे एकत्र राशि से ही गौवंशों की सेवा की जा रही है। इस गौधाम में गायों के गोबर से निर्मित खाद भी बाजार में अच्छे दामों पर बेची जा रही है। इस गौधाम में 9 सौ से अधिक बेसहारा गायों की सेवा की जा रही है।

जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम कनबेरी में बना गौधाम

दान की जमीन से बदली तस्वीर

मूक जीवों के लिए बोल उठी इंसानियत खोला गौ आश्रय, जहां 900 गायों की हो रही सेवा

नागेन्द्र श्रीवास ▶▶| कोरबा

हम बात कर रहे हैं ऐसे गौधाम की जिसका संचालन अग्रसेन गौ सेवा समिति द्वारा किया जाता है। जहां लाचार बीमार बेसहारा गायों को आश्रय मिलता है। जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर सर्वमंगला कनकी मुख्य मार्ग पर सड़क के बाएं ओर ग्राम कनबेरी है। जहां शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी राजकुमार अग्रवाल की जमीन है। उन्होंने गौ संरक्षण के लिए अपनी बेसकीमती 4 एकड़ जमीन को समाज के नाम कर दिया। इस जमीन पर अग्रसेन सेवा समिति ने 13 जनवरी 2011 को गौधाम तैयार किया। गौधाम के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि इस गौधाम में एक भी दुधारू गाय नहीं रखी गई है। बल्कि जितनी भी गाय हैं बेसहारा असहाय बीमार हैं। मौजूदा स्थिति में यहां 900 से अधिक ऐसी ही गायों का पालन किया जा रहा है। इसके पालन के लिए समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया है। इस गौधाम को संचालित करने के लिए साल में 60 से 70 लाख रुपए खर्च आता है। पूरा खर्च समाज ही उठाता है और समाज के माध्यम से ही इस गौधाम का संचालन किया जा रहा है। गौधाम की गूंज इतनी दूर तक पहुंच चुकी है कि अब बेसहारा गायों के संरक्षण संवर्धन के लिए शहर के सभी समाज के लोग पहुंचते हैं। वहीं यहां लोग अब समय बिताने के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसके अलावा अपने जन्मदिन के साथ-साथ वैवाहिक वर्षगांठ भी मना रहे हैं। गायों के साथ घंटों समय व्यतीत कर अपना मन प्रफुल्लित भी कर रहे हैं।

अंतिम संस्कार के लिए कंडा तो फसल के लिए खाद

अग्रसेन गौ सेवा समिति के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल ने बताया कि गौधाम में लगभग 800 गाय का पालन किया जा रहा है जिनके गोबर से अंतिम संस्कार के लिए कंडा तैयार है। शहर के दो प्रमुख मुक्तिधाम मोतीसागरपारा और पोड़ीबहार मुक्तिधाम में कनबेरी गौधाम से कंडे की सप्लाई की जा रही है। इसके अलावा गोबर से खाद भी तैयार किया जा रहा है। कनबेरी गौधाम से 50 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से खाद भी बेचा जा रहा है। इसके अलावा बल्क में 40 किलो का पैकेट 5 सौ रुपए में खाद दिया जा रहा है। कंडा और खाद बेचकर समिति मालामाल भी हो रही है और इसी पैसे से धाम का संचालन भी किया जा रहा है।

परिसर में ही कराया जाता है तुलादान

कनबेरी स्थित गौधाम में जहां असहाय गायों की देखरेख की जा रही है। वहीं दूसरी ओर धाम में समाज के लोगों ने मिलकर विशालकाय गौ गोपाल मंदिर भी तैयार किया है। जहां हर साल गोपा अष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। शहर के 1500 से 2000 लोग इस त्यौहार में शामिल होते हैं। साथ ही यहां तुलादान की भी व्यवस्था की गई है। यहां आने वाले लोगों के लिए कम लागत में नाश्ता, चाय पानी व भोजन की व्यवस्था भी की जाती है। बताया जाता है कि जिन लोगों को यहां आकर भोजन करना होता है उन्हें कम लागत पर ही चाय नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें खास कर छत्तीसगढ़ परंपराओं के अनुरूप ही नाश्ता और खाना तैयार किया जा रहा है।

प्रतिदिन 10 क्विंटल घास है तैयार

अग्रसेन गौ सेवा समिति के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल व कोषाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गौधाम की लगभग 2 एकड़ जमीन में नेपियर घास तैयार किया गया है। घास को तैयार करने में मुख्य रुप से समाज के इंद्र कुमार अग्रवाल व श्याम सुंदर अग्रवाल की भूमिका रही है, जिसमें उन्होंने अपनी मेहनत से गायों के लिए नेपियर व अन्य घास तैयार की गई है। जहां प्रतिदिन लगभग 8 से 10 क्विंटल घास काट कर गायों को भी खिलाया जा रहा है। इसके अलावा बारिश के दिनों में इन गायों के लिए भुट्टा का भी रोपण किया जाता है। गायों की देखरेख करने के लिए 18 से अधिक कर्मचारियों की टीम तैनात है। इसके अलावा बीमार व दुर्घटना में घायल गायों के इलाज के लिए चिकित्सकों की टीम भी तैनात की गई है जो लगातार इनकी देखरेख करते हैं। इस गौधाम को संचालित करने में 1 साल में लगभग 60 लाख से अधिक का खर्च आता है जिसका संचालन करने के लिए समाज के लोग बढ़ चढ़कर सहयोग करते हैं।

समाजसेवा की मिसाल बने राघवेंद्र

अपने गांव में स्कूल, पड़ोस में आंगनबाड़ी और सामुदायिक भवन के लिए दी जमीन

अभिषेक शुक्ला ▶▶| जांजगीर चांपा

वर्तमान में जब एक-एक इंच जमीन के लिए विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है, ऐसे दौर में जनहित के लिए अपनी पैतृक भूमि दान करना न केवल साहसिक बल्कि अनुकरणीय कदम माना जाएगा। जिले के समाजसेवी एवं ग्राम कुटरा गाँव के मालगुजार परिवार से जुड़े राघवेंद्र पांडेय ने अपने पिता की स्मृति को अक्षुण्य बनाए रखने के लिए हायर सेकेंडरी स्कूल आंगनबाड़ी और सामुदायिक भवन के लिए अपनी निजी भूमि दान में दी है।

जिला मुख्यालय जांजगीर से बमुश्किल 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम कुटरा के मालगुजार परिवार के राघवेंद्र पांडेय ने वर्ष 2014 में हायर सेकंडरी स्कूल की स्थापना के लिए अपनी निजी भूमि शासन को दान में दी थी। बताया जाता है कि गांव में जब हायर सेकेंडरी भवन के लिए शासकीय भूमि कम पड़ने लगी तो वहां से लगी जमीन को राघवेंद्र ने दान कर दी। उनके इस योगदान से आज वहां भव्य शासकीय विद्यालय भवन का निर्माण हो चुका है, जहां नियमित रूप से कक्षाएं संचालित

हो रही हैं। इससे कुटरा सहित आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ रहा है और सैकड़ों छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने पड़ोसी गांव कुथूर में भी सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए आंगनबाड़ी भवन तथा सामुदायिक भवन के लिए अपनी पैतृक संपत्ति से 25 डिसमिल से अधिक भूमि दान की। भूमि दान के पश्चात दोनों भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और वर्तमान में इनका उपयोग बच्चों के पोषण, महिलाओं की बैठकों, स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों एवं गांव के सामूहिक कार्यक्रमों के लिए किया जा रहा है।

पिता के सपनों को साकार करने का प्रयास

स्कूल आंगनबाड़ी भवन और सामुदायिक भवन के लिए भूमि दान करने वाले राघवेंद्र पांडेय कहते हैं कि पिता के सपनों को साकार करना उनका लक्ष्य है। उनके पिता जब कुटरा गांव के सरपंच थे तो वे गांव में हायर सेकेंडरी स्कूल और सड़क स्वास्थ्य की सुविधाओं को लेकर संघर्षरत रहे। 33 वर्ष की अल्पायु में उनके निधन के पश्चात राघवेंद्र ने पिता के सपनों को साकार करने की सोची और जमीन दान दी।

रविंद्र माधवराव जगदाले के कर्म उन्हें एक अलग पहचान देते हैं

कहा जाता है कि आदमी जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान बनता है। उसके कर्म ही उसे एक अलग पहचान देते हैं। कुछ ऐसा ही काम रविंद्र माधवराव जगदाले ने किया है । जिनकी जन्मभूमि भले ही महाराष्ट्र रही, लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने यहां शिक्षा-दीक्षा ग्रहण की, नौकरी पाई और रिटायर होने के बाद तेरा तुझको अर्पण करते हुए छत्तीसगढ़ माटी की कर्मभूमि में ही शिक्षा के लिए अपनी जमा पूंजी दान कर दी।

महाराष्ट्र रही जन्मभूमि लेकिन कर्मभूमि छत्तीसगढ़ के लिए किया दान

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

नागपुर महाराष्ट्र के एनवा गांव में जन्में राजनांदगांव शहर के महेश नगर निवासी रविंद्र जगदाले ने महाराष्ट्र में कक्षा छठवीं तक की शिक्षा हासिल की। इसके बाद वे छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में अपने नाना के यहां रहने पहुंच गए । यहां उन्होंने कक्षा सातवीं से हाईस्कूल तक की पढ़ाई की और इसके बाद रायपुर में इंजीनियरिंग की और जूनियर इंजीनियर के पद पर उन्होंने सिंचाई विभाग में नौकरी शुरू की। इस दौरान वे रायपुर के अलावा धमतरी और राजनांदगांव में भी अपनी सेवाएं दी। लंबे समय तक राजनांदगांव में रहने की वजह से उन्होंने यहां अपना आशियाना बनाया और रायपुर से एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद से रिटायर हुए।

हजारों बच्चों के लिए दान

दानवीर रविंद्र जगदाले ने बताया कि उनका परिवार काफी मध्यवर्गीय था । नाना और पिता किसान थे। इसलिए वे पढ़ाई के दौरान आने वाली दिक्कतों को बखूबी समझते हैं। उन्होंने कहा कि यह रुपए वह स्वयं अपने बच्चों को नहीं दे रहे हैं । बल्कि इस दान से हजारों बच्चों को शिक्षा में सहूलियत मिले ऐसा काम कर रहे हैं।

निर्माण की गुणवत्ता परखने रहते हैं मौजूद

छात्राओं के लिए निर्मित इस छात्रावास में 5000 स्क्वायर फीट पर प्रथम और द्वितीय तल का निर्माण हो रहा है । जहां 60 से अधिक छात्राओं के रहने की सुविधा होगी। रविंद्र जगदाले केवल रुपए ही दान नहीं किया बल्कि वह स्वयं रोज यहां पहुंचकर अपने सामने निर्माण कार्य भी कराते हैं, ताकि बेहतर गुणवत्ता और सुविधाओं से परिपूर्ण छात्रावास का निर्माण हो सके ।

छात्रावास बनने की इच्छा हुई जागृत

दानवीर रविंद्र जगदाले ने बताया कि अपनी पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हॉस्टल में रहने के लिए वह छात्रवृत्ति पर निर्भर रहे । उनके मन में था कि कभी कुछ करने का अवसर मिले तो एक छात्रावास जरूर बनाएंगे, जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए निशुल्क रहने की सुविधा मिल सके। इसी सोच को लेकर उन्होंने राजनंदगांव में कुछ प्रिंसिपल से हॉस्टल को लेकर बात की तो उन्होंने कहा कि यहां पर महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए हॉस्टल नहीं है । अगर वह इसे बनवा पाए तो काफी अच्छा होगा।

एक करोड़ रुपए का दान

रविंद्र जगदाले ने प्रशासन से महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद शहर के हॉकी स्टेडियम के सामने छात्रावास के लिए जमीन उपलब्ध कराई गई। इस छात्रावास का निर्माण लगभग एक करोड़ रुपए से किया जा रहा है । जिसके लिए रविंद्र जगदाले ने सारा खर्च वहन करते हुए एक करोड़ रुपए का दान किया है ।

"रिटायरमेंट के बाद मुझे लगा कि समाज से जो कुछ हासिल किया है, उसे लौटाने का वक्त आ गया है।" यह कहना है नगर निगम रायपुर के सेवानिवृत्त अपर आयुक्त डॉ. जे.आर. सोनी का, जिन्होंने 72 वर्ष की उम्र में मानव सेवा की एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। डॉ. सोनी ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए 50 लाख रुपये की लागत से निशुल्क, अत्याधुनिक ई-लाइब्रेरी विकसित की है, जो आज सैकड़ों युवाओं के सपनों को आकार दे रही है।

72 साल की उम्र में मानव सेवा की मिसाल

समाज ने दिया, अब लौटाने का वक्त आया इसलिए लाइब्रेरी पर खर्च कर दिया 50 लाख

संजय जोशी ⏭ रायपुर

1981-82 बैच के मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत करने वाले डॉ. सोनी ने सेवानिवृत्ति के बाद संत बाबा गुरु घासीदास जी के "मनखे-मनखे एक समान" के संदेश से प्रेरित होकर गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, रायपुर की स्थापना की। अकादमी का संचालन न्यू राजेंद्र नगर स्थित सतनाम भवन से किया जा रहा है। अकादमी के अंतर्गत दो वर्ष पूर्व एयर कंडीशन्ड 50-सीटर हाईटेक ई-लाइब्रेरी की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेज, कंप्यूटर शिक्षा, करियर गाइडेंस और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

72 की उम्र में भी सेवा का जज़्बा बरकरार: 72 वर्ष की आयु में भी डॉ. जे.आर. सोनी का सेवा-भाव उतना ही सक्रिय है। वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक ई-लाइब्रेरी के संचालन में स्वयं उपस्थित रहकर योगदान दे रहे हैं। उनका जीवन उन नागरिकों और अधिकारियों के लिए प्रेरणा है, जो मानव सेवा में अपना समय, संसाधन और जीवन समर्पित करने का संकल्प रखते हैं।

10 हजार से अधिक पुस्तकें और 20 कंप्यूटर उपलब्ध

दो वर्षों में 200 से अधिक युवाओं को मिला लाभ

डॉ. सोनी के अनुसार, विद्यार्थी तीन बैचों में सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक ई-लाइब्रेरी में अध्ययन करते हैं। समय-समय पर सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस अधिकारियों और करियर काउंसलरों द्वारा वर्कशॉप और मार्गदर्शन कक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं, जिससे विद्यार्थियों को यूपीएससी और सीजीपीएससी जैसी परीक्षाओं की बेहतर समझ मिल सके। बीते दो वर्षों में 200 से अधिक युवाओं ने इस पहल का लाभ उठाकर विभिन्न सरकारी नौकरियों और लोक सेवा परीक्षाओं में सफलता हासिल की है।

10 हजार से अधिक पुस्तकें, फ्री वाई-फाई और 20 कंप्यूटर

लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे सिविल सर्विस अभ्यर्थी प्रतीक अग्रवाल और पीएचडी शोधार्थी सुमन घृतलहरे बताते हैं कि यहां यूपीएससी, सीजीपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और शोध से संबंधित 10 हजार से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फ्री वाई-फाई, इंटरनेट सुविधा युक्त 20 कंप्यूटर सिस्टम भी छात्रों के लिए लगाए गए हैं। हर चार महीने में नवीन समसामयिक पुस्तकों को लाइब्रेरी में शामिल किया जाता है, वहीं जरूरत के अनुसार परीक्षार्थियों को तत्काल आवश्यक किताबें भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

कोई समाज खुद को बेसहारा न समझे, आईटीआई एक्टिविस्ट ने सामाजिक भवनों के लिए खोली अपनी तिजोरी, चौघड़ा में दान की निजी भूमि

परोपकार का 'नववर्ष संकल्प': जब लोग जमीन के लिए लड़ रहे, तब रमाशंकर समाज को जोड़ने के लिए लुटा रहे अपनी संपत्ति

समाज बढ़ेगा, राज्य गढ़ेगा... इसी सोच के साथ दानवीर 'कर्ण' ने खोली तिजोरी

हर समाज को 'मुफ्त' जमीन दे रहे रमाशंकर गुप्ता

मनेंद्रगढ़

आज के दौर में जहाँ एक-एक इंच जमीन के लिए परिवार टूट जाते हैं और अदालतें मुकदमों से भरी पड़ी हैं, वहीं मनेंद्रगढ़ के आरटीआई एक्टिविस्ट रमाशंकर गुप्ता ने त्याग और सामाजिक समरसता की एक ऐसी गाथा लिख दी है, जो सदियों तक याद रखी जाएगी। गुप्ता ने घोषणा की है कि वे जिले के प्रत्येक समाज को सामाजिक भवन बनाने के लिए अपनी कीमती निजी भूमि बिना किसी शुल्क के दान करेंगे।

कुआं हो या जमीन, दान ही इनका धर्म

रमाशंकर गुप्ता के लिए यह कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले उन्होंने ग्रामीणों की प्यास बुझाने के लिए अपना निजी कुआं भी दान कर दिया था। वे एक ऐसे आरटीआई एक्टिविस्ट हैं जो सिस्टम से लड़ना भी जानते हैं और समाज को गढ़ना भी। पैसे तो बहुत लोग कमाते हैं, लेकिन दुआएं कमाना हर किसी के बस की बात नहीं। नववर्ष 2026 के इस मौके पर रमाशंकर गुप्ता की यह पहल पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा है। यह खबर केवल एक सूचना नहीं, बल्कि एक संदेश है कि इंसानियत आज भी जिंदा है।

समाज का स्वाभिमान गुप्ता का संकल्प

अक्सर देखा जाता है कि छोटे समाजों या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के पास अपना कोई ठिकाना नहीं होता। शादी-ब्याह हो या कोई सामाजिक बैठक, उन्हें दूसरों के दरवाजे पर खड़ा होना पड़ता है। रमाशंकर गुप्ता ने इसी पीड़ा को समझा। उन्होंने संकल्प लिया है कि शहर से लगे ग्राम पंचायत चौघड़ा में उनकी जो भूमिस्वामी हक की जमीन है, उसे वे टुकड़ों में हर उस समाज को देंगे जो अपना भवन बनाना चाहता है। उनका लक्ष्य स्पष्ट है। हर समाज का अपना घर हो, अपना स्वाभिमान हो।

कथनी नहीं, करनी में विश्वास

यह केवल कोरी घोषणा नहीं है। रमाशंकर गुप्ता के इस सेवा भाव का प्रत्यक्ष प्रमाण केशरवानी समाज है। इस नेक कार्य की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने स्वयं इस जमीन पर भूमिपूजन किया। मंत्री ने उस वक्त कहा था कि समाज को रमाशंकर जैसे दानवीरों की जरूरत है जो अपनी संपत्ति को समाज की धरोहर मानते हैं।

ग्रामीणों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाएं

अस्पताल खोलने सड़क की बेशकीमती जमीन की दान

अजय नारायण पांडेय ⏭ अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के डेढ़ दशक बाद भी जब ग्राम पंचायत जमड़ी में स्कूल एवं अस्पताल की सुविधा नहीं मिली तो ग्रामीणों ने प्रतिष्ठित परिवार के वरिष्ठ सदस्य अरूण प्रताप सिंहदेव से अपनी समस्याओं को अवगत कराया तथा स्वास्थ्य केन्द्र खुलवाने के लिए कारगर पहल करने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होने के बाद उन्होंने गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने स्वयं की जमीन उपलब्ध कराई। जिस पर पिछले डेढ़ दशक से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हो रहा है।

बलरामपुर जिलान्तर्गत शंकरगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत जमड़ी में अस्पताल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को इलाज के लिए तहसील मुख्यालय शंकरगढ़ अथवा जिला मुख्यालय बलरामपुर जाना पड़ता था। गांव में आवागमन की पर्याप्त सुविधा होने के कारण आवागमन में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रवासियों ने कई बार गांव में अस्पताल खुलवाने की पहल भी की लेकिन सफलता नहीं मिली। छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के बाद ग्रामीणों में तेजी से मूलभूत सुविधाएं विकसित होने की उम्मीद जगी। वर्षों इंतजार करने के बावजूद जब गांव में अस्पताल नहीं खुला तो ग्रामीणों ने गांव के जमींदार अरूण प्रताप सिंहदेव से मिलकर उन्हें अपनी परेशानियों से अवगत कराया तथा गांव में अस्पताल खुलवाने के लिए पहल करने की मांग की। अरूण प्रताप सिंहदेव ने ग्रामीणों को कोई जवाब नहीं दिया लेकिन अगले ही दिन वे गांव में अस्पताल खोलने को लेकर जिला मुख्यालय बलरामपुर चले गए तथा कलेक्टर एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से चर्चा की। अधिकारी गांव में जमीन उपलब्ध होने पर अस्पताल खोलने के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन पर उन्होंने सड़क किनारे स्वयं की जमीन अस्पताल भवन निर्माण के लिए देने की सहमति दे दी। वर्ष 2017-18 में स्वास्थ्य विभाग ने ग्राम पंचायत जमड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की स्वीकृति प्रदान की तथा अरूण प्रताप सिंहदेव द्वारा दान में दी गई भूमि पर अस्पताल भवन का निर्माण कराया गया। आज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ग्रामीणों को प्रसव सहित अन्य सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है।

फुटबॉल के थे अच्छे खिलाड़ी: अरूण प्रताप सिंहदेव अपने छात्र जीवन से ही फुटबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने अपने खिलाड़ी दोस्तों के साथ एक टीम भी बनाई थी।

कॉलेज को मिला सिंहदेव का नाम

शासन द्वारा लंबे समय से शंकरगढ़ में शासकीय महाविद्यालय का संचालन किया जा रहा है। स्व.अरूण प्रताप सिंहदेव के सामाजिक योगदान से प्रेरित होकर शासन ने उन्हीं के नाम से कॉलेज खोला है। कॉलेज खुलने से शंकरगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

व्यावसायी राम अवतार अग्रवाल व अग्रवाल सभा ने किया मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार

मुक्ति के बाद, मुक्ति का एहसास 'मुक्तिधाम' सामाजिक संगठनों का स्वर्ग जैसा काम

मृत्यु एक शाश्वत सत्य है। मृत्यु से खुद को तो मुक्ति मिलती है, लेकिन दूसरे को कष्ट व दुख होता है। दुख की ऐसी घड़ी में किसी को और परेशानी न हो। ऐसी परेशानियों से किसी को मुक्ति का एहसास हो तो शायद बड़ी बात होती है। साथ ही सम्मानजनक मृत्यु और दाह संस्कार के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न अंग माना गया है। इसी सोच और उद्देश्य के साथ मुक्तिधामों के सौंदर्यीकरण और सुविधाओं पर काम किया जा रहा है।

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

प्रतिष्ठित व्यावसायी रामावतार अग्रवाल ने देवकीनंदन मुक्तिधाम सरकंडा को संवारा है। उनका कहना है कि दुख की घड़ी में परिजनों को मानसिक के साथ शांत और सुव्यवस्थित आध्यात्मिक स्थल मिल जाए तो थोड़ी राहत तो मिलती है। मुक्तिधाम में चिता जलते ही साउंड सिस्टम के माध्यम से वैदिक मंत्र का पाठ होता है। सातों दिन 24 घंटे यहाँ की सुविधा बहाल है। घाट में आप कभी भी पहुंचे, यहां संस्था के कर्मचारी मिल जाएंगे। हालांकि रात में अंतिम संस्कार कम ही होते हैं। संस्थाएं शवदाह के लिए यहां प्रत्येक माह करीब तीन टन लकड़ी उपलब्ध कराती है। औसतन प्रत्येक मुक्तिधाम में हर महीने 25 अंतिम संस्कार होते हैं। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने भी कहा है कि कोई व्यक्ति स्वर्ग सिधार जाता है तो शरीर 'सम्मानजनक विदाई का हकदार' होता है और राज्य का संवैधानिक दायित्व है कि वह सार्वजनिक अंतिम संस्कार सुविधाओं में सभ्य वातावरण प्रदान करे। ऐसा न करना कर्तव्य से विमुखता के समान है।

संकल्प और सेवाभाव गहराई से जुड़ा

सभी व्यवस्थाओं 'मेंटेनेंस, साफ-सफाई, पानी, बिजली, पार्किंग और सुरक्षा' को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 12 से 15 कर्मचारियों की टीम तैनात की जा रही है। इनके वेतन और संचालन पर हर महीने करीब 1.50 लाख रुपए का खर्च आएगा, जिसका वहन समाज करेगा। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल सहित सेवा समिति के सदस्यों सीए आंनद अग्रवाल, अजय जाजोदिया, सीए राजुल जाजोदिया, ललित अग्रवाल, सुनील मुरारका, राजीव अग्रवाल, मोनू मुरारका इस काम में जुड़े हैं। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि मुक्तिधामों के निर्माण, सज्जा और रख-रखाव में अग्रवाल समाज द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

जरूरतमंदों को लकड़ी, कपड़ा और दूसरे सामान: इसी तरह देवकीनंदन मुक्तिधाम सरकंडा में रामावतार अग्रवाल द्वारा सौंदर्यीकरण करते हुए सुविधाएं बढ़ाई गईं हैं। बाउंड्रीवॉल, वार्निंग शेड, प्रतीक्षालय आदि में मरम्मत का काम कराया जाएगा। शवों के अंतिम संस्कार के लिए चबूतरे का निर्माण, सुंदर गार्डन, पेयजल, वाशबेसिन और स्नान की व्यवस्था है। पूरे परिसर में लाइट, पंखा, वाटर कूलर, सीसीटीवी कैमरे और मजबूत शेड की व्यवस्था है। मुक्तिधाम में लावारिस या बेहद जरूरतमंद लोगों के लिए लकड़ी, कपड़ा और अन्य आवश्यक सामग्री संस्था की ओर से उपलब्ध कराई जा रही है।

गार्डन, कुर्सियों के साथ ही ओपन शावर भी

इसी तरह अग्रवाल महासभा भारतीय नगर मुक्तिधाम को सवार रही है। यह स्थल जल्द ही नए स्वरूप में नजर आएगा। अग्रवाल महासभा ने इसे गोद लेकर सुधार कार्यों की जिम्मेदारी उठाई है। लगभग 60 लाख की लागत से विकास का काम शुरू किया गया है। परिसर में गार्डन, कुर्सियों के साथ बैठने की सुविधा, पक्की सड़कें, सफाई व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पंखों से युक्त शेड, पक्का शेड, समुचित पार्किंग और सीसीटीवी सहित अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। परिसर में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधारोपण और एक ऑक्सीजोन विकसित किया जा रहा है। शवों के अंतिम संस्कार के लिए 10 चबूतरों का निर्माण, 25 सीमेंटेड कुर्सियां, सुंदर गार्डन, पेयजल की व्यवस्था, वाशबेसिन और स्नान के लिए ओपन शॉवर की सुविधा तैयार की जा रही है। साथ ही पूरे परिसर में लाइट, पंखा, वाटर कूलर, सीसीटीवी कैमरे और मजबूत शेड की व्यवस्था भी होगी। मुक्तिधाम में लावारिश या बेहद जरूरतमंद लोगों के लिए लकड़ी, कपड़ा और अन्य आवश्यक सामग्री समाज की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी।

इंसानियत की इबादत

स्व. हाजी निसार हुसैन फारुख हुसैन के पिता

फारुख हुसैन

सरायपाली के हुसैन परिवार ने पेश की सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल, वृद्धाश्रम के लिए दान की लाखों की जमीन

मनहरण सोनवानी ⏭ सरायपाली (महासमुंद)

आज के दौर में जमीन का एक टुकड़ा रिश्तों में दीवार खड़ी कर देता है, वहीं महासमुंद जिले के सरायपाली अंतर्गत पतेरापाली से मानवता को गौरवान्वित करने वाली खबर आई है। यहाँ के एक समाजसेवी मुस्लिम परिवार ने समाज के बेसहारा बुजुर्गों और निर्धन बच्चों के भविष्य के लिए अपनी लाखों रुपए की निजी जमीन दान कर दी है। यह पहल न केवल सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक समरसता की नई इबारत लिख रही है।

पिता की वसीयत: 'बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ी इबादत'

यह प्रेरणादायी निर्णय समाजसेवी फारुख हुसैन द्वारा अपने पिता स्वर्गीय हाजी निसार हुसैन की स्मृति और उनके संस्कारों से प्रेरित होकर लिया गया है। फारुख हुसैन ने बताया कि उनके पिता हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करते थे। उनका मानना था कि कोई भी बुजुर्ग उपेक्षित न रहे। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए फारुख ने अपनी 5 डिसमिल से अधिक कीमती भूमि वृद्धाश्रम और गरीब बच्चों के छात्रावास के लिए दान कर दी है।

स्व. हाजी निसार हुसैन के सपनों को साकार कर रहे पुत्र फारुख हुसैन।

5 डिसमिल कीमती जमीन पर बनेगा 'समर्पण अपना घर' वृद्धाश्रम और छात्रावास।

बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए अब तक खर्च किए लाखों रुपये।

फारुख हुसैन अपनी पत्नी के साथ

सर्वधर्म समभाव की अनूठी तस्वीर

इस नेक कार्य में हुसैन परिवार के साथ नगर के प्रबुद्ध जन भी खड़े नजर आ रहे हैं। समाजसेवी शरद अग्रवाल, मनोज जैन, नरेंद्र महाराज, भक्तचरण साहू और गोवर्धन पाणिग्राही जैसे व्यक्तित्वों का सहयोग यह दर्शाता है कि जब उद्देश्य नेक हो, तो धर्म और जाति की दीवारें खुद-ब-खुद ढह जाती हैं। परिवार के सदस्य डॉ. अरशद हुसैन, वहीदा बेगम और भाइयों (अय्युब हकीम, आदिब, नसीम) का पूर्ण समर्पण इस कार्य को और भी भव्य बना रहा है।

बेटियों के लिए 'मसीहा' बना परिवार

हुसैन परिवार की सेवा का दायरा केवल भू-दान तक सीमित नहीं है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए फारुख हुसैन ने एक जरूरतमंद छात्रा के नर्सिंग कोर्स के लिए 1 लाख 80 हजार रुपए की फीस जमा की। बिलासपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा को कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई। करीब 6 अन्य छात्राओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद की।

एक ही छत के नीचे मिलेगा 'अपनत्व' और 'उम्मीद'

इस परियोजना को 'समर्पण वृद्धा आश्रम अपना घर' नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहाँ बेसहारा बुजुर्गों को अपनों जैसा सम्मान मिले और अनाथ या गरीब बच्चों को रहने की सुविधा के साथ-साथ बड़ों का आशीर्वाद मिले। फारुख हुसैन का कहना है कि संस्था के पंजीयन और प्रशासनिक औपचारिकताओं के पूर्ण होते ही निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जाएगा।

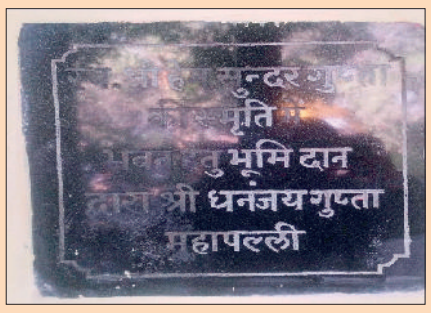

ओडिशा की सीमा से चंद कदम फासले पर बसे महापल्ली गांव को बालिका शिक्षा के नाम से पहचाना जाता है। यहां पहले मुष्ठि चावल इकठ्ठा कर स्कूल खोला गया। इसके बाद यहां के गांधी गौटिया ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सड़क किनारे की अपनी कीमती जमीन दान में दी। गांधी ने जहां भू-दान किया था, वहां निर्मित कॉलेज आश्रम से पूर्वांचल समेत आज चहुंओर बालिका शिक्षा का उजियारा फैल रहा है।

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने महापल्ली के गांधी गौटिया ने बटमूल आश्रम कॉलेज के लिए दी जमीन

जांजगीर चांपा, कोरबा से लेकर सारंगढ़ और ओडिशा तक के स्टूडेंट ने यहाँ की पढ़ाई

गांधी ने किया भू-दान, जहां निर्मित कॉलेज आश्रम से चहुंओर फैल रहा बालिका शिक्षा का उजियारा

स्वतंत्र महंत ⏭ रायगढ़

गांधी गौटिया (असली नाम धनंजय गुप्त) ने छत्तीसगढ़ निर्माण वर्ष 2000 के अंत में इस जमीन को दान किया था। इसके पहले तक महापल्ली का बटमूल आश्रम कॉलेज सामुदायिक भवन में संचालित होता था। जमीन दान में मिलने के बाद वहां एक भवन का निर्माण हुआ। भवन का प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने 3 अप्रैल 2003 को लोकार्पण किया था। इसके साक्षी जोगी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता और उच्च शिक्षा मंत्री सत्यनाराण शर्मा रहे। इसके बाद से इस कॉलेज का सफर सुहाना होने लगा जो अब तक अनवरत जारी है। उस दौर से लेकर अब तक इस कॉलेज से सामान्य फीस में 15 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर अपना मुकाम हासिल कर लिया है। इस कॉलेज को बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए खोला गया था। जहां जांजगीर चांपा, कोरबा से लेकर सारंगढ़ और ओडिशा तक के स्टूडेंट पढ़ाई करने आते थे। हालांकि उस दौर में डिग्री कॉलेज, केएमटी कॉलेज, कामर्स कॉलेज और बालकृष्ण पुरी लॉ कॉलेज के अलावा अन्य कोई कॉलेज नहीं था। ऐसे में इन चारों कॉलेज के साथ महापल्ली स्थित बटमूल आश्रम कॉलेज में बच्चों की संख्या काफी अधिक होती थी। धीरे-धीरे ब्लॉकों से लेकर गांवों तक में कॉलेज खुलने लगा तो छात्रों की संख्या कुछ कम होने लगी।

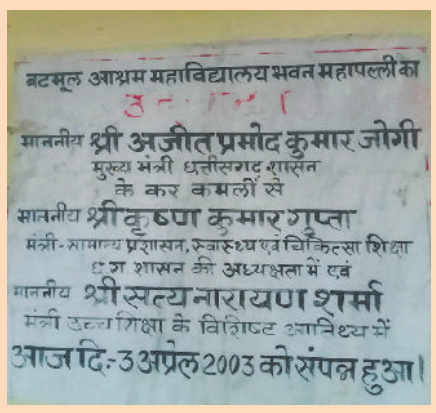

ऐसे पड़ा गांधी नाम

आजाद भारत का पहला वर्ष और पहली तारीख जब गूंजा दूसरी किलकारी रायगढ़ पूर्वांचल के महापल्ली गौटिया परिवार में तो नाम दिया गया गांधी। सचमुच गांधी जी की तरह शांत, सरल, सौम्य, मिलनसार और सबके चहेते इस लाडले सपूत के आगमन से मानो गौटिया परिवार आल्हादित हो उठा। गांधी उनका प्रेम से बुलाए जाने वाला निक नेम है। महात्मा गांधी जी के अहिंसा आंदोलन के कारण अंग्रेजों से मिली आजादी के बाद ही 1 जनवरी 1948 में धनंजय का जन्म हुआ। 30 जनवरी 1948 को गांधी जी का निधन हो गया तब गौटिया परिवार द्वारा महापल्ली गांधी जी के विचारों से ओत-प्रोत होकर धनंजय जी का नाम गांधी रख दिया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान

जिले के सुसंस्कृत ग्राम महापल्ली के गौटिया परिवार का शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान भुलाया नहीं जा सकता। धनंजय गुप्त के पिता हेमसुन्दर गुप्त पूर्वांचल के पुरोधा के रुप में पूजे जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने महापल्ली में माध्यमिक शाला की स्थापना मुष्ठि चावल की ताकत से की थी। ग्रामवासियों से एक-एक मुट्ठी चावल एकत्रित करने का कार्य गांव के मालगुजार रुपराम गुप्त व उनके साथी अनिरुद्ध प्रधान ने किया था। उक्त मुष्ठि चावल की राशि से गांव में गरीबों को आर्थिक सहायता दी जाती थी। मुष्ठि फण्ड की राशि धीरे-धीरे बहुत बड़ी राशि बन गई। गांव के मालगुजार रुपराम ने अपने साथी अनिरुद्ध प्रधान से सलाह मशवरा कर गांव में अशिक्षा को देखते हुए स्कूल स्थापना करने की मंशा जताई।

दानशीलता के पर्याय हैं धनंजय

एक शिक्षाविद साहित्यकार व निर्भीक व्यक्तित्व के कारण धनंजय गुप्त में भी दानशीलता कूट-कूट कर भरी थी। विद्यानुराग का उनका यह प्रमाण है कि अपने पिता जी के पूर्वांचल में उच्च शिक्षा की सपने को साकार करने के लिए शिक्षाविद गुरुवर पण्डा के सानिध्य में आकर महापल्ली में सड़क किनारे आधा एकड़ भूमि बटमूल आश्रम महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए स्वेच्छा से दान कर दी। यही नहीं धर्मप्रेमी होने के कारण गायत्री मंदिर स्थापना के लिए 24 डिसमिल जमीन सड़क किनारे दानकर आपने धर्म के प्रति अपनी आस्था को रेखांकित किया है। 5 मार्च 2019 यह अजीब संयोग है कि धनंजय के स्वर्गीय पिता हेमसुन्दर गुप्त का जन्म दिवस है और इसी दिन ही पुत्र धनंजय का एकादशकर्म है।

पिता ने की 1952 में मिडिल स्कूल की स्थापना

धनंजय गुप्त के पिता विद्यानुरागी शिक्षाविद कविवर साहित्य पुरोधा हेमसुन्दर गुप्त ने आंचलिक ग्रामवासियों के सहयोग से 1952 में माध्यमिक शाला की स्थापना की। हेमसुन्दर गुप्त ने विद्यालय भवन में कारपेन्टरी कार्य भी किया एवं निःशुल्क अध्यापक कार्य भी किया। उनके योगदान के कारण आज उनके नामपर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला महापल्ली का नामकरण किया गया है। उनका जन्म 5 मार्च 1915 को गांव के मालगुजार रुपराम गुप्त के यहां प्रथम संतान के रुप में हुआ था जिसके कर्मयोग रुपी शक्ति से शिक्षारुपी अंधकार को भगाने में महती भूमिका निभाई। उन्होंने महापल्ली में कृषि कॉलेज स्थापना की सपना देखा था, लेकिन अल्पायु में ही उनको क्रूर काल ने 49 वर्ष की अल्पायु में 6 जुलाई 1964 को लील लिया। तब उनके पुत्र धनंजय गुप्त की उम्र महज 16 वर्ष की थी। धनंजय की प्राथमिक शिक्षा 2 किलोमीटर दूर ग्राम लोईग के प्राथमिक शाला में 1959 में पूर्ण हुआ तब महापल्ली में प्राथमिक शिक्षा की सुविधा नहीं थी।

मरही माता विकास समिति के साथ मिलकर शुरू किया काम, अंबेडकर अस्पताल के पास रोज सुबह-शाम जरूरतमंदों को खिला रहे भोजन

कोरोना काल में शुरू हुई भंडारा सेवा बनी मरीजों के परिजनों का सहारा, रोजाना 1500 लोग ले रहे दो वक्त का भोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोरोना महामारी के सबसे कठिन समय में शुरू हुई निःशुल्क भोजन सेवा आज भी उसी समर्पण और मानवता के साथ जारी है। मां मरही माता मंदिर परिसर में पिछले पांच वर्षों से प्रतिदिन दो वक्त का भंडारा संचालित हो रहा है। जो अब तक लाखों जरुरतमंदों के लिए जीवन का आधार बन चुका है। प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे और शाम 6 से 8 बजे तक करीब 1,500 लोगों को निःशुल्क भोजन परोसा जाता है। महामारी के दौरान जब रोजगार ठप थे, और रोज कमाने-खाने वाले परिवारों के सामने पेट भरने का संकट खड़ा हो गया था। तब यह सेवा किसी संजीवनी से कम नहीं थी। अंबेडकर अस्पताल में दूर-दराज के गांवों से आए गरीब मरीजों के परिजनों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय थी। अस्पताल में भर्ती मरीज को तो भोजन मिल जाता था, लेकिन उनके साथ आए परिजन कई बार राशन खत्म होने या व्यवस्था न हो पाने के कारण भूखे ही सोने को मजबूर हो जाते थे।

मरीज के परिजन नहीं करते खाने की चिंता

इस मानवीय पहल की शुरुआत वर्ष 2020 में गणेश भट्टर और उनके बेटे गौरव भट्टर ने मिलकर की। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने लगातार लोगों को भूख से तड़पते देखा। विशेषकर अस्पताल के बाहर बैठे गरीब परिजन उनके मन को विचलित करते थे। उन्होंने अस्पताल के सामने ही भोजन वितरण करने का निर्णय लिया, पर अनुमति की बाधा सामने आ गई। इसी दौरान मां मरही माता विकास समिति के अध्यक्ष आगे आए और उन्होंने इस कार्य में सहयोग की इच्छा जताई। चूंकि समय संवेदनशील था और कोरोना नियमों का कड़ाई से पालन अनिवार्य था, प्रारंभ में पुलिस ने आपत्ति भी जताई। इसके बाद गणेश भट्टर ने तत्कालीन कलेक्टर से औपचारिक अनुमति ली और स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस सेवा को शुरू किया।

5 वर्षों से जारी है मानवता की मिसाल

भोजन वितरण की इस सेवा में मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सैनिटाइजेशन का सख्ती से पालन किया गया। कोरोना के कठिन महीनों में हजारों परिवारों का पेट भरने वाली यह व्यवस्था महामारी खत्म होने के बाद भी बंद नहीं हुई। आज भी बड़ी संख्या में जरुरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन और राहगीर रोज इस भंडारे से भोजन प्राप्त करते हैं।

एक फूल अर्पित करके बीते वर्ष को कर दीजिए ईश्वर को समर्पित

नववर्ष में जीवन स्वयं उत्सव बन जाए : गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

सामान्यतः लोग नववर्ष का स्वागत करते समय इच्छाओं की लंबी सूची बनाते हैं, संकल्प लेते हैं और लक्ष्य प्राप्त करने की योजना बनाते हैं। लेकिन मैं चाहता हूँ कि इस वर्ष आप अपने दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल दें। वर्ष 2026 इसलिए शुभ है, क्योंकि आप इस समय जीवित हैं। जब आप जगत के लिए जीते हैं, तब जगत शुभ होता है। समय को आपकी उपस्थिति का उत्सव मनाने दीजिए। आप सदा की तरह मुस्कराते रहिए।

एक निर्धन व्यक्ति वर्ष में एक बार उत्सव मनाता है। एक धनी व्यक्ति हर दिन मनाता है। लेकिन सबसे धनी व्यक्ति हर क्षण उत्सव मनाता है। आप कितने धनी हैं? क्या आप उत्सव वर्ष में एक बार मनाते हैं? महीने में एक बार? हर दिन? यदि आप हर क्षण उत्सव मनाते हैं, तो आप सृष्टि के स्वामी के साथ एकरूप हो जाते हैं। यह भौतिक धन की बात नहीं है, यह चेतना की संपदा की, हर गुजरते क्षण में पूरी तरह उपस्थित रहने की समृद्धि की बात है।

जब आप लगातार अच्छे समय के आने की प्रतीक्षा करते रहते हैं, तो समय खिंचता हुआ लगता है। लेकिन जब आप आध्यात्मिक पथ पर होते हैं, तो समय तेज़ी से बीतता प्रतीत होता है। एक निर्मल हृदय और तीक्ष्ण बुद्धि किसी भी समय को शुभ समय में बदल सकती है। स्वयं आपके पास समय को बदलने और उसे बेहतर बनाने की क्षमता है।

इस वर्ष के अंत में, उत्सव के साथ-साथ पिछले वर्ष की समीक्षा के लिए समय निकालिए। एक घंटा बैठकर हर बीते सप्ताह के बारे में सोचिए और देखिए कि आप कैसे विकसित हुए। आपने क्या किया? क्या हासिल किया? इस बीते वर्ष में आप अपने आसपास के लोगों के लिए कितने उपयोगी रहे? जो वर्ष बीत गया, उसने हमें बहुत कुछ सिखाया है। क्या करणीय है और अकरणीय है, इसके बारे में सचेत किया है। अच्छी और बुरी दोनों तरह की घटनाओं ने आपको कुछ न कुछ सिखाया है। अच्छी घटनाओं ने बताया कि क्या दोहराना है और बेहतर करना है। बुरी घटनाओं ने सिखाया कि किन बातों से बचना है। एक तरह से भूलों ने आपके जीवन को अधिक समृद्ध बनाया है। इस अर्थ में, पूरा संसार आपका मित्र और शिक्षक है। जिन्हें आप शत्रु मानते हैं, वे भी मित्र हैं, क्योंकि उन्होंने आपको सावधान रहना सिखाया और आपके भीतर छिपी क्षमताओं को उभारा। नव वर्ष के दिन, एक फूल अर्पित करके बीते वर्ष को ईश्वर को समर्पित कर दीजिए। पिछले वर्ष से बिना किसी पछतावे, क्रोध और तनाव के केवल सीख लेकर आगे बढ़िए। जब हमारी इच्छाएं और कर्म ज्ञान की शक्ति से भरे होते हैं, तो जीवन में केवल आनंद और सुख होता है। ज्ञान के बिना हमारी इच्छाएँ कमजोर पड़ जाती हैं, योजनाएँ साधारण हो जाती हैं, और अनिश्चितता छा जाती है। सामान्यतः आप उत्सव में खो जाते हैं। लेकिन जब समय आपकी उपस्थिति को मनाता है, तो आप उत्सव के दौरान भी साक्षी बने रहते हैं। जब आप अपने स्रोत से जुड़े रहते हैं, तो आप जीवन को ही उत्सव बना देते हैं। ज्ञान में समय बिताएँ, तब आपके अन्य सभी कार्य और योजनाएँ सुदृढ़ होंगी और अधिक प्रभावी बनेंगी। जब हम ध्यान और ज्ञान के माध्यम से अपने स्रोत से जुड़े रहते हैं, तो जीवन स्वयं एक सतत उत्सव बन जाता है। इसलिए, इस नव वर्ष केवल वर्ष का उत्सव मत मनाइए, नव वर्ष को आपको मनाने दीजिए। यदि वह आपके लिए शुभता लाना चाहता है, तो आने दीजिए। यह उसका कर्म है। आपका कर्म हर क्षण को उत्सव में बदलते हुए उपस्थित रहना, संसार में योगदान देना, और मुस्कराते रहना है।

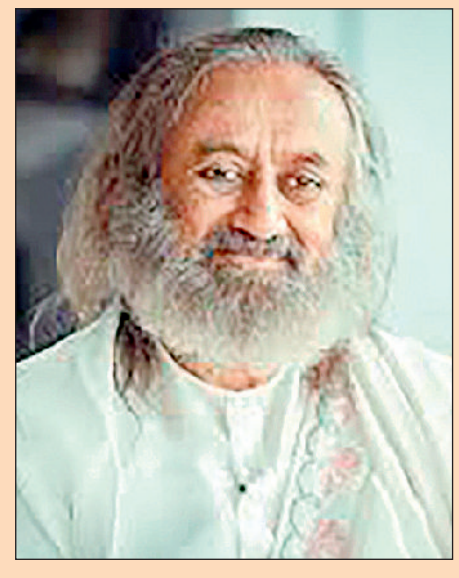

साल के अंतिम दिन राज्य पुलिस सेवा के 16 डीएसपी को प्रमोशन का तोहफा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

साल के अंतिम दिन राज्य पुलिस सेवा के 16 डीएसपी को प्रमोशन का तोहफा मिला है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अनुशंसा तथा गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर 16 उप पुलिस अधीक्षकों का एडिशनल एसपी के पद पर प्रमोशन किया गया है।

■ प्रमोशन पाने वाले डीएसपी, एएसपी पद पर पदोन्नत हुए

पुलिस अफसरों के प्रमोशन को लेकर गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। गृह विभाग द्वारा पदोन्नति एवं छानबीन समिति की अनुशंसा के आधार पर राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान प्राप्त 16 अधिकारियों को उप पुलिस अधीक्षक, सहायक सेनानी या समतुल्य रैंक के पद से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप सेनानी या समतुल्य रैंक के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत अधिकारियों में रितेश चौधरी, जितेन्द्र कुमार खूंटे, अंजली नाग (गुप्ता), कर्ण कुमार उके, मनोज कुमार ध्रुव, पुष्पेन्द्र नायक, मनोज तिर्की, सारिका वैद्य, निधि नाग, कपिल चन्द्रा, अविनाश कुमार मिश्रा, ईश्वर प्रसाद त्रिवेदी, योगेश कुमार साहू, मयंक तिवारी, रश्मीत कौर चावला तथा अनिल कुमार विश्वकर्मा के नाम शामिल हैं।

उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों में आई ऐतिहासिक कमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में किए जा रहे सतत एवं समन्वित प्रयासों के सकारात्मक परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में लंबित प्रकरणों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। यह उपलब्धि त्वरित, पारदर्शी एवं सुलभ न्याय के प्रति उच्च न्यायालय की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रतिध्वनित करती है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की प्रेरणा, दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर मार्गदर्शन में उच्च न्यायालय ने न्याय में देरी, न्याय से वंचना की भावना को आत्मसात करते हुए प्रकरणों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण पर विशेष बल दिया है। उनके कुशल नेतृत्व में न्यायिक दक्षता, उत्तरदायित्व एवं संस्थागत उत्कृष्टता को सुदृढ करने हेतु ठोस नीतिगत दिशा-निर्देश, सतत निगरानी तथा न्याय वितरण प्रणाली से जुड़े सभी हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित किया गया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी को उच्च न्यायालय में कुल 84,305 प्रकरण लंबित थे। वर्ष 2025 के दौरान 55,416 नवीन प्रकरण संस्थित हुए, जबकि इसी अवधि में 64,054 प्रकरणों का निराकरण किया गया। परिणामस्वरूप वर्ष के अंत तक लंबित प्रकरणों की संख्या में 8,638 की शुद्ध कमी दर्ज की गई, जो कि लगभग 10.25 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट को दर्शाती है। विशेष रूप से यह तथ्य उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में निराकरण दर संस्थापन की तुलना में 115.59 प्रतिशत रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नए प्रकरणों की अपेक्षा अधिक पुराने प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की प्रेरणादायी सोच, न्यायाधीशों की अटूट प्रतिबद्धता तथा न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालयीन स्टाफ के समर्पित एवं समन्वित प्रयासों का नतीजा है। इन सामूहिक प्रयासों से न केवल न्यायिक प्रणाली की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बल्कि आम नागरिकों को शीघ्र एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में भी यह एक सशक्त और सार्थक कदम सिद्ध हुआ है।

सीएम आज सचिव, संचालक और एमडी की लेंगे बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नए साल पर एक जनवरी को मंत्रालय में अफसरों की बैठक लेंगे। मंत्रालय में बने नवनिर्मित ऑडिटोरियम में कल सुबह 11.30 बजे बैठक होगी। इसमें सभी सचिवों के साथ ही विभागाध्यक्षों, एमडी को भी बुलाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने एक सूचना जारी की, जिसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक विचार-विमर्श आयोजित किया गया है। बैठक में शासन की प्राथमिकताओं, भावी कार्ययोजनाओं और सुशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी। बताया गया है कि शासन के कार्यों को और अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाने की दृष्टि से यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है।

57 मोबाइल मेडिकल यूनिट 18 जिलों के 2100 गांवों तक पहुंचाएंगी स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

दूरस्थ और घने वनांचल वाले आदिवासी क्षेत्रों में अब स्वास्थ्य सेवाएं लोगों के दरवाज़े तक पहुंचेंगी। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान "पीएम जनमन" के तहत बुधवार को नवा रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मोबाइल मेडिकल यूनिटों के संचालन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सरकार का मानना है कि दुर्गम अंचलों में रहने वाले समुदायों को अस्पताल तक पहुंचने में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए यह व्यवस्था स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे उनके गांवों व बसाहटों तक पहुंचाएगी। मोबाइल मेडिकल यूनिटों की तैनाती से प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी।

खास बात

■ मुख्यमंत्री ने वाहनों को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

25 तरह की जांच की सुविधा होगी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए अब इलाज और जांच की सुविधा गांव में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल को आदिवासी समुदायों की "सर्वांगीण भागीदारी और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस आधार" बताया। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट उनके लिए वरदान साबित होगा। 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्निशियन और स्थानीय वालंटियर उपस्थित होंगे।

मोदी के सपने को पूरा करेगा- जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, विशेष पिछड़ी जाति के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री प्रयासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट ऐसे सुदूर वनांचलों के लिए हैं जहां स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच कम है। 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट पूरे प्रदेश के लिए समर्पित कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूर्ण करेगा।

हर यूनिट 15 दिन में स्वास्थ्य शिविर करेंगी- कटारिया

स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर 2023 को विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की। इसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं को सीधे बसाहटों तक पहुंचाना है। आपातकालीन स्थिति में मरीज को इन यूनिट के माध्यम से निकट स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाना आसान होगा। हमारा उद्देश्य सिर्फ मशीनें ही नहीं, अपितु कुशल एवं संवेदनशील कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी है।

20 से पांच फरवरी तक ऑटो एक्सपो रोड टैक्स में मिलेगी 50 प्रतिशत छूट

राडा का राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त

रायपुर। राजधानी में रायपुर ऑटो डीलर्स एसोसिएशन (राडा) नौवें वर्ष ऑटो एक्सपो का आयोजन करने जा रहा है। ऑटो एक्सपो 20 जनवरी से पांच फरवरी तक चलेगा। ऑटो एक्सपो को लेकर राज्य सरकार ने वाहनों में रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की है। राज्य सरकार के निर्णय के प्रति राडा ने आभार व्यक्त किया है। राडा ने इस निर्णय को ऑटोमोबाइल उद्योग एवं आम उपभोक्ताओं के लिए ऐतिहासिक और अत्यंत लाभकारी बताया है।

राडा के अध्यक्ष रविंद्र भसीन ने सरकार के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा, हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप के हृदय से आभारी हैं। रविंद्र भसीन के अनुसार राडा ऑटो एक्सपो के दौरान रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की यह छूट न केवल ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई गति देगी, बल्कि आम नागरिकों के लिए वाहन खरीदना भी और अधिक सुगम बनाएगी। राडा के वरिष्ठ पदाधिकारी कैलाश खेमानी, विवेक अग्रवाल एवं मुकेश सिंघानिया ने कहा कि यह ऑटो एक्सपो राज्य में आर्थिक गतिविधियों को गति देगा। राडा के पूर्व अध्यक्ष अमर पारवानी, मनीष राज सिंघानिया, अनिल अग्रवाल, जयेश पिथालिया, शशांक शाह एवं विवेक गर्ग ने विश्वास जताया कि पिछले ऑटो एक्सपो में बने रिकॉर्ड जहां 29 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री हुई थी और 800 करोड़ से अधिक का जीएसटी राजस्व प्राप्त हुआ था, इस बार वाहन बिक्री में पिछले वर्ष के रिकार्ड टूटने की संभावना व्यक्त की है।

3 सूत्रीय मांग, मध्यान्ह भोजन रसोइया धरने पर, अल्प मानदेय से घर चलाना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइया तीन सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है, मौजूदा मानदेय से घर परिवार चलाने में बहुत दिक्कत आ रही है, इसलिए उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों के मध्यान्ह भोजन रसोइया आंदोलन करने जुटे हैं। उनकी प्रमुख मांग कलेक्टर दर पर मानदेय दिलाने, सरकार द्वारा घोषित 50 फीसदी मानदेय वृद्धि को तत्काल लागू करने और छात्र संख्या कम होने के नाम पर रसोइयों को हटाने की प्रक्रिया बंद करने की है।

छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोइया संयुक्त संघ के आव्हान पर मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइयों ने शासन के खिलाफ अपनी लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से प्रदर्शन करने पहुंचे रसोइया में महिला व पुरुष रसोइया शामिल हैं। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामराज कश्यप का कहना है, जब तक छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोइयों की मांग पूरी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोइया संयुक्त संघ के आव्हान पर प्रदर्शन

रोज 5 घंटे काम, 2 हजार मानदेय

वर्तमान में मध्यान्ह भोजन का कार्य कर रहे रसोइया को प्रातः 10 से लेकर दोपहर 3 बजे तक 5 घंटे कार्य करने के बाद 2 हजार रुपए मानदेय दिया जा रहा है। उनकी मांग है कि कलेक्टर दर पर मानदेय दिया जाए। वर्षों से काम करने के बाद भी उन्हें न्यूनतम मानदेय नहीं मिल रहा है, न ही उन्हें शासकीय नियमित कर्मचारी माना जाता है। अपनी लंबित मांगों को लेकर वे पहले भी शासन के पास गुहार लगा चुके हैं।

अमित जोगी सपत्नीक पहुंचे समर्थन देने

फोटो : अमित जोगी धरना स्थल

छत्तीसगढ़ मध्यान्ह भोजन रसोइया संयुक्त संघ के आव्हान पर किए जा रहे धरना प्रदर्शन में उनकी मांगों को समर्थन देने अमित जोगी बुधवार को सपत्नीक तूता स्थित धरना स्थल पहुंचे और रसोइयों के बीच बैठकर भोजन किया। इस दौरान उन्होंने रसोइयों की परेशानी को ध्यान से सुना और उनकी लंबित मांगों के बारे में भी जानकारी ली।

भारतमाला भू-अर्जन मुआवजा घोटाला ईडी ने जब्त किए 40 लाख रुपए कैश

ईडी ने रायपुर, महासमुंद में हरमीत सिंह खनूजा और उससे जुड़े लोगों के 10 ठिकानों पर छापा मारा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतमाला परियजोना में 43 करोड़ रुपए भू-अर्जन मुआवजा घोटाला में ईडी ने 40 लाख रुपए कैश जब्त किए हैं। इसके साथ ही घोटाला से जुड़े कई डिजिटल डिवाइस के साथ संदिग्ध दस्तावेज जब्त करने का ईडी ने दावा किया है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सोमवार को रायपुर, महासमुंद में हरमीत सिंह खनूजा, उसके रिश्तेदार सहित राजस्व विभाग के तत्कालीन एसडीओ निर्भय साहू सहित अन्य अधिकारी, कर्मियों के 10 ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की थी। ईडी ने डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध दस्तावेज तथा नकदी जांच के दौरान जब्त की है।

ईडी ने बयान जारी कर बताया है कि जमीन दलाल तथा भू माफियाओं ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर रायपुर-विशाखापत्तनम हाईवे प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण में सरकारी रिकॉर्ड में हेरफेर करके अवैध मुआवज़ा प्राप्त किया।

जांच में पता चला कि आरोपियों ने कुछ सरकारी कर्मचारियों के साथ आपराधिक साज़िश रचकर पिछली तारीख की एंट्री के जरिए परिवार के सदस्यों के बीच जानबूझकर जमीन के बड़े टुकड़ों को बांटकर भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत अधिग्रहित

जमीन के लिए धोखाधड़ी से ज्यादा मुआवजा प्राप्त किया। जमीन का यह कृत्रिम बंटवारा भूमि अधिग्रहण से पहले अलग-अलग लोगों के नाम से टुकड़ों में काटकर चढ़ाया गया था, जिससे मुआवजे के ढांचे का फायदा उठाकर ज्यादा मुआवज़े का दावा किया जा सके। राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर किया गया, ताकि यह दिखाया जा सके कि ये बंटवारे अधिग्रहण प्रक्रिया से पहले हुए थे, जिससे बढ़ी हुई अवैध मुआवज़े की राशि स्वीकृत और वितरित हुई।

घोटाले की आय से खरीदी संपत्ति की पहचान

ईडी के बयान के मुताबिक भारत माला परियोजना के लिए भू-अर्जन मुआवाजा के नाम पर घोटाला करने वाले लोगों ने घोटाले की काली कमाई की कई चल तथा अचल संपत्ति अर्जित की है। ईडी ने उन चल तथा अचल संपत्ति की पहचान करने का दावा किया है। घोटाले की रकम से जो चल-अचल संपत्ति अर्जित की गई है, ईडी के अफसर आने वाले दिनों में अस्थायी तौर पर कुर्क कर सकते हैं।

निगम कर्मचारियों ने सफेद शर्ट, काली पैंट में निकाली रैली, सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल में शामिल

रायपुर। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों ने गुरुवार को निगम मुख्यालय से बूढ़ापारा के धरना स्थल के समीप स्टेडियम तक सफेद शर्ट और काली पेंट ड्रेस कोड में रैली निकाली और एक दिन का सामूहिक अवकाश लेकर छत्तीसगढ़ राज्य अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन की हड़ताल में शामिल होकर उनकी 11 सूत्रीय मांगों का पूर्ण समर्थन किया। 29 और 30 दिसंबर को फेडरेशन की मांगों का समर्थन करते हुए दो दिन तक कार्यालय में काली पट्टी लगाकर कार्य किया। नगर निगम रायपुर अधिकारी कर्मचारी एकता संघ द्वारा दोपहर 12 बजे निगम मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रायपुर नगर निगम द्वारा बनाए 10 साल के लिए बनाए जा रहे सेटअप में निगम के सभी विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों को समान अवसर देकर विभागीय पदोन्नति का वांछित लाभ देने, जोन कमिश्नर के 75 फीसदी पद निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए रखने की मांग की। नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ के अध्यक्ष प्रमोद जाधव के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा को ज्ञापन सौंपा। श्री वर्मा ने फेडरेशन की 12 वीं मांग के रूप में इसे शामिल कर सभी नगरीय निकाय अधिकारियों एवं कर्मचाारियों को शासन की योजनाओं और आदेशों को शासकीय कर्मचारियों के समान संबंधित तिथि से लाभ दिलवाने राज्य के मुख्य सचिव से चर्चा कर समाधान कराने आश्वासन दिया।

2300 पदों पर नियुक्ति की मांग डीएड अभ्यर्थी आमरण अनशन पर

नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर ठिठुराने वाली ठंड में जुटे डीएड अभ्यर्थी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक भर्ती 2023 में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना से नाराज प्रदेशभर के डीएड अभ्यर्थी नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर आमरण अनशन पर बैठे हैं। ठिठुराने वाली ठंड के बावजूद प्रदेश के दूरदराज से आए डीएड अभ्यर्थी छठवें चरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर सभी पात्र डीएड अभ्यर्थियों को नियुक्त दिए जाने की मांग को लेकर अनशन पर हैं।

सहायक शिक्षकों के 2300 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थी परिवार के साथ 24 दिसंबर से अपने हक की आवाज बुलंद करने तूता स्थित धरना स्थल पर डटे हुए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि सहायक शिक्षक भर्ती के पांचवें चरण की काउंसिलिंग में 2600 पदों पर प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें केवल 1299 अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिली। बाकी के 1316 पद रिक्त रह गए। साथ ही 984 काउंसिलिंग नहीं हुए पद पर भर्ती होनी है, इस तरह कुल 2300 पद अभी भी रिक्त हैं। हाईकोर्ट ने दो माह के भीतर रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया है। बावजूद इसके सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने डीएड अभ्यर्थियों की मांगों को न्यायोचित बताते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, पर दो माह बाद भी ठोस पहल नहीं होने से आमरण अनशन पर बैठने का निर्णय लिया। अनशन कर रहे डीएड अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती अनशन जारी रहेगा।

धरना स्थल का डोम अनशनकारियों की शरण स्थली- छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से सहायक शिक्षक के रिक्त पदों पर भर्ती की मांग को लेकर जुटे डीएड अभ्यर्थियों के लिए तूता स्थित धरना स्थल का डोम शरण स्थली बना हुआ है, जहां वे सुबह से लेकर रात्रि विश्राम कर अपनी लंबित मांगों के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। वहीं महिला अभ्यर्थी तूता के धर्मशाला में छोटे बच्चों और परिवार जनों के साथ रह रही हैं। डीएड अभ्यर्थियों का कहना है कि सप्ताहभर से अनशन पर बैठे रहने के कारण कुछ अभ्यर्थियों की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बाद भी शासन प्रशासन का जिम्मेदार प्रतिनिधि मौके पर नहीं पहुंचा है।

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण

पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर 492002, छत्तीसगढ़
टेलीफोन नं. +91 771 2512000,
वेबसाइटः www.navaraipuratalnagar.com,
http://eproc.cgstate.gov.in

निविदा सूचना

RFP No: 9867/664/ सेवा प्रदाता/ नराअनविप्रा / 2022, नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 30/12/2025

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के द्वारा, ३पर्यावास भवन, नवा रायपुर अटल नगर स्थित नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के कार्यालय में संयुक्त निविदा द्वारा मानव संसाधन एवं सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने के लिए३ निविदा आमंत्रित किया जाता है।

आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 20/01/2026, समय 3.00 बजे शाम तक ई-प्रोक्योरमेंट आरएफपी दस्तावेज को सीधे पोर्टल (वेबसाईट) http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड किया जा सकेगा तथा निविदा प्रपत्र शुल्क आनलाईन जमा करने के पश्चात ही निविदा दस्तावेज आनलाईन पोर्टल (वेबसाईट) पर जमा की जा सकेगी।

संशोधन / परिवर्तन / शुद्धि पत्र, यदि कोई हो तो, वेबसाइट पर अपलोड किये जायेंगे एवं किसी भी न्यूजपेपर में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

महाप्रबंधक (प्रशासन)
एनआरएएनव्हीपी

सं. 46405

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar - 492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works:
NIT No: 86/CSG:Phase-I/EEC-I/CE/NRANVP/2025-26 Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur, Dated:29.12.2025
Name of Work: "Construction of Boundary wall and Residential Complex for Chhattisgarh State
Garage at Nava Raipur Atal Nagar Dist Raipur (C.G.)." (1st Call)
Estimated cost: INR 4.11 Crs., EMD: INR 4.11 Lakhs Period of Completion: 12 Month.
Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 19.01.2026

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Superintending Engineer
NRANVP

S- 46404

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 182424

निविदा सूचना क्र. 07/वलेलि/2025-26, दिनांक 29.12.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 19.01.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नामः मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखण्ड-खड़गवां की बरदर जलाशय योजना के नहर का जीर्णोद्धार कार्य।

अनुमानित लागत : रू. 290.68 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)

साइट अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 05.01.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट:1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।
3. निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. सहित निविदा भरा जाना है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़,
जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर, (छ.ग.)

जी 252605759/6

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, वि./ यां. भारी संयंत्र संभाग, सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

e-Procurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 20.01.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	निविदा सूचना क्र. एवं दिनांक	सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत रू. लाख में
1	05/व.ले.लि./2025-26 (प्रथम आमंत्रण) दिनांक 30.12.2025	182438	मुंगेली जिले के विकासखण्ड-पथरिया अंतर्गत मनियारी नदी पर निर्मित लाटा एनीकट से सिंचाई करने हेतु सौर ऊर्जा संचालित उद्वहन सिंचाई योजना निर्माण कार्य	रु. 343.20 लाख
2.	06/व.ले.लि./2025-26 (प्रथम आमंत्रण) दिनांक 30.12.2025	182439	मुंगेली जिले के विकासखण्ड-पथरिया अंतर्गत आगर नदी पर निर्मित पथरिया व्यपवर्तन से सिंचाई करने हेतु सौर ऊर्जा संचालित उद्वहन सिंचाई योजना निर्माण कार्य	रु. 332.75 लाख
3.	07/व.ले.लि./2025-26 (प्रथम आमंत्रण) दिनांक 30.12.2025	182440	मुंगेली जिले के विकासखण्ड-पथरिया अंतर्गत आगर नदी पर निर्मित खैरी एनीकट से सिंचाई करने हेतु सौर ऊर्जा संचालित उद्वहन सिंचाई योजना निर्माण कार्य	रु 342.00 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.01.2026, समय 17.31 बजे से देखें तथा डाऊनलोड किये जा सकते है।

नोटः 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्तः श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 (संशोधित 08.08.2025) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
वि./यां. भारी संयंत्र संभाग
सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

जी 252605761/1

बिलासपुर, गुरुवार 1 जनवरी 2026 | पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी | वर्ष : 25, अंक : 280 | पृष्ठ : 16+8 = 24 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गुलमर्ग में नए साल के लिए जुटे पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेते हुए

श्री काशी विश्वनाथ में नए साल के स्वागत में बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु

भारत से पहले 29 देशों ने मनाया जश्न

किरिबाती, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से शुरुआत

नए साल का आगाज दुनियाभर में जश्न

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत होते ही दुनियाभर में जश्न शुरू हो गया। देश के मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। कश्मीर से लेकर काशी तक नए साल का जश्न मनाने लोग उमड़ पड़े। धरती के सबसे पूर्वी छोर पर बसे द्वीप देश किरिबाती, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में रात के 12 बजते ही साल 2026 के आगाज का जश्न मनाया गया। किरिबाती में भारत से 8:30 घंटे, न्यूजीलैंड में 7:30 घंटे और ऑस्ट्रेलिया में 5:30 घंटे पहले नए साल ने दस्तक दी। अमेरिका में भारत से 9:30 घंटे बाद नया साल आया।

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹100046/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹122190/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹133382/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

aNaND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

पांच करोड़ नकद, आठ करोड़ के जेवर बरामद

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली के एक घर में तलाशी के दौरान 5.12 करोड़ रुपए नकद और 8.80 करोड़ रुपए के सोने तथा हीरे के आभूषणों से भरा एक सूटकेस बरामद किया। ईडी ने तलाशी के दौरान इसके अलावा 35 करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए। ईडी द्वारा दक्षिण दिल्ली के सर्वप्रिया विहार स्थित घर पर यह छापेमारी हरियाणा के फरार अपराधी इंदरजीत सिंह यादव से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में की गयी है। इंदरजीत सिंह यादव संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सक्रिय है।

कैबिनेट में कई अहम फैसले, ऑटो एक्सपो के लिए सरकार का बड़ा ऐलान, रोड टैक्स में मिलेगी छूट

रायपुर की पुलिसिंग में बड़ा बदलाव, पुलिस कमिश्नरी पर लगी मुहर, 23 जनवरी से होगी लागू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने नए साल के पहले प्रशासनिक और आर्थिक मोर्चे पर कई बदलावों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कैबिनेट ने राजधानी रायपुर की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए 23 जनवरी से रायपुर महानगरीय पुलिस जिला में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। साथ ही पुलिस मुख्यालय में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का एक नया पद भी सृजित किया गया है।नई पुलिस कमिश्नरी प्रणाली में आईजी स्तर के अधिकारी कमिश्नर पदस्थ होंगे। एडिशनल कमिश्नर के पद पर डीआईजी स्तर के अधिकारी पदस्थ होंगे। ज्वाइंट कमिश्नर के पद पर आईपीएस अधिकारी पदस्थ किए जाएंगे। कुल मिलाकर कमिश्नर से लेकर इंस्पेक्टर तक कुल 62 अधिकारी-कर्मचारियों की पोस्टिंग होगी। बताया गया है कि पुलिस को प्रशासनिक के साथ-साथ मजिस्ट्रियल अधिकार भी रहेंगे। आयुक्त प्रणाली लागू होने से कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

खास खबर

ऋण अदायगी से कम होगा वित्तीय बोझ

राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा लिए गए ऋणों को पूरी तरह चुकता करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। पांच राष्ट्रीय निगमों का कर्ज चुकाने से राज्य शासन को प्रतिवर्ष होने वाले 2.40 करोड़ रुपये के ब्याज खर्च से मुक्ति मिलेगी और शासन की 229.91 करोड़ रुपये की गारंटी देनदारी भी समाप्त हो जाएगी।

तेंदूपत्ता खरीदी के लिए ऋण लेने राज्य शासन देगी गारंटी

कैबिनेट ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के हित में वर्ष 2026 के लिए 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी के लिए ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त कोदो, कुटकी और रागी के प्रसंस्करण और बिक्री के लिए लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी देने का निर्णय लिया गया है। अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए लघु वनोपज संघ को 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

उद्योग-निवेश को बढ़ावा ऑटो एक्सपो में भारी छूट

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित होने वाले 9वें ऑटो एक्सपो के लिए सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफ टाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह राहत पूरे प्रदेश के वाहन विक्रेताओं और खरीदारों के लिए उपलब्ध होगी। इसके अलावा औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में भी संशोधन किए गए हैं, ताकि निवेश और रोजगार सृजन को और अधिक गति दी जा सके।

राइस मिलरों के लिए प्रोत्साहन और राहत

धान मिलिंग को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि को 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। साथ ही प्रोत्साहन राशि की पात्रता के लिए न्यूनतम मिलिंग अवधि को 3 माह से घटाकर 2 माह कर दिया गया है। कस्टम मिलिंग के लिए बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर मात्र 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिससे मिलरों को बड़ी राहत मिलेगी।

भागवत बोले- पंच परिवर्तन से ही उन्नति की ओर बढ़ेगा राष्ट्र

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में सोनपैरी में हुआ विशाल हिन्दू समागम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अभनपुर के सोनपैरी स्थित असंग देव कबीर आश्रम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विभिन्न मंडल के संयुक्त प्रयास से बुधवार को विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में किए गए विशाल हिन्दू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संत असंग देव एवं विशिष्ट ▶▶|शेष पेज 4 पर

डॉ. भागवत ने श्रोताओं को दिए पांच मूल मंत्र

उन्होंने पांच बातें व्यवहार में लाने की बात श्रोताओं से कही। पहला भेद को खत्म करते हुए समाज के हर वर्ग में उठना, बैठना, सुख दुःख में सहभागिता बढ़ानी होगी। सबको मैं अपना मित्र बनाऊंगा, यही सामाजिक समरसता है। पानी का साधन जो भी हो, वह सबके लिए हो। दूसरा, अपने घर ▶▶|शेष पेज 4 पर

जब डगमगाए पैर तो मातृत्व को दिया सहारा

हिन्दू सम्मेलन में जैसे ही मंच पर मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को आमंत्रित किया गया, तो उस समय मातृत्व स्नेह एवं मातृशक्ति के प्रति आदर का सुंदर दृश्य भी देखने को मिला। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने गायत्री ▶▶|शेष पेज 4 पर

खड़े ट्रेलर में लगी आग जिंदा जल गया मासूम

रतनपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत सांधीपारा वार्ड क्रमांक 7 में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। खड़ी ट्रेलर में अचानक आग लगने से साढ़े तीन वर्ष के मासूम बच्चे की जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सांधीपारा निवासी संजय यादव पेशे से ट्रक चालक है। वह ट्रेलर से माल खाली करने के बाद सुबह करीब 10 बजे गाड़ी को वार्ड में खड़ा कर खाना खाने घर चला गया। उसी समय उसका एक दोस्त भी अपनी गाड़ी खड़ी कर घर चला गया था। बताया जाता है कि संजय यादव का पुत्र खेलते-खेलते उसके दोस्त की ट्रेलर में चढ़ गया। दोपहर करीब 2 बजे अचानक ▶▶|शेष पेज 4 पर

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

तंजानिया के लोग...काले शरीर, सुनहरे दिल

मानव जाति के इतिहास में एक कलंकित अध्याय दास प्रथा का भी है। विशेषकर अफ्रीकी देशों के नागरिकों के साथ जो कुछ अरब और यूरोपियन व्यापारियों ने अतीत में किया है, उसकी कहानियां पढ़कर तो रोंगटे ही खड़े हो जाते हैं। इस महाद्वीप के तमाम देशों से पंद्रहवी शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी के बीच तकरीबन तीन करोड़ महिलाओं और पुरुषों को उनकी इच्छा के विपरीत गुलाम बनाकर अन्यत्र स्थानों पर ले जाया गया था। बचपन में जब कभी इतिहास की किताबों में दास व्यपार और गुलाम प्रथा के अध्याय पड़ता था तो यह अचरज होता था कि अफ्रीका के लोग शारीरिक रूप से इतने मजबूत या हट्टे-कट्टे होकर भी गुलामी का जीवन जीने कैसे तैयार हो जाते थे। इस जिज्ञासा का समाधान इस तंजानिया प्रवास के दौरान हो गया है।

हरिभूमि खास

दरअसल अफ्रीका के इन काजल से भी अधिक काले और इस्पात की तरह मजबूत मांसपेशियों के शरीर के अंदर मासूम मन और सुनहरा दिल निवास करता है। अ ब्लैक मैन विद गोल्डन आर्ट की कहावत शायद इन लोगों को देखकर ही गढ़ी गई थी।

अभी तक जितना समय तंजानिया में बिताया है, उसमें यहां के लोगों की सरलता, विनम्रता, गंभीरता देखकर अचंभित हूं। व्यक्ति के संबंध में राय उसकी त्वचा का रंग देखकर नहीं, व्यवहार देखकर बनाना चाहिए। बुजुर्गों की यह समझाइश अब जाकर समझ आई है। हम भारतीयों का गोरी त्वचा को लेकर अलग ही आकर्षण रहता आया है श्याम अर्थात काले रंग के प्रति आकर्षण केवल कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों तक ही सीमित रहा है। गोरों की रिहाईश मुख्यतौर ▶▶|शेष पेज 4 पर

तंजानिया से रायपुर का रिश्ता

तंजानिया के साथ रायपुर का भी भावनात्मक रिश्ता है। नया रायपुर में छोटे बच्चों की हृदय संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए स्थापित सत्य सांई हृदय संस्थान इस रिश्ते की वजह है। अभी तक तंजानिया से सात बच्चे उपचार के लिए यहां आ चुके हैं और प्रसन्नता की बात यह है कि उनमें से छह बच्चे निशुल्क इलाज सुविधा का लाभ उठ कर पूरी तरह से ठीक भी हो चुके हैं।

नववर्ष आपको मंगलमय हो।

सफरनामा | अंतिम

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

चिंतन

2026 में भी सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

समरसता
अरविंद जयतिलक

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2025 में हर मोर्चे पर सफलता हासिल की और सबसे तेज गति से आगे बढ़ती रही। हाल ही में जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब भारत से आगे सिर्फ जर्मनी, चीन और अमेरिका ही हैं। वहीं, दुनिया की बड़ी आर्थिक संस्थाओं ने भारत की जीडीपी की चमकीली तस्वीर दिखाई है। अगर इसी गति से भारत आगे बढ़ता रहा तो अगले ढाई से तीन साल में जर्मनी को पछाड़ देगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। बता दें कि साल 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2% रही है। यह दिखाता है कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। भारत ने महंगाई पर काबू पाया। वहीं, बेरोजगारी दर भी कम हुई। जीएसटी में छूट देने से लोगों के पास पैसा आया और भारतीय अर्थव्यवस्था ने नया मुकाम हासिल किया। तमाम रेटिंग एजेंसियों का मानना है कि 2026 में भी भारत जी-20 देशों में सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा। नवंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 0.71% पर आ गई। वहीं, नवंबर में बेरोजगारी दर कम होकर 4.7% रह गई है, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। देश में ग्रोथ रेट ऊंची है और महंगाई बेहद कम, इसे 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' कहा जाता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की रफ्तार से बढ़ेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, कर कटौती और ब्याज दरों में कमी से प्रेरित होगी। मूडीज ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक अनुमान लगाया है। एजेंसी का अनुमान है कि 2026 में 6.5% की वृद्धि दर रहेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, निर्यात बाजारों में विविधीकरण और अनुकूल मौद्रिक नीति रुख से समर्थित होगी। मूडजी का अनुमान है कि भारत जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। फिच ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7.4% ग्रोथ का अनुमान जताया है। एडीबी ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 7.2% कर दिया है, जो मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और बढ़ते निवेश के कारण है। वहीं, विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी बढ़ोतरी 2026 में 6.5 फीसदी हो सकती है। बता दें कि भारत की जीडीपी का कुल वैल्यूएशन अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब 350 लाख करोड़) हो गया है। जापान को पीछे छोड़ने के बाद अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा और साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर (655 लाख करोड़) की इकोनॉमी के साथ दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रोथ ट्रेंड को देखते हुए पूरे साल के लिए इसका अनुमान 6.8% से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियां होने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकास करने को तैयार है। वहीं सरकार का कहना है कि भारत 2047 तक उच्च मध्यम-आय वाला देश बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। महंगाई अभी नियंत्रण में है और तय सीमा से नीचे है। बेरोजगारी धीरे-धीरे कम हो रही है और देश के निर्यात में लगातार सुधार हो रहा है।

नववर्ष पर मानवता का संकल्प लें

यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी हैं और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आइए, हम इस नए वर्ष में भारत देश व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

नए वर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ आइए हम नववर्ष पर नव संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ऊर्जा और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभकामनाएं प्रस्फुटित हों, ऐसी कामना करेंगे। यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है।

वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे धकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म समभाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है। आइए, हम समवेत प्रयास के जरिए आशान्वित हों कि यह नया साल भी उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को एक नया संकल्प, नई ऊंचाई और नया विचार देगा। कामना करें कि यह नया साल इन्हीं संकल्पों को पूरित करने का एक सात्विक क्षण बनें। इसी क्षण के संकल्पों के जरिए ही भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैर बराबरी और धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव को मिटाया जा सकता है। इसी क्षण में भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों को सहेजा जा सकता है। इसी क्षण में लोककल्याण के मार्ग के विघ्न-बाधाओं को दूर किया जा सकता है। बस संकल्पों को साधने और मूर्त रूप देने की जरूरत है। यह कार्य हम छोटे-छोटे प्रयासों के जरिए कर सकते हैं। बस अपने आसपास सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की जरूरत है। हमारे आसपास अभावग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। हम चाहें तो इन्हें मदद पहुंचाकर और जागरूकता के जरिए नए साल का उपहार दे सकते हैं। इस समय भीषण ठंड है। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके पास गरम कपड़े नहीं हैं। वे ठंड से ठिठुर रहे हैं। गौर करें तो हर वर्ष ठंड और भूख से हजारों लोग मरते हैं। हम इन्हें कपड़े और भोजन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा और सेवा का व्रत ले सकते हैं। सेवा परमोधर्म है। इसी सेवा भाव से हम स्कूल जाने वाले गरीब बच्चों की मदद कर सकते हैं। उन्हें स्वेटर, गर्म कपड़े और जूते-मोजे और पाठ्य-पुस्तकें देकर उनकी चुनौतियों को कम कर सकते हैं। कई छोटे-बड़े स्वयंसेवी संगठन इस पुनीत कार्य में जुटे हैं। अगर यहीं कार्य हर संपन्न व्यक्ति के स्तर से हो तो समाज के अभावग्रस्त लोगों की जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा हो तो समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। यह सकारात्मक संदेश रूपी ऊर्जा ही किसी राष्ट्र को दुनिया के अग्रिम देशों की कतार में खड़ा करती है। उसके सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है। अंतिम हाशिए पर खड़े-पड़े अभावग्रस्त लोगों के होठों पर मुस्कान व मिठास बिखेरती है। अच्छी बात है कि केंद्र व राज्य सरकारें गरीबों और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं। बढ़ती आबादी की चुनौतियों को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए जन-जन की भागीदारी और सहभागिता बेहद आवश्यक है। हम हर वर्ष

लाखों टन भोजन बर्बाद बर्बाद कर देते हैं। घर में बचे भोजन को इधर-उधर फेंक देते हैं। अगर हम इसी भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचा दें तो उनका भला हो सकता है। वैसे भी भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-विचार मिलजुलकर रहने और मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा देती हैं। हमें उन आजमाए मूल्यों पर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे आसपास हजारों ऐसे लोग हैं जो बीमार और अस्वस्थ हैं। उनके पास धन का अभाव और जागरूकता की कमी है। हम चाहें तो उन्हें आसानी से सहयोग कर अस्पताल पहुंचा सकते हैं।

विचार करें तो इस कार्य में देश के लाखों चिकित्सक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले गरीब लोगों का निःशुल्क इलाज व दवा प्रदान कर उनकी सेवा कर सकते हैं। चिकित्सकों को दूजा भगवान की संज्ञा दी गई है। लिहाजा उन्हें भगवान जैसा आदर्श विचार का संकल्प लेना चाहिए। इसी तरह देश के वकील, नौकरशाह, सरकारी कर्मचारी और उद्योगपति भी देश को संवारने में अपना सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। देश प्रदूषण की समस्या से कराह रहा है। हर वर्ष लाखों लोग प्रदूषण से जान गंवा रहे हैं। उनकी उम्र कम हो रही है। इस प्रदूषण के लिए कहीं न कहीं हम खुद जिम्मेदार हैं। आइए हमलोग संकल्प लें कि इस वर्ष प्रदूषण न कर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। प्रदूषण की तरह गंदगी भी एक भीषण समस्या है। गंदगी के कारण विभिन्न किस्म के रोग उत्पन्न होते हैं। इन रोगों से निपटने के लिए सरकार हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये खर्च करती हैं। गंदगी मिटाने के लिए देश में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमलोग नए साल में समूहबद्ध होकर अपने आसपास की गंदगी को साफ करने और वातावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प ले सकते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो बीमारियो पर खर्च होने वाली राशि को शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मदों में खर्च किया जा सकता है। देश में नशाखोरी भी एक भयावह समस्या है। बिडंबना है कि युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति कम होने के बजाए बढ़ रही है। विगत दशकों में हर छोटे-बड़े समारोहों में शराब सेवन का प्रचलन बढ़ा है। इससे युवाओं का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। साथ ही घर-परिवार का माहौल भी दूषित हो रहा है। शराब सेवन के कारण समाज में अपराध और बलात्कार जैसी बुराइयां बढ़ रही हैं। युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति बढ़ी हैं। कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। इस वर्ष युवाओं को संकल्प लेना होगा कि वह शराबखोरी और धूम्रपान का परित्याग करेंगे। गांधी जी ने नशामुक्त भारत का सपना देखा था। उस सपने को देश के युवाओं को पूरा करना चाहिए। भारत एक विविधतापूर्ण बहुधर्मी व संस्कृति संपन्न देश है। जब देश में धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव होते हैं तो देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचती है। हिंसा से हजारों लोगों की जान जाती है। हजारों करोड़ की संपत्ति का सर्वनाश होता है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह कि इन हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने के लिए युवाओं का इस्तेमाल होता है। अभी गत वर्ष ही देश में कुछ नीतिगत मसलों पर व्यापक स्तर पर हिंसा और उपद्रव देखने को मिला। इस उपद्रव में बड़े पैमाने पर युवा चेहरे शामिल देखे गए। यह ठीक नहीं है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी है और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए। सच तो यह है कि युवा वर्ग ही देश में बदलाव का सबसे बड़ा संवाहक है। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आइए, हम इस नए वर्ष में भारत देश व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंथन
ममता कुशवाहा

नववर्ष : शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्माण का समय

अंग्रेजी कैलेंडर में 1 जनवरी के साथ ही नए साल की शुरुआत हो जाती है। यह पश्चिमी उत्सव अन्य लोगों के साथ-साथ विद्यार्थियों के जीवन में भी कुछ नया संकल्प देने का काम करता है। विद्यार्थियों के लिए नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यही वह समय होता है जब उनके सपने आकार लेने लगते हैं और भविष्य की दिशा तय होने लगती है। बीता हुआ वर्ष अपने साथ अनुभवों की एक गठरी छोड़कर विदा होता है, कुछ अनुभव सफलता के होते हैं, जो आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं, तो कुछ असफलताओं के होते हैं, जो जीवन की महत्वपूर्ण सीख बन जाते हैं। ऐसे में नववर्ष विद्यार्थियों के लिए आत्मचिंतन, संकल्प और आत्मविकास की राह पर आगे बढ़ने का संदेश लेकर आता है। यदि नववर्ष की शुरुआत शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के समन्वय से की जाए, तो यह केवल एक नया साल नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त नींव बन सकता है। नववर्ष का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मचिंतन है। आज के समय में विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूरा करने, परीक्षाओं की तैयारी और अंकों की होड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे स्वयं से संवाद करना ही भूल जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे कुछ क्षण ठहरकर अपने बीते वर्ष पर शांत मन से विचार करें। उन्होंने पूरे वर्ष में क्या सीखा, कहाँ वे सफल रहे, कहाँ उनसे चूक हुई, किन विषयों में उनकी रुचि बढ़ी और किन क्षेत्रों में उन्हें और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है, इन सभी प्रश्नों पर विचार करना आत्मविकास की दिशा में पहला कदम है। आत्मचिंतन से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं, जिससे उनका आगे का सफर अधिक स्पष्ट और सार्थक बनता है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है। विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना लक्ष्य के जीवन दिशाहीन हो जाता है। नववर्ष को लक्ष्य निर्धारण का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत का प्रतीक है। इस समय यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य स्पष्ट और यथार्थवादी ढंग से तय करें, तो वे भटकाव से बच सकते हैं। लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाने या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। इनमें ज्ञान अर्जन, कौशल विकास, अच्छे चरित्र का निर्माण और स्वस्थ जीवनशैली भी शामिल होनी चाहिए। नववर्ष यह सिखाता है कि लक्ष्य जितने स्पष्ट होंगे, प्रयास उतने ही केंद्रित होंगे और परिणाम उतने ही संतोषजनक प्राप्त होंगे। आज का युग केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि कौशल विकसित करने का है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि बदलती दुनिया में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा, जो नए कौशल सीखने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। संचार कौशल, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मक सोच, टीम वर्क और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल आज के समय में अत्यंत आवश्यक हो चुके हैं। नववर्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार नए-नए कौशल सीखें, ताकि वे केवल परीक्षा में ही नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों में भी सफल हो सकें। विद्यार्थियों के जीवन में समय सबसे बहुमूल्य संसाधन होता है, किंतु वे अक्सर इसका महत्व नहीं समझ पाते और समय व्यर्थ कर देते हैं। नववर्ष समय प्रबंधन की अच्छी आदतें विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर है। जब विद्यार्थी अपनी दिनचर्या की सही योजना बनाते हैं और पढ़ाई, विश्राम तथा मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, तब वे मानसिक तनाव से बचे रहते हैं। समय का सही उपयोग न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। नववर्ष यह संकल्प लेने का समय है कि समय को अपना मित्र बनाया जाए, न कि शत्रु। शिक्षा और कौशल के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

नववर्ष केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है- स्वयं को बेहतर बनाने का, शिक्षा को जीवन से जोड़ने का और कौशल के माध्यम से भविष्य को सशक्त बनाने का।नववर्ष यह याद दिलाता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से शुरू होता है। जब विद्यार्थी शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के साथ नववर्ष का स्वागत करते हैं, तब यह केवल एक तारीख नहीं रह जाता, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त शुरुआत बन जाता है।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं

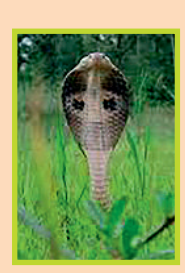

संकलित
दर्शन

सामान्यतया सर्प अपनी भयंकरता के लिए जाने जाते हैं। पर दो बड़े देवता उन्हें अंगीकार किए हुए हैं। एक तो संसार के पालक विष्णु जी, जो उन्हें अपनी शय्या बनाए हुए हैं और दूसरे देवों के देव भगवान शंकर, जो उन्हें हारतुल्य कंठ में डाले हुए हैं। फिर वे पूज्य क्यों न माने जाएं? सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। कृषि के शत्रु और मानवता के क्षतिकारक चूहों व कीट आदि का भक्षण करते रहते हैं और विष को आत्मसात करते हैं। दंश वे तभी देते हैं, जब दब-कुचल जाएं या उन्हें ऐसा कोई भ्रम हो जाए। वे अनेक औषधियों के निर्माण में भी सहायक होते हैं। सर्पों की अनेक प्रजातियां विषहीन भी होती हैं। शास्त्रों के अनुसार, वे शेषनाग के रूप में पृथ्वी को धारण करते हैं और वासुकि के रूप में कष्ट उठाकर समुद्र मंथन में रज्जु का काम करते हैं। रावण जैसे राक्षसों के संहार में शेषावतार लक्ष्मण रूप से श्रीराम की सहायता करते हैं। वराह पुराण के अध्याय 24 में एक कथा आई है। सर्पगण कश्यप ऋषि व उनकी पत्नी कद्रू की संतान हैं। उनसे अनंत, वासुकि, कंबल, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख, कुलिक, पापराजिल आदि सर्प हुए। ये गरुड़ के सौतेले भाई हैं, जो ऋषि की अन्य पत्नी विनता से जन्मे। जब ये मानवता को कष्ट देने लगे, तो ब्रह्मा जी ने वासुकि आदि को बुलवा कर डांटा और अभिशप्त किया। सर्पों द्वारा अनुनय-विनय करने पर उन्हें रहने के स्थान सीमित किए और काटने की भी सीमा रेखाएं खींची। यह सारा वृत्तांत पंचमी तिथि को हुआ। मान्यता है कि इस दिन उनकी पूजा-अर्चना से मानव को सर्प भय से मुक्ति मिल जाती है।

अहंकारी व्यक्ति ही समस्याओं का कारण

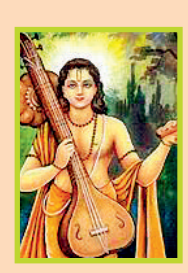

संकलित
प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

सर्दियों की एक सुबह

प्रयागराज में बुधवार 2025 को सर्दियों की एक सुबह घने कोहरे के बीच ग्राहकों को फूलों की माला दिखाता एक विक्रेता।

आज की पाती

प्रधानमंत्री की दवाओं को लेकर नेक सलाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार के रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' में विभिन्न मुद्दों पर बात की, लेकिन उन्होंने हमें दवाइयों के प्रयोग को लेकर जो सलाह दी वो बहुत ही अच्छी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं करना चाहिए। हमें इस पर जरूर अमल गंभीरता से करना चाहिए, ताकि दवाइयों का प्रयोग हमें स्वस्थ करे, न कि और बीमार करे। एंटीबायोटिक का अत्यधिक इस्तेमाल जिंदगी को खतरा भी है। दुनिया के दूसरे देशों में देशी इलाज के साधन नहीं है, इसलिए वहां तो एंटीबायोटिक का अत्यधिक और अनावश्यक प्रयोग होना स्वाभाविक है, लेकिन अफसोस यह है कि भारत में भी कई बार डाक्टरों की सलाह नहीं ली जाती है।

– साकेत वर्मा, रायगढ़

ट्रेंड

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

अयोध्या की पावन धरा पर रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। इस पावन अवसर पर सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु श्री राम के चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन और वंदन! समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्र सेवा में अग्रसर

जिसने राम, रामराज्य और अयोध्या–अवध के विकास का साथ दिया, वे आज प्रभु की कृपा से राष्ट्र सेवा में अग्रसर हैं। जिन्होंने संतों, वैरागियों और नागा साधुओं पर गोलियाँ चलवाईं तथा त्याग और तपस्या को कुचलने का पाप किया, उनकी स्थिति भी आज पूरी दुनिया देख रही है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

वंदे भारत स्लीपर

रेल सुरक्षा आयुक्त ने वंदे भारत स्लीपर का परीक्षण किया। यह कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। हमारे स्वयं के जल परीक्षण ने इस ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

- अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल मंत्री

प्रेरणा स्थल का खाना

भाजपा सरकार इसका जवाब दे कि प्रेरणा स्थल पर जो खाना बाँटा गया था वो इतना खराब क्यों था कि सुबह से भूखे लोगों ने बिना खाए ही फेंक दिया, बाद में जिसे खाकर 150 भेड़ों की मौत हो गयी। ये एक संगीन मामला है। इसकी जाँच हो।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

पाक 2026 में पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश होगा

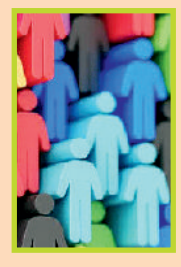

पाकिस्तान 2026 में दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जिसकी आबादी 22.5 करोड़ से अधिक होगी। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने जनसंख्या प्रबंधन के लिए एक रणनीतिक, अधिकार-आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने उच्च जनसंख्या वृद्धि और प्रजनन दर, सतत लैंगिक असमानता और बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ये वास्तविकताएं जनसंख्या को बोझ के रूप में नहीं बल्कि सतत और समावेशी विकास के एक रणनीतिक चालक के रूप में देखने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। यूएनएफपीए ने उच्च जनसंख्या वृद्धि और प्रजनन दर, लगातार जारी लैंगिक असमानता और बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया। उसने कहा कि ये वास्तविकताएं इस बात को रेखांकित करती हैं कि जनसंख्या को बोझ के रूप में नहीं बल्कि सतत और समावेशी विकास के लिए अहम मानना चाहिए। यूएनएफपीए ने 2026 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय योजना और वित्तीय प्रावधानों, विशेष रूप से राष्ट्रीय वित्त आयोग फॉर्मूला में जनसंख्या को प्रतिबिंबित करने के तरीके में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

ऑफ बीट

बीयर का कानून पर असर और कानून का बीयर पर

कानून बीयर को प्रभावित करता है और बीयर कानून को। दोनों के बीच का संबंध जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक गहरा है। हाल ही में प्रकाशित

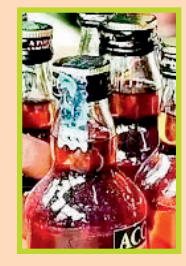

पुस्तक 'बीयर लॉ' में इस आपसी रिश्ते को रेखांकित किया गया है। गर्मियों की छुट्टियों में ठंडी बीयर का आनंद लेते समय, इन पहलुओं पर भी गौर किया जा सकता है। आम तौर पर माना जाता है कि मानव समाज शिकारी-संग्रहकर्ता जीवन से खेती और स्थायी बसावट की ओर इसलिए बढ़ा ताकि अनाज से रोटी और दलिया बनाया जा सके। लेकिन आधुनिक विज्ञान संकेत देता है कि शुरुआती दौर में फसलें भरोसेमंद खाद्य स्रोत नहीं थीं। माना जा रहा है कि शराब, विशेषकर बीयर के एक प्रारूप के उत्पादन के लिए ही हमारे पूर्वज किसान बने। ऐसे में कहा जा सकता है कि मानव सभ्यता के विकास में बीयर ने अहम भूमिका निभाई। कभी बेहद सख्त थे बीयर से जुड़े कानून कम से कम 13,000 वर्षों से बीयर बनाई जा रही है और बीयर कानून भी उतना ही पुराना विषय है। लगभग 4,000 वर्ष पहले, 1755–1751 ईसा पूर्व के बेबीलोनियन हम्मूराबी संहिता में बीयर परोसने के नियम थे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई बीयर विक्रेता उसमें पानी मिलाता पाया जाता, तो उसे डुबोकर मारने का प्रावधान था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर अयोध्या में भव्य आयोजन

राजनाथ-योगी ने उतारी रामलला की आरती

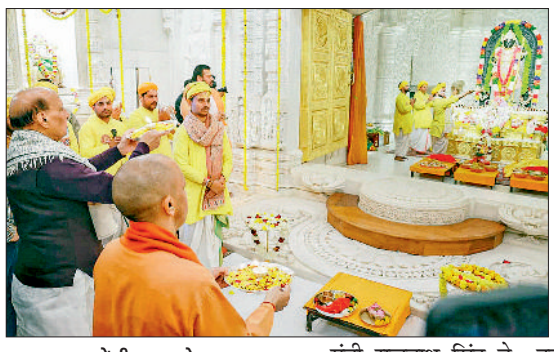

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी बुधवार को मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर संकट मोचन हनुमान के दर्शन-पूजन किए। हनुमानगढ़ी से निकलने के बाद रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां प्रभु श्रीरामलला मंदिर व राम दरबार में हाजिरी लगाई, विधिवत आरती उतारी तथा मंदिर की परिक्रमा की। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने श्रीराम की जयघोष व मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन कर मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा का आरोहण किया।

भारत ने किया भगवान राम की मर्यादा का पालन

राजनाथ ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने भगवान राम की मर्यादा का पालन किया। जैसे राम का लक्ष्य रावण का संहार नहीं, बल्कि अधर्म का अंत था। हमारा भी वही लक्ष्य था कि हम आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखा कर आएंगे। हमने बस वही किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा- 'हमारी तीन पीढ़ियों की साधना और संघर्ष, पूज्य साधु-संत गण के आशीर्वाद और 140 करोड़ देशवासियों के विश्वास की परिणति है कि आज हम इस पावन पल के साक्षी बन रहे हैं।

पाक के गिड़गिड़ाने पर हुआ संघर्ष विराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अब तक अमेरिका ही दुनिया का एकमात्र ऐसा देश था। जिसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दर्जनों से भी अधिक बार मई-2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराने का श्रेय ले चुके हैं।

लेकिन अब इस मामले में चौंकाने वाली एक और बात सामने आई है, जिसमें अमेरिका के साथ संघर्षविराम का श्रेय लेने की इस दौड़ में चीन भी शामिल हो गया है। बीते मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में 'अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति और चीन के विदेश संबंधों' के विषय पर आयोजित की गई एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मई-2025 में भारत-पाकिस्तान के हुए सैन्य तनाव को खत्म करने के लिए चीन ने मध्यस्थता की थी। मामले में वह शांतिदूत बनकर उभरा है। वांग यी के इस बयान के सामने आते ही भारत ने बिना वक्त गंवाए चीन को कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

जनाजे में शामिल होने 10 लाख लोग जुटे

जिया सुपुर्द-ए-खाक, अंतिम विदाई में पहुंचे जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनकी अंतिम विदाई में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल हुए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ढाका में खालिदा जिया के बेटे को पीएम मोदी की तरफ से शोक पत्र सौंपा।

जिया को संसद परिसर स्थित जिया उद्यान में उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास दफनाया गया। उनके जनाजे में शामिल होने के लिए देशभर से 10 लाख लोग जुटे। खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 80 साल की उम्र में निधन हुआ। वह पिछले करीब 20 दिनों से अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं।

उनके निधन पर बांग्लादेश सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। इस दौरान पूरे देश में सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी सरकारी कार्यक्रम स्थगित रहेंगे।

पाक संसद स्पीकर ने जयशंकर से मिलाया हाथ

बुधवार को ढाका में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (एनए) के स्पीकर सरदार अयाज सादिक और विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात हुई। दोनों नेताओं के बीच एक छोटी अनौपचारिक मुलाकात की जानकारी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान वहां दक्षिण एशिया के कई देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे, और जयशंकर सभी मिल रहे थे। भारत और पाकिस्तान के नेताओं की यह मुलाकात ऐसे वक्त में हुई है जब इसी साल मई में हुए चार दिन के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच तनाव रहा।

UNIVERSITY BUSINESS SCHOOL
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
ADMISSION NOTICE (2026-2027)

Applications are invited for Admission to Two Year Full Time Management Programmes MBA, MBA (IB), MBA (HR), MBA (EP) and MBA(Business Data Analytics) for Academic Session 2026-27).

Candidates are required to visit the website https://ubsadmissions.puchd.ac.in for detailed instructions. The said website would remain open for online registration through online payment from 26.11.2025 to 28.01.2026. Hard copy of the application form along with necessary documents should reach the undersigned latest by 04:00 p.m. on 10.02.2026. Application received after due date shall not be entertained.

Note: Our Institution uses the CAT scores for short-listing/selecting the candidates for our Post-graduate Programme(s) in Management/ MBA. IIMs have no role either in the selection process or in the conduct of the programme.

Professor Parmjit Kaur, Chairperson

टी बोर्ड भारत
TEA BOARD INDIA
www.teaboard.gov.in
INDIA TEA
World's Gold Standard
भारतीय चाय का अनोखा बंधन
India tea Bonds
देश की रोज़ाना की सेहत भरी चुस्की।
आइए इसके अनोखे स्वाद का अनुभव करें ... और आनंद लें

DARJEELING INDIA TEA · ASSAM INDIA TEA · ASSAM ORTHODOX INDIA TEA · NILGIRI INDIA TEA · NILGIRI ORTHODOX INDIA TEA · KANGRA TEA INDIA TEA · DOOARS - TERAI INDIA TEA · SIKKIM TEA ORGANIC INDIA TEA · TRIPURA TEA INDIA TEA · BIHAR TEA INDIA TEA

© Copyright, Tea Board India, 2025

KP GROUP Quality Since 1965

नववर्ष
की हार्दिक शुभकामनाएँ

For calorie conscious people the product shown here contains artificial sweeteners like Sodium Saccharin (INS 954) Sucralose (INS 955) and Neotame (INS 961). Not recommended for kids.

प्रथम पृष्ठ का शेष

भागवत बोले- पंच...

अतिथि गायत्री परिवार की समाजसेवी उर्मिला नेताम की उपस्थिति ने मंच को गरिमामय बनाया। वहीं श्रोताओं में हर वर्ग की सहभागिता ने हिन्दू सम्मेलन को भव्य स्वरूप दिया। मुख्य वक्ता डॉ. भागवत ने पंच परिवर्तन से स्वयं की उन्नति के साथ राष्ट्र को आगे बढ़ाने का आह्वान लोगों से किया। सोनपैरी में सीएम विष्णु देव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव और शासन-प्रशासन के लोग शामिल हुए। इनके बीच सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने हिन्दू सम्मेलन में कहा कि संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हिन्दू सम्मेलन किए जा रहे हैं। संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज सेवा को गति देने का समय है। एक प्रसंग का जिक्र करते हुए कहा, एक खरगोश सोया था, अचानक पत्ता गिरा तो डर गया। उसने भगवान से मांगा, भगवान मुझे छोटा क्यों बनाया, हाथी जैसा बना देते। भगवान ने भी उसे तथास्तु कह दिया। वह तालाब में नहाने गया, तो वहां मेढकों ने कहा, वहां मगरमच्छ है मत जाओ। खरगोश ने कहा हे भगवान मगरमच्छ जैसी मोटी खाल दे देते, भगवान ने कहा तथास्तु, अगले दिन वन में वह कहीं जा रहा था, तो जानवरों ने कहा, भागो जंगली भैंसों का झुण्ड आ रहा है, कोई मोटी खाल काम नहीं आएगी। इस पर उसने पुनः भगवान को याद किया, भगवान ने कहा अलग रूप और क्षमता मांगने के बजाय भय समाप्त करने का ही वरदान मांग लेते।

जीवन में संस्कारी होना जरूरी, इसके बिना मनुष्य..-सम्मेलन के मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय संत असंग देव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक आपको स्वयं सेवा करना सिखाता है। मधुमक्खी में संगठित होने से हाथी भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाते। आपका धन खो जाए तो पुनः मिल जाएगा, मित्र पुनः वापस आ जाएंगे, लेकिन एक बार मनुष्य का शरीर व्यर्थ में छूट जाए, तो उसके पुण्य को पुनः अर्जित नहीं किया जा सकता। देवताओं से भी श्रेष्ठ मनुष्य का जीवन होता है, लेकिन उसके लिए संस्कारी होना जरूरी है। संस्कार विहीन मनुष्य दानव बन जाता है। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म सभी पंथों की जड़ है, यह हमारा सौभाग्य है कि भारत जैसी पुण्य भूमि में जन्म हुआ। जहां भगवान राम एवं कृष्ण का जन्म हुआ। बांग्लादेश और विश्व में जिस प्रकार चुनौती है, ऐसे में बंटने नहीं संगठित होने का समय है। वहीं समाजसेवी उर्मिला नेताम ने परिवार को संस्कारी व समाज को संगठित होने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बिखरते परिवार को संस्कार देकर बचाया जा सकता है।

डॉ. भागवत ने...

में सप्ताह में एक दिन तय करके सब एक साथ भजन करें। साथ में घर पर बना भोजन करें। आपस में सुख -दुःख की चर्चा करें। हम कौन हैं, देश की स्थिति, परिस्थिति पर चर्चा करें। महान आदर्शो को जीवन में कैसे अपनाएं इस पर चर्चा करें। तीसरा, ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के बीच पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत क्या कर सकते हैं, उसको लेकर विचार करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कैसे कम हो सकता है, पेड़ लगाओ, वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दें। चौथा, परिवार- समाज में अपनी भाषा बोलें। और पांचवा धर्म सम्मत आचरण को जीवन का हिस्सा बनाएं, देश के संविधान पर भरोसा और उसका पालन प्राथमिकता से करें।

जब डगमगाए पैर...

परिवार की वरिष्ठ समाज सेवी उर्मिला नेताम के पैर जब डगमगाए, तो उन्हें चलने में असुविधा को देखते हुए सरसंघचालक ने उनको सहारा देते हुए भारत माता के चित्र में पुष्प अर्पित करने में सहयोग करते हुए मातृत्व के प्रति सहृदयता का भाव प्रकट किया।

खड़ी ट्रेलर में...

ट्रेलर में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख और बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बच्चा गंभीर रूप से झुलस चुका था। घटना की सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चे को बाहर निकलवाया, लेकिन जलने से उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।मासूम की मौत के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तंजानिया के लोग...

पर यूरोप और अमेरिका में है। वहां की यात्रा के दौरान आपको अधिकांश मौकों पर स्थानीय निवासियों के व्यवहार में शुष्कता और रुखापन महसूस होगा। यह रुखापन ही वह वजह है कि यूरोप की यात्रा के दौरान भी हम भारतीयों की पहली पसंद यूरोपियन एयरलाइंस की जगह एमिरेट्स, कार्यालय एतिहाद एयरलाइंस रहती है।

पूर्वी अफ्रीका के देश तंजानिया में अनुभव इससे पूरी तरह जुदा हैं। एयर तंजानिया के विमान की परिचालिका से लेकर होटल और कैंप के स्टाफ तक हर मौके पर लोग चेहरे पर स्वाभाविक मुस्कान के साथ मदद को आतुर दिखते हैं। टिप ना मिलने पर भी उनके चेहरे से मुस्कुराहट ओझल नहीं होती है। इनके स्वभाव में ईमानदारी और जिम्मेदारी का प्रत्यक्ष अनुभव तब हुआ जब म्वांजा के होटल से तकरीबन सौ किलोमीटर दूर आ जाने के बाद वाहन चालक हमीद के पास फोन आया कि अपनी गले की सोने की चेन मैं कमरे में ही छोड़ आया हूं। होटल स्टाफ, सफारी कंपनी और हमीद ने साझा प्रयास कर तीन दिन के भीतर सात सौ किलोमीटर दूर मनियारा में वह चेन मेरे हवाले कर दी। इसके एवज में उन्होंने कोई शुल्क भी नहीं लिया।

यूरोप या अमेरिका में तो आप ऐसी कल्पना भी नहीं कर सकते।

विदेश यात्रा के दौरान शाकाहारी होना खासा परेशानी भरा रहता है। विकल्प बहुत सीमित होते हैं और अगर आपकी बुकिंग फुल बोर्ड के रूप में है तो जो बुफे में परोसा गया है उसी से आपको काम चलाना होता है। यहां इस मामले में भी हालात पूरी तरह जुदा रहे। हर जगह होटल के शेफ ने आकर पसंद ना केवल जानना ही चाही बल्कि उसको पूरा करने की ईमानदार कोशिशें भी की। वेटर भी उसमें पूरी तरह से भागीदार रहते रहे। वाकई यह सेवा भाव अचंभित करने वाला था। इनकी इस मासूमियत और व्यवहारिक कोमलता का सदियों तक गलत फायदा उठाया गया। इसे रंगभेदी मानसिकता ना समझा जाए। यह कटु सत्य है कि गोरे तन में काला मन लिए हुए कुटिल लोगों ने अपनी शातिरता और अत्याधुनिक हथियारों के बूते सदियों तक इन पशुपालकों को ही अपना पालतू बनाए रखा। नये साल के मौके पर कुछ नया और सकारात्मक साझा करने के उद्देश्य से अपने मनोभाव को आपसे साझा किया।

अब बात एक बार फिर यात्रा पर केंद्रित करते हैं। सेरेंगेट्टी नेशनल पार्क के बाद अब हमारा मुकाम गोरंगोरो नेशनल पार्क है। लाखों साल पहले ज्वालामुखी फूटने के चलते एक विशाल गहरा गड्ढा बना जो जैव विविधता के चलते अब विश्व धरोहर भी है। बिग फाइव प्राणियों में गेंडे की तलाश यहां आकर ही पूरी होती है। सेरेंगेट्टी से यहां तक का सफर आसान नहीं रहता। डामर विहीन पत्थरों से भरी सड़क पर चार से पांच घंटे बिताने के बाद ही आप यहां पहुंच पाते हैं।तन डोले कि मन डोले का मुकम्मल अहसास इस दौरान होता रहता है। तकरीबन 206 किलोमीटर व्यास के इस क्रेटर के गहरे इलाके में उतरने और ऊपर आने के रास्ते अलग अलग हैं। जमीन की प्रकृति ऐसी है यहां पेड़ बमुश्किल ही देखने को मिलते हैं। हर ओर घास के मैदान हैं। अच्छी लंबी चौड़ी झील भी है जहां सफेद - गुलाबी रंग के हजारों फ्लेमिंगों पक्षियों की मौजूदगी रोमांचित कर देती है। बड़ी संख्या में विशालकाय शरीर के हिप्पोपोटामस अर्थात दरियाई घोड़े भी दिखाई दे जायेंगे। कटार जैसे बड़े और धारदार दांतो को जब वह अपना मुंह फाड़कर दिखाते हैं तो शरीर में झुरझुरी दौड़ जाती है। शेर, जंगली सूअर, हाथी , जिराफ जैसे जानवर भी पर्याप्त हैं। एक स्थान पर हाथियों के बीच मुकाबले का वीडियो बनाने का मौका भी हमें मिला।हाथियों की मतवाली चाल को देखना भी अलग ही अनुभव होता है। आपकी जेब में पैसे जरूरत से ज्यादा हों और समय भी इफरात हो तो नजदीक में मनियारा नेशनल पार्क और तरंगिरी नेशनल पार्क भी मौजूद हैं। लेकिन कुल मिलाकर अब इतना कुछ देख लिया है कि अब कुछ और देखने की तुरंत तो चाह नहीं रही। इसलिए अब समय है वापसी का। इस वादे के साथ कि जल्द ही फिर किसी नये स्थान की सैर आप पाठकों को जरूर करायेंगे।

सलाह -

आप जितने भी समझदार हों लेकिन यात्रा के अनुभव के आधार पर आपको यह सलाह है कि सफारी के लिहाज से पहले से सब कुछ बुक करके घर से निकलना ही बेहतर है। अच्छी साख वाले किसी ट्रैवल एजेंट के माध्यम से वह टूर पैकेज बनवाना ही बेहतर है जिसमें विदेशी धरती पर उतरने से लेकर वापसी के लिए विमान में चढ़ने तक की हर चीज शामिल हो। ऐसा ना करने पर यात्रा आपके लिए दुखद अनुभव भी साबित हो सकती है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् शिवपुर-चरचा, जिला-कोरिया (छ.ग.)

क्र./1746/लो.नि.वि./न.पा.प./2025 — शिवपुर-चरचा, दिनाँक 30/12/2025

// ई - निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	समय सीमा	फिजिकल लिफाफा जमा करने की अंतिम तिथि
1	182678	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Shivpur Charcha, Chhattisgarh	INR Rs. 77.02 Lakhs	INR Rs. 0.58 Lakhs (Rupees Fifty Eight Thousand only) TDR/FDR in favour of Chief Municipal Officer, Municipal Council Shivpur Churcha	Rs. 10,000.00 (Rupees Ten Thousand only) in the form of DD in favour of Chief Municipal Officer Municipal Council Shivpur Churcha	Construction Period - 06 months (from the date of issuing of Work Order) including rainy season Trial run - 03 months from the date of issuing of work order.	27-01-2026, by 04:00 PM

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.inसे डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद् शिवपुर-चरचा जिला-कोरिया (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

प.क्र. 467/लो.नि.शा./न.पा./2025-26 — पत्थलगांव, दिनांक 31/12/2025

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रूपए लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	182721	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Pathalgaon, Chhattisgarh	51.28	38,000.00	10,000.00	21.01.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव
जिला - जशपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग)

क्र. 647/न.पा.नि./बाजार.वि./2025-26 — **स्वामित्व नामांतरण आम-सूचना** — बिलासपुर दिनांक 26.12.2025

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित व्यक्तियों से आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुये है । इस नामांतरण के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / बैंक / एल.आई.सी. / अन्य संस्थाओं को कोई आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन दिनांक से 30 दिनों के भीतर इस संबंध में आपत्ति लिखित रूप से सबूत के साथ नेहरू चौक स्थित विकास भवन, नगर पालिक निगम बिलासपुर के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है। निधारित अवधि के पश्चात् प्रस्तुत की गई आपत्ति मान्य नहीं होगी। जिसे निगम की वेबसाईट- **www.bilaspurnagarnigam.com** से भी प्राप्त किया जा सकता है।

क्र.	जिनके नाम पर है नाम / पिता पति का नाम	जिनके नाम पर होना है नाम / पिता पति का नाम	दुकान क्रमाक एवं क्षेत्र	आधार
1	श्री आकाश आहुजा/पिता श्री अशोक आहुजा ऋषि कालोनी दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती लक्ष्मीन वर्मा/पति श्री सुशील वर्मा मेलापारा चांटीडीह बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार चबूतरा क्र. 58	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
2	श्री सतीष साहू/पिता श्री लोकनाथ हरदेव लाल मंदिर के पास गोलबाजार बिलासपुर (छ.ग.)	नेहल साहू/पिता-श्री सतीष साहू हरदेव लाल मंदिर के पास गोलबाजार बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार पुरानी हटरी दुकान क्र. 23	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
3	श्री कन्हैया लाल शिवदासानी/पिता-बल्लरमल शिवदासानी धानमंडी के पीछे तोरवा बिलासपुर (छ.ग.)	श्री टेकचंद शिवदासानी / पिता-श्री बल्लरमल शिवदासानी काली मंदिर के पास गली नं. 02 तेलीपारा बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार यात्री कार्यालय के सामने दुकान नं. 03	शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
4	श्री मुरलीधर लखवानी / पिता-चंदीराम लखवानी नया सरकण्डा सिंधी मोहल्ला बिलासपुर (छ.ग.)	श्री संजय कुमार नोपानी / पिता-श्री बुद्धकरण नोपानी जैन मंदिर के पीछे क्रांतिनगर बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार दुकान नं. 07	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
5	श्री पुरूषोत्तम देवांगन / पिता-बेदराम देवांगन सुभाष चौक चिंगराजपारा बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती कविता देवांगन / पति-दीपक देवांगन निवासी-लिंगयाडीह चिंगराजपारा बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार चबूतरा क्र. 73	शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
6	श्रीमती माधुरी देवांगन / पति-श्री पुररूषोत्तम देवांगन निवासी सुभाष चौक चिंगराजपारा बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती कविता देवांगन / पति-दीपक देवांगन निवासी-लिंगयाडीह चिंगराजपारा बिलासपुर (छ.ग.)	शनिचरी बाजार चबूतरा क्र. 74	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र,
7	श्री प्रदीप कुमार शुक्ला / पिता-स्व. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला निवासी-सिद्ध सदन सर्किट हाउस रोड (छ.ग.)	श्री प्रशांत पोपटानी / पिता-ज्ञानचंद पोपटानी निवासी-जबड़ापारा गली नं. 02 सरकण्डा बिलासपुर (छ.ग.)	राधवेन्द्रराव सभा भवन परिसर की दुकान क्र. 09	शपथ पत्र, सहमति पत्र आवेदन पत्र
8	श्री मुकेश आयलानी / पिता-श्री मोहनलाल आयलानी निवासी चटर्जी गली नया सरकण्डा बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती अनीता लालवानी / पति-श्री नीरज लालवानी निवासी-नारियाल कोठी दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव प्लाजा दु. क्र. डी.एफ. /08	शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
9	श्री मुकेश आयलानी / पिता-श्री मोहनलाल आयलानी निवासी चटर्जी गली नया सरकण्डा बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती ममता लालवानी / पति-श्री अविनाश लालवानी निवासी-नारियाल कोठी दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव प्लाजा दु. क्र. डी.एफ. /05	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
10	श्री नितीन बेरीवाल / पिता-श्री जय नारायण बेरीवाल निवासी-गली नं. 04 क्रान्ती नगर बिलासपुर (छ.ग.)	श्री रवि कुमार रामानी / पिता-श्री मोहन लाल रामानी निवासी-हसदेव लाल मंदिर के पास सिंधी मोहल्ला बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव प्लाजा दु. क्र. डी.एफ. /01	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
11	श्री विजय मंगवानी एवं श्री संजय मांगवानी / पिता-स्व. श्री सनमुखदास मांगवानी निवासी-ऋषि कालोनी दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.)	श्री अमर माखीजा एवं अजय माखीजा / पिता-श्री कृष्ण कुमार माखीजा निवासी-नागोराव शेष स्कूल के पीछे जूना बिलासपुर, बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव प्लाजा दु. क्र. डी.जी. /01	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
12	श्री मान्या लालवानी / पति-श्री नवीन लालवानी निवासी-गली नं. 04 गुरुद्वारा के पीछे कश्यप कालोनी बिलासपुर (छ.ग.)	श्री अनिल कुमार लालवानी / पिता-श्री सभागचंद लालवानी निवासी-शिव धाम कश्यप बस्ती गली नं. 03 गीतांजली नगर बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव प्लाजा दु. क्र. सी.एफ. /08	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
13	1. श्रीमती कौशिल्या सलूजा/पति-श्री महेन्द्र सिंह सलूजा 2. श्रीमती रेणुका सलूजा/पति-श्री रविन्द्र सलूजा निवासी-गली नं. 05 जगत एजेन्सी तेलीपारा बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती किरण बजाज / पति-श्री पेशु बजाज निवासी-वेयर हाउस रोड बिलासपुर (छ.ग.)	गोलबाजार के अंदर दु. क्र. 39	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
14	श्री नारायण प्रसाद साहू एवं अशोक साहू दोनो के पिता-स्व. श्री महावीर प्रसाद साहू निवासी-आर्दश कालोनी पुराना हाइकोर्ट रोड बिलासपुर (छ.ग.)	श्री राजा वर्मा/पिता-श्री अर्जुन वर्मा निवासी-चकरभाठा कैम्प वार्ड नं. 13 बोदरी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)	हॉटल सुविधा के नीचे की दु. क्र. 16	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र
15	1. श्रीमती काजल मंगवानी/पति-श्री संजय मंगवानी 2. श्रीमती पूजा मंगवानी / पति-श्री विजय मंगवानी निवासी - ऋषि कालोनी दयालबंद बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती पायल भक्तानी / पति-श्री अनिल भक्तानी निवासी-तोरवा धान मंडी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)	राजीव प्लाजा दु. क्र. डी.जी. /02	शपथ पत्र सहमति पत्र एवं आवेदन पत्र

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान — प्रभारी अधिकारी, बाजार विभाग, न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital — Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका — सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- प्रोडक्ट देने कम्प्यूटर बिलिंग हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक जरुरतमंद सम्पर्क करें- शिवा इंटरप्राइजेज शॉप नं.-2, अरपा कॉम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893081826, 7067124226, 6268600200 (39515)

आवश्यकता है- फ्लैक्स एवं फोटोकॉपी हेतु कम्प्यूटर आपरेटर (हिन्दी टाइपिंग अनिवार्य) एवं कलेक्शन के लिए लड़के की आवश्यकता है। अनुभवी ही सम्पर्क करें- गगन फ्लैक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9425535104, 9039968650 (39522)

आवश्यकता है- बिलासपुर में टेलीकॉलिंग के साथ कम्प्यूटर का नॉलेज, युवतियां व महिलाओं की आफिस कार्य हेतु 5 पद, वेतन 7000 से 14000 (अनुभवी को प्राथमिकता) सम्पर्क करें- लिंक रोड बिलासपुर, फोन whatsup 9303013748, 9302602921 Emailmaicropagrisolution7@ gmail.com (39517)

आवश्यकता है- सुबह 6बजे से शाम 7बजे तक सात्विक शाकाहारी भोजन बनाने एवं अन्य घरेलू कार्य करने हेतु युवती चाहिए। शिक्षा 12वीं पता- वी-18, रामा लाइफ सिटी सकरी बिलासपुर 9893081826, 7067124226, 6268600200 (39516)

आवश्यकता है- मेडिकल स्टोर में कार्य करने के लिए लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- जानकी मेडिकल भाजपा कार्यालय के पास करबला रोड बिलासपुर 9098685395 (39524)

आवश्यकता है- साउथ इंडियन फूड रेस्टोरेन्ट में सफाई देखरेख हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है रहना खाना फ्री, कार्य समय सुबह 7बजे से शाम 8बजे (दोपहर में रेस्ट भी मिलेगा) सम्पर्क करें- 9098809714 (39523)

आवश्यकता है-सेल्स मैनेजर- 1पद, सेल्स ऑफिसर- 4पद, मार्केटिंग ऑफिसर- 4पद, रिसेप्शनिस्ट- 1पद की आवश्यकता है शोरूम में केवल टूव्हीलर के अनुभवी ही सम्पर्क करें- मां वैष्णवी मोटर्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9179999901 (39509)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 8889997826 (39295)

आवश्यकता है-मेंस वियर, किड्स वियर, कुर्ती, साड़ी हाउस में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। सैलरी+ हर बिक्री पर 1% कमीशन। सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड करबला रोड, बिलासपुर 7566285241 (39512)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06, जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स, कम्पाउंडर एवं अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 9981970853 (39514)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कर्मचारी की आवश्यकता है। संपर्क करें, गोयल मेडिकल स्टोर, CIMS गेट के सामने, बिलासपुर 9303112340, 9300674797 (दोपहर 12 से शाम 5 बजे के बीच ही काल करें) (39520)

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल, बढ़ई (कारपेंटर) एवं कार ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- दोपहर 12बजे से 2बजे तक 9300612345, 97531111171 (39518)

आवश्यकता है-हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु मार्केटिंग, नर्सिंग, रिसेप्शन, फार्मेसी, ओटी, एक्स-रे टेक्नीशियन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रामा केयरवेल हॉस्पिटल रिंग रोड नं.-2 गौरव पथ बिलासपुर 9806716000 (39511)

आवश्यकता है- मार्केटिंग केनोपी बैठने हेतु 10 युवकों की (सैलरी+ कमीशन) एवं छोटा हाथी (प्रचार वाहन) चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं ऑफिस स्टॉफ के लिये मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9993243498 (39519)

आवश्यकता है-आरटीओ एक्जीक्यूटिव एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। इंटरव्यू सुबह 10:30 से शाम 5.30 सम्पर्क करें- वरुण सुजुकी राजीव गांधी चौक, रायपुर रोड, बिलासपुर 9174734567 (39513)

आवश्यकता है-रोड कंस्ट्रक्शन साईड पालघर महाराष्ट्र में 40 सुरक्षा गार्ड की तत्काल आवश्यकता है वेतन 18000 से 20000 तक रहना, खाना फ्री, पीएफ, ईएसआई की सुविधा सम्पर्क करें- 9893033927 (39510)

आवश्यकता है- राधा कृष्ण सेवा संस्थान में, रायपुर एवं बिलासपुर के लिए कार्यालय इंचार्ज, विकास अधिकारी, सेल्स ऑफिसर चाहिए, शासकीय सेवा मुक्त को प्राथमिकता सिविल ग्रेजुएशन, ग्रेजुएट भी संपर्क कर सकते हैं मो. 8109100493. (प्रबंधक आर.के.एस.एस) (6521)

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल फैमिली हेतु 12घंटे एवं 24घंटे कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता अनुभव 5वर्ष योग्यता न्यूनतम 10वीं पास वेतन 25000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क स्थान सिविल लाइन्स रायपुर केवल अनुभवी और जिम्मेदार सपर्क करें- 9109125252, 9109972720 (445)

आवश्यकता है-OMMI कम्पनी को तत्काल 45 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना फ्री परमानेन्ट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओवर ब्रिज के पास बिलासपुर 8003402269, 6393559091 (1484)

आवश्यकता है-अनुभवी सिविल कांट्रेक्टर की आवश्यकता है जो लेबर रेट पर रायपुर में बेसमेन्ट जी प्लस इलेवन की बिल्डिंग हेतु सम्पर्क करें- श्री प्रवीण जी 9329116108 (6519)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना

बेचना है- 3/2/ 1BHK Luxury फ्लैट उपलब्ध है सुविधाएं Temple, Swimming Pool Sitting, kids play Area, Gym, yoga Garden, Club House, Jogging Track, Amphitheater हाईकोर्ट के सामने रायपुर रोड, बिलासपुर सम्पर्क- 9827157523 (39525)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 8839455596, 7697644444 (38649)

बेचना है-बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 (39297)

बेचना है- हार्मोनियम न्यू 13 स्केल चेंजर 4 लाइन ओरिजनल जर्मनी उच्च गुणवत्ता रीड से बना, कलकत्ता फोल्डिंग हारमोनियम बेचना है सम्पर्क करें- 9981492262, 8109445503 (39521)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराइए गुप्त रोग
• शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी • शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता • लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन • लिंग में टेढ़ापन • वीर्य में शुक्राणु की कमी • बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी • पेशाब में धातु जाना • शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका..
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

नई चुनौतियां, नए सपने, भारतीय खेलों के लिए इम्तिहान-2026

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, जिसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे और ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। नए साल के खेल कैलेंडर पर एक नजर।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा नया साल

जून में महिला टी20 विश्व कप

जून में महिला टी20 विश्व कप होगा, जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी, जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विम्बलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैंपियनशिप होगी। इसके बाद मारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप 27 अक्टूबर से 8 नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप होगी, जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है ।

सिंधू पर रहेगी नजर

बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैंपियनशिप 3 मार्च से शुरू होगी, जिसमें पीवी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉलप्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से आस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

तीसरी तिमाही में राष्ट्रमंडल खेल और हॉकी विश्व कप

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा।

क्रिकेट में होंगे तीन विश्व कप

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से 1 फरवरी के बीच आयोजित होगा लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है।

दूसरी तिमाही में शतरंज और मुक्केबाजी टूर्नामेंट

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिससे विश्व चैंपियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के गुकेश विश्व चैंपियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे, जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई मारोत्तोलन चैंपियनशिप 1 से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी । इसके बाद 24 अप्रैल से 3 मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा, जिसके लिए भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है।

विजय हजारे ट्रॉफी में 75 गेंद में बनाए 157 रन

सरफराज ने खेली तूफानी शतकीय पारी, जड़े 9 चौके और 14 छक्के

एजेंसी ▶▶| जयपुर

जयपुर में गोवा और मुंबई के बीच खेले जा रहे विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले में मुंबई की तरफ से खेलते हुए सरफराज खान ने विस्फोटक शतकीय पारी खेलते हुए न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले चयनकर्ताओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

गोवा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। मुंबई के लिए यशस्वी जायसवाल और अंगकृष रघुवंशी पारी की शुरुआत करने आए थे। अंगकृष 18 गेंद पर 11 और यशस्वी 64 गेंद पर 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर मुशीर खान और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सरफराज खान ने मोर्चा संभाला। दोनों भाइयों ने गोवा के गेंदबाजों की धुनाई शुरू की।

56 गेंदों पर किया शतक पूरा

मुशीर 66 गेंद पर 60 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन सरफराज खान कुछ अलग करने के इरादे से बल्लेबाजी करने उतरे थे। 56 गेंदों पर शतक पूरा करने वाले सरफराज खान ने 75 गेंदों पर 14 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 157 रन की विस्फोटक और आकर्षक पारी खेली। इस पारी के दम पर मुंबई ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 444 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज हार्दिक तामोरे ने 28 गेंद पर 53 और कप्तान शार्दुल ठाकुर ने 8 गेंद पर 27 रन की पारी खेली।

मुंबई का लिस्ट ए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

मुंबई का लिस्ट ए क्रिकेट में यह दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। मुंबई का सर्वाधिक स्कोर 457 है, जो उसने 2021 में पुडुचेरी के खिलाफ बनाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा होनी है। टीम के ऐलान से पहले सरफराज खान ने कहीं न कहीं चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ जरूर खींचा है और उन पर दबाव बढ़ाया है। सरफराज निश्चित रूप से चयन के लिए फिलहाल संभावितों में नहीं हैं, लेकिन जिस तरह टी20 विश्व कप में ईशान किशन का चयन हुआ है, उसे देखते हुए उन्होंने अपने पक्ष में सकारात्मक माहौल जरूर बनाया है।

अफरीदी का टी-20 विश्व कप खेलना संदिग्ध

कराची। पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी चोट के कारण आस्ट्रेलिया से स्वदेश लौटेंगे और उनका भारत और श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध है। शाहीन को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लाहौर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उपचार के लिए बुला लिया है। उन्हें बिग बैश लीग में ब्रिसबेन हीट के लिए फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। बीबीएल में पदार्पण कर रहे शाहीन का प्रदर्शन औसत रहा है। वह 2021-22 में घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय क्रिकेट से दूर रहे थे।

खबर संक्षेप

टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान, नवीन की वापसी

काबुल। अफगानिस्तान ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज नवीन उल हक और ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को शामिल किया है। स्टार स्पिनर राशिद खान टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे जबकि इब्राहिम जदरान को उप कप्तान बनाया गया है। नवीन कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 दिसंबर में खेला था। नायब और तेज गेंदबाज फजलहक फारुकी को अक्टूबर में बांग्लादेश के सफेद गेंद के दौरे से बाहर कर दिया गया था, दोनों को टीम में जगह मिली है। मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने कहा, 'हमने पिछले कुछ दिनों में चर्चा के बाद टीम को अंतिम रूप दिया। गुलबदीन नायब बड़े मैच के खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी से हमारी टीम को मजबूती मिलेगी।

बेंगलुरु ओपन के लिए प्रजवल को वाइल्ड कार्ड

बेंगलुरु। भारतीय टेनिस स्टार प्रजवल देव को पांच से 11 जनवरी के बीच होने वाले दसवें बेंगलुरु ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

ब्रूक और स्टार्क को फायदा दोनों दूसरे स्थान पर पहुंचे

- बल्लेबाजों में इंग्लैंड के रूट पहले स्थान पर बरकरार
- जायसवाल और गिल शीर्ष दस में शामिल

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग जारी की। ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज मिचेल स्टार्क फायदा हुआ है। वह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी की बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं। दूसरे स्थान पर हैरी ब्रूक हैं। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड हैं। दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं, उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस छठे, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें, और भारत के यशस्वी जायसवाल आठवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सऊद शकील नौवें और भारत के शुभमन गिल दसवें स्थान पर हैं। शकील और गिल दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल शीर्ष दस में शामिल भारत के 2 बल्लेबाज हैं।

गेंदबाजों रैंकिंग में बुमराह शीर्ष पर कायम

आईसीसी की जारी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर कायम हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं। स्टार्क को एक स्थान का फायदा हुआ है। तीसरे स्थान पर पाकिस्तान के नोमान अली हैं। नोमान को दो स्थान का फायदा हुआ है। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। कमिंस को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। कमिंस एशेज सीरीज में सिर्फ एक टेस्ट खेल सके हैं।

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा के निर्माता ध्यान दें !

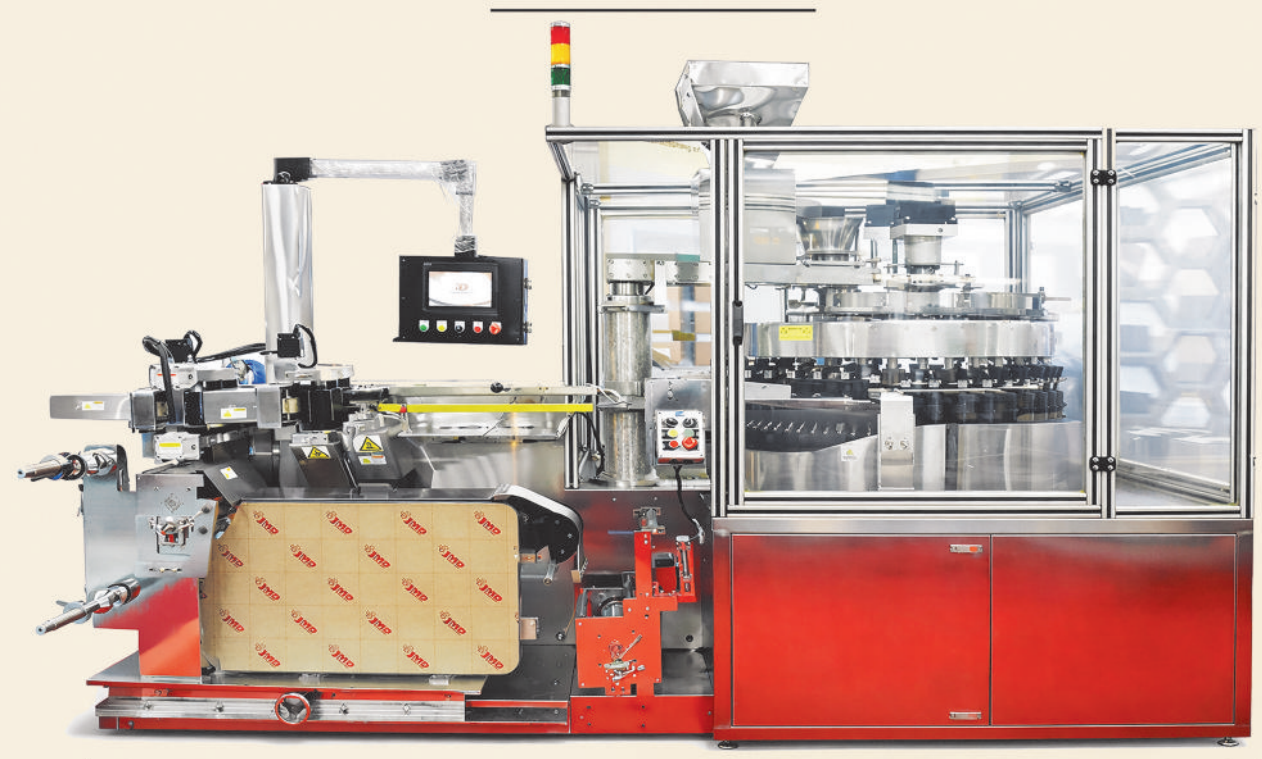

1 फरवरी, 2026 से
क्षमता-आधारित उत्पाद शुल्क लागू

चबाने वाला तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू एवं गुटखा, जो पैकिंग मशीन की सहायता से निर्मित होकर पाउच में पैक किए जाते हैं, उन पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क उत्पादन क्षमता के आधार पर 1 फरवरी, 2026 से लागू किया जाएगा।

पहले से पंजीकृत करदाताओं को नए केंद्रीय उत्पाद शुल्क पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है।

ऐसे निर्माताओं द्वारा अपने परिसर में मशीनों के विवरण के संबंध में निर्धारित नियम के अनुसार निर्धारित प्रारूप में डिक्लेरेशन, 1 फ़रवरी, 2026 से 7 फ़रवरी, 2026 के बीच संबंधित क्षेत्राधिकार के केंद्रीय उत्पाद शुल्क के उप/सहायक आयुक्त के पास प्रस्तुत करनी होगी

क्र.सं	अनुपालन	देय तिथि
1.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान एक माह हेतु	उसी माह की 6 तारीख
2.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क रिटर्न एक माह हेतु	उसी माह की 10 तारीख

अन्य पैकिंग (जैसे टिन आदि) के मामलों में शुल्क, खुदरा बिक्री मूल्य (आर एस पी) के आधार पर (निर्धारित छूट के अधीन) अदा किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नोटिफिकेशन संख्या. 04/2025-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 दिसंबर, 2025 देखें।

@cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @cbicindia @CBICIndia www.cbic.gov.in

CBC 15502/13/0048/2526

नदियों में घूमता खतरनाक दैत्य, अधूरे कंकाल से वैज्ञानिकों से कर दी बड़ी खोज

बैंकाक। थाईलैंड में वैज्ञानिकों ने एक बहुत ही खास डायनासोर की पहचान की है। यह करीब 12.5 करोड़ साल पहले धरती पर मौजूद था। यह डायनासोर लगभग 25 फीट लंबा था। मछलियों का शिकार करता था। इस डायनासोर को फिलहाल सैम रान सिपनोसॉरिड कहा जा रहा है। यह नाम उस जगह के नाम पर रखा गया है जहां इसके जीवाश्म मिले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह डायनासोर क्रेटेशियस काल के दौरान, थाईलैंड के खोराट ग्रुप इलाके की नदियों और पानी वाले इलाकों में रहता था। इस खोज की जानकारी थाईलैंड के वैज्ञानिक अद्रुन समथी ने दी। उन्होंने इसे 2025 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुई सोसाइटी ऑफ वर्टिब्रेट पेलियॉन्टोलॉजी की सालाना बैठक में पेश किया था।

वालेंसिया में पेड़ों पर लदे रहते हैं नारंगी, नहीं तोड़ता कोई

मैड्रिड। स्पेन का वालेंसिया शहर संतरों के लिए मशहूर है। यहां आपको पूरी सड़क संतरे से लदी दिखेगी। लेकिन सबसे हैरानी की बात ये है कि इन संतरों को कोई खाता नहीं है। भारत में नागपुर को 'संतरा शहर' कहा जाता है, जो मीठे, रसीले संतरे के लिए मशहूर है। दरअसल, ये संतरे मीठे नहीं, बल्कि बेहद कड़वे और खट्टे होते हैं। वालेंसिया में करीब 8,000 से 16,000 तक सजावटी संतरे के पेड़ हैं। ये बिटर ओरेंज हैं, जिन्हें नारंजो अमार्गो भी कहते हैं। ये पेड़ 10वीं सदी में अरबों (मूरिश) द्वारा स्पेन लाए गए थे। शुरू में इन्हें महलों, मस्जिदों और आंगनों में सजावट के लिए लगाया गया, क्योंकि ये सदाबहार होते हैं, सालभर हरे रहते हैं, छाया देते हैं और वसंत में अजहार नामक सफेद फूल खिलते हैं, जिनकी खुशबू पूरे शहर में फैल जाती है।

साल 2026 में शानदार खगोलीय नजारों का होगा दीदार

वॉशिंगटन। पूरी दुनिया साल 2026 के स्वागत के लिए तैयार है। अलग-अलग देशों में अलग-अलग समय पर लोग नए साल का स्वागत करेंगे। वहीं, दुनियाभर के खगोलविदों के लिए आने वाला साल कुछ खास होगा, जो कई दुर्लभ खगोलीय घटनाओं का दीदार कराने वाला है। साल की शुरुआत सुपरमून से होगी तो दूसरे महीने में सूर्य ग्रहण के दौरान रिंग ऑफ फायर का दुर्लभ नजारा होगा। इसके साथ ही यह साल एस्ट्रोनॉट के लिए बहुत खास होने वाला है और 50 सालों में सबसे ज्यादा अंतरिक्षयात्रियों को अपनी ओर खींचेगा। साल के दूसरे हिस्से में एक पूर्ण सूर्यग्रहण को लेकर खगोल वैज्ञानिकों में उत्सुकता बनी हुई है। आइए साल के महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाक्रम पर नजर डालते हैं।

चंद्र ग्रहण और ब्लडमून

साल का पहला चंद्रग्रहण रिंग ऑफ फायर सूर्यग्रहण के दो सप्ताह बाद 3 मार्च को होने जा रहा है। यह एक पूर्ण चंद्रग्रहण होगा जिसे ब्लड मून कहा जा रहा है। इस दौरान चंद्रमा की सतह 58 मिनट तक लाल रंग की चमकेगी। इससे पश्चिमी उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र से सबसे अच्छे से देखा जा सकेगा। साल का आखिरी ग्रहण एक आंशिक चंद्रग्रहण होगा। 28 अगस्त को चंद्रमा की सतह का 96% हिस्सा लाल हो जाएगा, लेकिन पूरी तरह से ग्रहण नहीं लेगा। इस दौरान पृथ्वी की छाया के किनारे को चंद्रमा की सतह को पार करते हुए देखना शानदार अनुभव होगा। साल 2026 में तीन सुपरमून अपनी अद्भुत चमक से आसमान को रोशन करेंगे। यह तब होता है जब पूर्णिमा का चांद अपनी कक्षा में घूमते हुए पृथ्वी के ज्यादा करीब आ जाता है।

सूर्य ग्रहण और रिंग ऑफ फायर

साल 2026 में 17 फरवरी को एक वलयाकार सूर्यग्रहण होने जा रहा है। इस दौरान सूर्य और पृथ्वी के बीच में चंद्रमा के आने से सूरज एक चमकीली अंगूठी के रूप में दिखाई देता है। इसे रिंग ऑफ फायर के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि, इसे अंटार्कटिका में कुछ रिसर्च स्टेशन से ही अच्छी तरह देखा जा सकेगा। 12 अगस्त को एक पूर्ण सूर्यग्रहण होने जा रहा है, जो आर्कटिक में शुरू होगा और ग्रीनलैंड, आइसलैंड और स्पेन से होकर गुजरेगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :